राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 60 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,31 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

अमेरिका के अफगान छोड़ने से पहले काबुल एयरपोर्ट पर दागे गए 5 रॉकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान से अपनी वापसी को पूरा करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका तैयार है। 31 अगस्त आखिरी तारीख है। इससे ठीक पहले सोमवार को रॉकेट्स ने अफगान राजधानी काबुल में उड़ान भरी। हवाईअड्डे पर 5 रॉकेट दागे गए, जिन्हें अमेरिकी मिसाइल रोधी प्रणाली ने इंटरसेप्ट किया है। फिलहाल इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है। कट्टरपंथी इस्लामवादी तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जे के बाद से अमेरिका के नेतृत्व वाली रेस्क्यू उड़ानों में डरे हुए लोगों का पलायन शुरू हो गया। अमेरिका ने काबुल हवाई अड्डे से 114,000 से अधिक लोगों का रेसक्यू किया है। हालांकि आधिकारिक तौर पर मंगलवार को समाप्त यह अभियान समाप्त हो जाएगा। हजारों अमेरिकी सैनिक अफगान छोड़ देंगे। तालिबान के प्रतिद्वंद्वियों इस्लामिक स्टेट समूह ने पिछले सप्ताह के अंत में हवाई अड्डे पर एक आत्मघाती बम हमले को अंजाम देने के बाद अमेरिकी वापसी के लिए सबसे बड़ा खतरा पैदा किया है। इस हमले में 13 अमेरिकी सैनिकों सहित 100 से अधिक लोगों की जान चली गई। बाइडेन ने चेतावनी दी थी कि अधिक हमले होने की संभावना है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा कि उसने रविवार रात काबुल में विस्फोटकों से भरे वाहन पर हवाई हमला किया। शहर में एएफपी के पत्रकारों के अनुसार, इसके बाद सोमवार की सुबह काबुल में रॉकेट के उड़ने की आवाज आई। हवाई अड्डे के पास रहने वाले लोगों ने कहा कि उन्होंने मिसाइल रक्षात्मक प्रणाली के सक्रिय होने की आवाज सुनी। एयरपोर्ट के पास धुआं उठता भी देखा गया। तालिबान के एक प्रवक्ता ने रविवार की घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि हवाई अड्डे के नजदीक एक कार बम को नष्ट कर दिया गया। संयुक्त राज्य अमेरिका पर पूरे युद्ध के दौरान हवाई हमलों में कई नागरिकों को मारने का आरोप लगाया गया है। यह अमेरिका के स्थानीय समर्थन खोने का एक बड़ा कारण भी है। यूएस सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन बिल अर्बन ने एक बयान में कहा, 'हम आज काबुल में एक वाहन पर हमले के बाद नागरिकों के हताहत होने की खबरों से अवगत हैं।' अर्बन ने कहा कि अमेरिकी सेना इस बात की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, 'निर्दोष जीवन के किसी भी संभावित नुकसान से हमें गहरा दुख होगा।

भारत में कोरोना की तीसरी लहर की आहट?

केरल में बढ़े केस, लॉकडाउन की सलाह, मुंबई में 30 हजार बेड की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। महामारी कोरोना के घातक वायरस के प्रकोप से जूझ रही दुनिया में अब कई देशों में तीसरी लहर आ चुकी है जबकि भारत में इसको लेकर चिंता और सताने लगी है। कई विशेषज्ञ का दावा है कि तीसरी लहर सितंबर या अक्टूबर में आ सकती है। इसे देखते हुए राज्यों ने अपने स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। महाराष्ट्र में खास कर बेड और ऑक्सिजन रिफिलिंग प्लांट की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। उधर केरल में जिस हिसाब से संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं उसे देखते हुए एक स्वास्थ्य अधिकारी ने लॉकडाउन लगाने की सलाह दी है। केंद्र सरकार के एक अधिकारी का कहना है कि केरल में संक्रमण रोकने के लिए लॉकडाउन के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा तीन दिन पहले केरल में टेस्ट पॉजिटिविटी रेट 15 प्रतिशत था जो अब 19 प्रतिशत हो चुका है। उन्होंने कहा लॉकडाउन लगने से संक्रमण के फैलाव की चेन टूट जाएगी जैसे दिल्ली में हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि अगर केरल में लॉकडाउन लगता है तो वहां एक पखवाड़े के अंदर हालात सुधर जाएंगे।

उन्होंने कहा, त्योहार आने वाले हैं। इसके मद्देनजर केरल में एक सोचे-समझे तरीके से कंटेनमेंट जोन बनाने और लॉकडाउन लगाने का काम करना होगा। यह सुझाव राज्य को भी भेज दिया गया है। बता दें कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को सोमवार से रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया था। वहीं महाराष्ट्र की बात करें बीएमसी के अतिरिक्त नगर आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा कि संभावित तीसरी लहर के लिए 30,000 बेड तैयार किए जा रहे हैं। चेंबूर और महालक्ष्मी में भी ऑक्सिजन रिफिलिंग प्लांट लगाए जाएंगे, ताकि शहर में कोविड रोगियों को गैस की कमी न हो। काकानी ने ये भी कहा कि अलग-अलग बड़े मेक शिफ्ट अस्पताल तैयार किए जा रहे हैं। तीसरी लहर के दौरान पूरे राज्य में 60 लाख तक केस आने का अनुमान लगाया जा रहा है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार 12 फीसदी संक्रमित लोगों को ऑक्सिजन की जरूरत को ध्यान में रखते हुए तीसरी लहर की योजना बना रही है। इसकी उपलब्धता क्षमता को बढ़ाकर 2,000 मीट्रिक टन कर दिया गया है।

खबर एक नजर

गर्मियों में काला कोट और गाउन पहनने से छूट देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में लगाई याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर वकीलों ने गर्मियों में काला कोट और गाउन पहनने से छूट देने की मांग की है। इस याचिका में स्टेट बार काउंसिल्स को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वे अपने नियमों में संशोधन करें और एक टाइम पीरियड निर्धारित करें, जब वकीलों को काला कोट और गाउन पहनने से छूट मिलेगी. याचिका के अनुसार जिस राज्य में जब गर्मी पड़ती है तब उस राज्य के वकीलों को कोट पहनने से छूट दी जानी चाहिए। यह याचिका वकील शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने दायर की है। याचिका में कहा गया कि भीषण गर्मी में कोट पहनकर एक अदालत से दूसरी अदालत जाना वकीलों के लिए काफी मुश्किल भरा होता है। मौजूदा समय में अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के तहत बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमों के तहत निर्धारित वकीलों के ड्रेसकोड के अनुसार अधिवक्ता के लिए सफेद शर्ट, काला कोट और सफेद नेकबैंड लगाना अनिवार्य है। नियमों के तहत हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में पेश होने के दौरान यह पहनना जरूरी है।

गोवा में चोडानकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व कामत विधायक दल के नेता बने रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले गोवा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गिरीश चोडानकर को अपनी प्रदेश इकाई का अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री दिगम्बर कामत को विधायक दल का नेता बनाए रखने का फैसला किया है। इसके साथ ही पार्टी ने चुनाव से संबंधित पांच समितियों का गठन किया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने चोडानकर को गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष और कामत को विधायक दल का नेता बनाये रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। वरिष्ठ नेता लुईजिन्हो फलेरियो की अध्यक्षता में चुनाव समन्वय समिति, रेगिनाल्डो ल्यूरेंको की अगुवाई में चुनाव अभियान समिति, फ्रांसिस्को सरदिन्हा के नेतृत्व में वित्त समिति, रमाकांत खलप की अगुवाई में घोषणापत्र समिति और चंद्रकांत चोडानकर की अगुवाई में प्रचार समिति का गठन किया गया है। गोवा में अगले साल फरवरी–मार्च में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

भारत में तालिबान की एंट्री की आशंका चिंता की कोई बात नहीं: सेना जनरल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना के एक जनरल ने कहा कि कश्मीर घाटी में सुरक्षा की स्थिति नियंत्रण में है और तालिबान के अफगानिस्तान के अधिग्रहण के संभावित नतीजों को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। श्रीनगर एक स्पोर्ट्स ईवेंट में सेना की 15 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे ने कहा 'यह एक खेल का मैदान है और मैं बाहरी लोगों के बारे में टिप्पणी नहीं करना चाहता। लेकिन याद रखें, यहां (कश्मीर) सुरक्षा की स्थिति हमारे नियंत्रण में है और इसके बारे में चिंता करने की कोई बात नहीं है'। तालिबान द्वारा युद्धग्रस्त देश पर नियंत्रण का दावा करने के बाद कश्मीर में संभावित सुरक्षा चुनौतियों पर एक सवाल का जवाब देते हुए पांडे ने ये बातें कही। ये बयान ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने कहा था कि भारत अफगानिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों के बारे में चिंतित है, लेकिन इससे निपटने के लिए आकस्मिक योजनाएं मौजूद हैं। यह टिप्पणी राजधानी काबुल सहित अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के मद्देनजर आई है, क्योंकि पश्चिमी सैनिकों ने वहां अपनी 20 साल की भागीदारी को समाप्त करने के लिए देश छोड़ दिया था। देश के सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर रावत ने यह भी कहा थी कि भारत को अफगानिस्तान के तालिबान के अधिग्रहण की आशंका थी, लेकिन इसकी तेज गति अभी भी एक आश्चर्य की बात है। रावत ने कहा 'भारतीय दृष्टिकोण से, हम तालिबान के अधिग्रहण का अनुमान लगा रहे थे। हम अफगानिस्तान से भारत में आ रही आतंकवादी गतिविधियों को लेकर चिंतित थे। हमारी आकस्मिक योजना चल रही है, और हम इसके लिए तैयार हैं'। तालिबान का अब लगभग पूरे अफगानिस्तान पर नियंत्रण है, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चिंता लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हक्कानी जैसे पाकिस्तान स्थित समूहों के 7,000 से 10,000 आतंकवादियों की मौजूदगी है। नेटवर्क, लश्कर-ए-झांगवी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे इन समूहों ने अतीत में अफगानिस्तान में भारतीय हितों को निशाना बनाया है, और लश्कर-ए-तैयबा जैसों ने भारतीय धरती पर हमले किए हैं। 25 अगस्त को एक कार्यक्रम में सीडीएस की टिप्पणी ने तालिबान से निपटने पर भारत के रुख का भी संकेत दिया। जनरल रावत ने कहा कि भारत क्षेत्र में आतंकवाद मुक्त माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वहां से भारत पहुंचने वाली किसी भी गतिविधि से उसी तरह निपटा जाए जैसे हम अपने देश में आतंकवाद से निपट रहे हैं।' सीडीएस ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर क्वाड देशों से कोई समर्थन मिलता है, कम से कम आतंकवादियों की पहचान और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक युद्ध लड़ने के लिए खुफिया जानकारी के तौर पर, तो मुझे लगता है कि इसका स्वागत किया जाना चाहिए।' भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया 'क्वाड का हिस्सा हैं।'

जन्माष्टमी पर पीएम मोदी, राष्ट्रपति कोविंद ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरे देश में जनमाष्टमी का त्योहार मनाया जा रहा है। कोरोना वायरस के कारण त्योहार का उत्सव सीमित कर दिया गया है लेकिन जगह-जगह पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस मौके पर देश के प्रधानमंत्री पीएम मोदी और राष्ट्रपति कोविंद समेत कई नेताओं ने देशवासियों को जनमाष्टमी की शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति कोविंद ने कहा है कि जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के बारे में जानने और उनके जीवन से सीखने का पर्व है। राष्ट्रपति कोविंद ने कहा 'जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह पर्व भगवान श्री कृष्ण के जीवन-चरित के बारे में जानने और उनके संदेशों के प्रति स्वयं को समर्पित करने का अवसर है। मेरी कामना है कि यह त्योहार सभी के जीवन में सुख, स्वास्थ्य तथा समृद्धि का संचार करे। वहीं पीएम मोदी ने भी सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, 'आप सभी को जन्माष्टमी की ढेरों शुभकामनाएं। जय श्रीकृष्ण! भगवान कृष्ण के जन्मदिवस के रूप में जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है. इसे पूरे देश में उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है। जनमाष्टमी के त्योहार को विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा और वृंदावन में मनाया जाता है। लोग इस दिन व्रत रखते हैं और अपने घरों और मंदिरों को सजाते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी जन्माष्टमी के कारण सोमवार और मंगलवार को चल रहे अपने रात के कर्फ्यू में ढील दी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने रविवार को कहा कि उत्सव के दौरान सभी कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए, लोगों का मास्क पहनना और हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करना अनिवार्य है। कोरोना वायरस को देखते हुए देशभर में त्योहारों के उत्सव को सीमित कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी के सभी निवासियों से अपने घरों में जन्माष्टमी मनाने और शहर के मंदिरों में सभाओं से बचने का आग्रह किया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पूर्व) आरपी मीणा ने कहा कि दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सीबीएसई बोर्ड ने परीक्षा पैटर्न को बदला, परीक्षा को दो हिस्सों में विभाजित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर के कई राज्यों में स्कूल फिर से खुलने के बाद केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) भी प्रोजेक्ट और प्रायोगिक परीक्षा आधारित पाठ्यक्रम पर विशेष जोर दे रहा है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई बोर्ड चाहते हैं कि समय रहते छात्र अपने प्रैक्टिकल और प्रोजेक्टस पूरा कर लें, क्योंकि इनका सीधा असर छात्रों के वार्षिक मूल्यांकन पर पड़ता है।इसकारण विभिन्न स्कूल भी दिशा में काम कर रहे हैं। दरअसल, कोरोना के कारण पिछले दो वर्षों से बोर्ड परीक्षा नहीं हो सकी हैं, लेकिन इस बार सीबीएसई बोर्ड ने नीतियों में बदलाव किया है। सीबीएसई बोर्ड ने परीक्षा पैटर्न को बदला है। छात्रों की सुविधा और सुरक्षा को देखकर सीबीएसई ने परीक्षा को दो हिस्सों में विभाजित किया है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज के अनुसार पहली परीक्षा नवंबर-दिसंबर, 2021 में चार से आठ सप्ताह की समय सीमा में आयोजित होगी। जबकि दूसरी परीक्षा मार्च-अप्रैल में आयोजित की जाएगी। परीक्षाएं बाहर से आए परीक्षकों और सीबीएसई द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों की निगरानी में होंगी।

इस बार छात्र सवालों के जवाब ओएमआर शीट पर भरने के बाद शीट को स्कैन करने के बाद सीधे सीबीएसई की वेबसाइट पर अपलोड होगा। मार्च-अप्रैल 2022 में होने वाली परीक्षा बोर्ड के तय परीक्षा केन्द्रों पर ही होगी।इसके बावजूद भी सीबीएसई इंटरनल असेसमेंट और प्रोजेक्ट पर विशेष ध्यान देगी।अगर परीक्षा के लिए हालात फिर अनूकूल नहीं होती हैं,तब दूसरे टर्म के अंत में भी एमसीबी आधारित परीक्षा हो सकती हैं.

इसकी तैयारी के मद्देनजर, दिल्ली में 9 अगस्त से एनरोलमेंट और बोर्ड परीक्षा के लिए स्कूल जाने की अनुमति दे दी गई थी। दिल्ली के सभी स्कूल 1 सितंबर से खोले जा रहे हैं।इ

पिछले 7 वर्षों में शहरीकरण के प्रति हमारे दृष्टिकोण में बदलाव आया है: केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय आवास और शहरी कार्य और पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्री, हरदीप सिंह पुरी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की उपस्थिति में बेंगलुरु के नम्मा मेट्रो के चरण -2 के तहत मैसूर रोड से केंगेरी मेट्रो स्टेशन तक 7.5 किलोमीटर लंबी पश्चिमी विस्तार मेट्रो लाइन का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त विज्ञान अनुसंधान में मजबूत उपस्थिति के साथ बेंगलुरु पूरे देश के लिए आर्थिक विकास के प्रमुख इंजनों में से एक है। देश के कुल सूचना प्रौद्योगिकी निर्यात का लगभग 38 प्रतिशत हिस्सा इसी शहर का है। पश्चिमी विस्तार मेट्रो लाइन का उद्घाटन आज शहर में तेजी से आवागमन और स्मार्ट मोबिलिटी विकल्पों को सक्षम करने की दिशा में एक कदम है।' मंत्री महोदय ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शहरीकरण के प्रति दृष्टिकोण में एक बड़ा बदलाव आया है और सरकार का नागरिकों को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्प है। पुरी ने कहा कि बेंगलुरु मेट्रो की परिचालन समय पालन 99.8 प्रतिशत है जो देश के सभी मेट्रो नेटवर्कों में से एक है। 2002 में दिल्ली में पहली मेट्रो लाइन के उद्घाटन के बाद से, आज 18 अलग-अलग शहरों में लगभग 730 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइनें चालू हैं। इसके अलावा, विभिन्न शहरों में लगभग 1,049 किलोमीटर लंबी मेट्रो रेल/आरआरटीएस परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा, 'राज्य का मानना है कि केंद्र सरकार के समर्थन और मार्गदर्शन से, राज्य नए शहरी केंद्रों के निर्माण की चुनौतियों को दूर करेगा। नव भारत के लिए नव कर्नाटक, नए भारत के सपने को साकार करने में मदद करेगा।

हम किसी भी चुनौती से निपटने के लिए अपनी सेना को मजबूत करते रहेंगे: रक्षामंत्री राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 28-29 अगस्त को डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी), वेलिंगटन का दौरा किया। रक्षा मंत्री को डीएसएससी में दी जा रही पेशेवर सैन्य शिक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने संस्थान में भारत तथा विदेश के युवा अधिकारियों के प्रशिक्षण में किए गए परिवर्तनकारी परिवर्तनों तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए उन्हें प्रदान की जाने वाली पेशेवराना सैन्य शिक्षा को जोड़ने की प्रशंसा की। उन्होंने सशस्त्र बलों के अधिकारियों के साथ भी बातचीत की। इस अवसर पर थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे और लेफ्टिनेंट जनरल एमजेएस कहलों मौजूद थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत सरकार द्वारा किए गए सुधारों के कारण देश दुनिया की बदलती सुरक्षा स्थितियों का सामना करने के लिए तैयार है, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सशस्त्र बलों को हर समय पूरी तरह से सुसज्जित और तैयार रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'हम अपनी सेना को मजबूत करना जारी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि बदलते वैश्विक सुरक्षा माहौल से उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए हम एक कदम आगे रहें।

रक्षा मंत्री ने कहा कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति और सैन्य मामलों के विभाग की स्थापना सुरक्षा के बुनियादी ढांचे को लगातार मजबूत करने में एक लंबा रास्ता तय करेगी। उन्होंने कहा, 'सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों ने हमारे सशस्त्र बलों को सीधे शासन प्रणाली से जोड़ा है क्योंकि अब उनकी सभी प्रक्रियाओं में प्रत्यक्ष भागीदारी है। सीडीएस की नियुक्ति ने जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी को स्थिरता प्रदान की है क्योंकि अब रक्षा एवं सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार के लिए एक स्थायी और एकल बिंदु सलाहकार है।' संयुक्त कमान के गठन पर राजनाथ सिंह ने इस निर्णय को एक और बड़ा ढांचागत सुधार बताया जिसकी प्रगति तेजी से हो रही है। उन्होंने कहा, 'एकीकृत थिएटर कमांड के गठन के साथ सशस्त्र बलों को संयुक्त रूप से लड़ने के लिए एकीकृत अभियानगत अवधारणाओं व सिद्धांतों को विकसित करना होगा। मुझे लगता है कि इस मुद्दे पर मंथन के लिए डीएसएससी एक अच्छा मंच साबित हो सकता है।' रक्षा मंत्री ने सेना मुख्यालय के पुनर्गठन को रक्षा संरचनात्मक सुधारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। 'हमारी सेना के टीथ टू टेल रेशो को बढ़ाने का उद्देश्य निर्णय लेने में विकेंद्रीकरण लाना तथा भविष्य के दृष्टिकोण से चुस्त सैन्य बल बनाना है। डिप्टी चीफ ऑफ स्ट्रैटेजी के तहत 'डीजीएमओ' और 'डीजीएमआई' का एकीकरण ऐसा ही एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मुख्यालय स्तर पर यह एकीकरण हमारी अभियानगत योजना में बहुत सटीकता लाएगा।

अंकलेश्वर संयंत्र की उत्पादन क्षमता आज से प्रति माह 1 करोड़ से अधिक खुराक की: मंत्री मनसुख मंडाविया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मंडाविया ने अंकलेश्वर, गुजरात में भारत बायोटेक की चिरोन बेहरिंग वैक्सीन सुविधा से कोवैक्सिन का पहला वाणिज्यिक बैच जारी किया। इस अवसर पर नवसारी के सांसद सी.आर.पाटिल, अंकलेश्वर के विधायक ईश्वरसिंह पटेल, भरूच के विधायक दुष्यंत पटेल और भारत बायोटेक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. भी उपस्थित थे। मनसुख मंडाविया ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शिता के कारण भारत अपनी पहली स्वदेशी वैक्सीन विकसित करने में सक्षम है। उन्होंने टिप्पणी की कि भारत दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण कार्यक्रमों में से एक चला रहा है और यह इन स्वदेशी टीकों के विकास के कारण संभव हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम 16 जनवरी, 2021 से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सफलतापूर्वक चल रहा है। अंकलेश्वर सुविधाओं से कोवैक्सिन के पहले बैच को राष्ट्र को समर्पित करते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह कोविड -19 के खिलाफ भारत की लड़ाई की यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण है। कोविड -19 टीकों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि से भारत में टीकाकरण की गति और तेज होगी।

उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बड़े गर्व की बात है कि दोनों कंपनियों -भारत बायोटेक और जायडस कैडिला के टीकों का अनुसंधान और उत्पादन भारत में हुआ है। उन्होंने बताया कि आज से ही अंकलेश्वर संयंत्र की प्रति माह 1 करोड़ से अधिक खुराक की उत्पादन क्षमता है। उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे भारत हमेशा कोविड की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक दवाओं के साथ अन्य देशों की मदद करने में सबसे आगे रहा है।

खबर एक नजर

भारतीय मूल के अमेरिकियों ने काबुल में अमेरिकी सैनिकों की मौत पर शोक प्रकट किया

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के अमेरिकियों ने पिछले सप्ताह काबुल में हुए आतंकवादी हमले में 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत पर शोक प्रकट करते हुए देश के विभिन्न शहरों में कैंडल लाइट शांति कार्यक्रम आयोजित किया और बाइडन प्रशासन से दोषियों को सख्त सजा देकर न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। यूएस कैपिटल के सामने लगभग 20 भारतीय-अमेरिकियों के एक समूह ने कैंडल लाइट कार्यक्रम आयोजन किया। इस दौरान सामुदायिक कार्यकर्ता अदापा प्रसाद ने कहा हम काबुल में अपने सैनिकों की मौत पर शोक जताने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। यह एक जघन्य आतंकवादी कृत्य था। हम आतंकवाद से पीड़ित भारत से संबंध रखते हैं और अमेरिकी सरकार से आतंकवाद में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का अनुरोध करते हैं। भारतीय मूल के लोगों ने न्यूयॉर्क, जर्सी सिटी, सैन फ्रांसिस्को, लॉस एंजिलिस, अटलांटा, ह्यूस्टन, बोस्टन, डलास, शिकागो, ओहायो कोलंबस, कनेक्टिकट समेत कई अन्य शहरों में भी कैंडल लाइट कार्यक्रम का आयोजन किया। लंबे समय से समुदाय के सदस्य और कार्यकर्ता अचलेश अमर ने कहा, दुख की इस घड़ी में भारतीय-अमेरिकी समुदाय अफगानिस्तान में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों के साथ खड़ा है, जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्हें कभी नहीं भुलाया जाएगा।

अमेरिका को तालिबान को मान्यता नहीं देनी चाहिए: क्रिस मर्फी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के एक शीर्ष सीनेटर ने कहा कि अमेरिका को तालिबान को औपचारिक तौर पर मान्यता नहीं देनी चाहिए। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इस बात के संकेत बढ़ते जा रहे हैं कि राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन अब तालिबान को अफगानिस्तान का शासक मानने लगा है।

सीनेटर ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान में विपक्षी बलों को मान्यता देना भी ह्यकोई बेहतर विचारह्व नहीं है, क्योंकि ह्यवास्तव में वे देश नहीं चला रहे हैं। सीनेटर क्रिस मर्फी ने तालिबान को औपचारिक तौर पर मान्यता देने के संबंध में पूछे गए सवाल पर कहा मेरा मानना है कि मान्यता नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन जैसा कि कुछ लोग विपक्षी बलों को मान्यता देने की सलाह दे रहे हैं तो उस पर भी मेरा कहना है कि विपक्षी बल वास्तव में देश नहीं चला रहे हैं। इससे अमेरिका का पक्ष कमजोर होगा, क्योंकि हम वैसे लोगों को मान्यता दे रहे हैं जो देश नहीं चला रहे हैं। मर्फी ने कहा कि भले ही अमेरिका औपचारिक तौर पर तालिबान को मान्यता नहीं देता हो, लेकिन उसे इस समूह से बात करनी चाहिए। मर्फी सीनेट की विदेश मामलों की एक उप समिति के अध्यक्ष हैं।

समुद्री क्षेत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत करने चीन ने विदेशी जहाजों के लिए बनाए नए नियम

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने अपने समुद्री क्षेत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत करने के उद्देश्य से विदेशी जहाजों के लिए नए नियम लागू किए हैं। नियमों में कहा गया है कि रेडियोएक्टिव सामग्री, तेल, रसायन और कुछ अन्य सामग्रियों को ढोने वाले जहाजों को सामग्री की जानकारी चीनी जल क्षेत्र में प्रवेश करने पर देनी होगी। अगर चीन इन नियमों को दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में सख्ती के साथ लागू करता है तो तनाव बढ़ने की संभावना है। यहां अमेरिका और इसके सहयोगी नौसैनिक अभ्यास कर रहे हैं। चीन दावा करता है कि दक्षिण चीन सागर का 13 लाख वर्ग मील का लगभग पूरा क्षेत्र चीन का संप्रभु क्षेत्र है। इस क्षेत्र में चीन ने कृत्रिम द्वीप तैयार किए हैं और यहां पर सैन्य बेस बना रहा है। उल्लेखनीय है कि ब्रुनेई, मलयेशिया, फिलीपींस, ताइवान और वियतनाम भी इस क्षेत्र पर अपना दावा जताते हैं। चीन के समुद्री सुरक्षा अधिकारियों की ओर से जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि नए नियम एक सितंबर से लागू होंगे। पनडुब्बियों, परमाणु जहाजों, रेडियोएक्टिव सामग्री, तेल, रसायन, तरल गैस और अन्य जहरीले व हानिकारक पदार्थों को ले जाने वाले जहाजों के संचालकों को चीनी जल क्षेत्र में प्रवेश करने पर विस्तृत जानकारी पेश करनी होगी। इसमें कहा गया है, ऐसे जहाज जो चीन की समुद्री सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं उन्हें भी नए नियमों का पालन करना होगा। चीन सरकारी अखबार के अनुसार उन जहाजों को नाम, काल साइन, वर्तमान स्थिति और उनके संभावित समय की जानकारी देनी होगी। जहाज पर मौजूद खतरनाक सामग्री का विवरण और कार्गो डेटवेट (जहाज की सामग्री ले जाने की क्षमता) की जानकारी भी देनी होगी। खबरों के अनुसार चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि ये नया कदम सख्त नियमों को लागू करके समुद्र के क्षेत्र में चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूत करने का एक प्रयास है।

खूबसूरती और बोल्डनेस के कारण नहीं मिल रही नौकरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की एक मॉडल को नौकरी न मिलने की वजह सुनकर आप सोच में पड़ जाएंगे। नॉर्थ कैरोलिना की रहने वाली एमी कुप्स का कहना है कि वे जब भी जॉब इंटरव्यू देने जाती हैं, तो सामने बैठे लोग उन्हें घूरते रह जाते हैं। 32 साल की एमी कुप्स का ये दावा आपको अजीब जरूर लग सकता है, लेकिन वे साफ तौर पर बताती हैं कि वे 9-5 की सामान्य नौकरी करना चाहती हैं, पर उनकी बेपनाह खूबसूरती और बोल्डनेस इसमें बाधा बन रही है। जहां भी वे इंटरव्यू देने जाती हैं, पुरुष इंटरव्यूअर उन्हें देखते रह जाते हैं। नॉर्थ कैरोलिना की एमी कुप्स पहले इतिहास की शिक्षिका थीं। इसी बीच उनके साथ काम करने वाले टीचर्स को उनके ओनली फेन्स मॉडल होने की जानकारी मिली और उन्हें अपनी ये नौकरी छोड़नी पड़ गई। इस नौकरी के बाद उन्होंने कई जगह जॉब के लिए इंटरव्यू दिए, लेकिन एमी का कहना है कि वे इतनी ज्यादा आकर्षक हैं कि वो जहां भी जाती हैं उन्हें नौकरी नहीं मिल पाती। वे बहुत कॉन्फिडेंट भी हैं, जो इंटरव्यूअर सह नहीं पाते। एमी का कहना है कि उन्होंने पिछले कुछ सालों में रीटेल वर्क के लिए एप्लाई किया था, लेकिन उन्हें नौकरी नहीं मिलने पर पता चला कि उनकी बोल्डनेस उनकी दुश्मन बनती जा रही है। फिलहाल एमी ओनली फेन्स मॉडल के तौर पर अपनी बोल्ड फोटोग्राफ्स शेयर करके अच्छे-खासे पैसे कमा रही हैं। एमी ने अपने जॉब इंटरव्यू के एक्सपीरियंस शेयर करते हुए कहा कि वे टीचिंग करियर छूटने के बाद उन्होंने स्टोर में नौकरी के लिए ट्राई किया, कार मार्केटिंग के लिए ट्राई किया और हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में भी नौकरी के लिए गई। इन जगहों पर उनका एक्सपीरियंस करीब-करीब एक जैसा ही रहा। जहां भी कोई मर्द उनका इंटरव्यू लेने के लिए बैठा, एमी को देखकर नर्वस हो गया या फिर उन्हें घूरता रहा।

अफगानिस्तान में ब्रिटेन के दो दशक तक चले लंबे सैन्य अभियान का खात्मा, स्वदेश पहुंचे अंग्रेज सैनिक

लंदन, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद दो दशक तक चले ब्रिटेन के लंबे सैन्य अभियान का अंततः खात्मा हो गया और शेष बचे सैनिक काबुल से वापस स्वदेश पहुंचने लगे हैं। तालिबान ने कई प्रमुख शहरों पर कब्जा करने के बाद 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा कर लिया था। यह अमेरिका के देश से जाने की समयसीमा से दो हफ्ते पहले हुआ था। शनिवार रात को रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) का एक विमान काबुल से रवाना हुआ और ऑक्सफोर्डशायर में आरएएफ ब्रीज नॉर्टन पहुंचा। विमान में अफगानिस्तान में ब्रिटेन के राजदूत सर लॉरी ब्रिस्टो भी सवार थे जो लोगों को निकालने की प्रक्रिया में मदद कर रहे थे। लोगों को निकालने वाले अभियान ह्यऑपरेशन पिटिंगह्व को चलाने वाले वाइस एडमिरल सर बेन की ने कहा, एक दुख की भावना थी कि हमने वह सब नहीं किया जो हम चाहते थे। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रविवार सुबह ट्विटर पर एक वीडियो जारी कर कहा कि ह्यऑपरेशन पिटिंगह्व का खत्म होना एक ऐसे मिशन का समापन है जो ह्यहमने जो कुछ भी अपने जीवन में देखा है, उसके विपरीत है। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटिश सैनिकों और अधिकारियों ने दुखद परिस्थितियों में चौबीसों घंटे काम किया। जॉनसन ने कहा कि उन्होंने यह सोचकर धैर्य दिखाया है कि उन्हें अपनी जिंदगियों पर खतरा देख रहे लोगों की मदद करनी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने लोगों की कतारों और अपने अमेरिकी दोस्तों पर आतंकी हमले को देखा है। सशस्त्र बल समुदाय को लिखे पत्र में जॉनसन ने माना कि काबुल को तालिबान के कब्जे में जाते देखना उन लोगों के लिए मुश्किल रहा होगा, खासकर जंग के दौरान जान कुर्बान करने वाले 457 सैनिकों के दोस्तों और प्रियजनों के लिए मुश्किल समय रहा होगा। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के अफगानिस्तान जाने से अल कायदा दो दशक तक उनके देश से दूरा रहा और नतीजतन हम सब सुरक्षित हैं। जॉनसन ने कहा, अमेरिका, यूरोप और दुनिया भर में हमारे सहयोगियों के साथ हम तालिबान के साथ इस आधार पर बात नहीं करेंगे कि वे क्या कहते हैं, बल्कि इस आधार पर वार्ता करेंगे कि वे क्या करते हैं। प्रधानमंत्री ने पहले के बयान के दोहराते हुए कहा कि अगर तालिबान राजयनिक मान्यता चाहता है या उन अरबों रुपयों को चाहता है जिन्हें फिलहाल जब्त कर लिया गया है, तो उन्हें उन लोगों को सुरक्षित मार्ग देना होगा जो देश छोड़ना चाहते हैं, महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों का सम्मान करना होगा और अफगानिस्तान को वैश्विक आतंकवाद का केंद्र बनने से रोकना होगा। विदेश मंत्री डोमिनिक राब ने एक लिखे एक लेख में कहा कि ब्रिटेन तालिबान के खिलाफ लगी पाबंदियों पर विचार करने को तैयार है लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे मुख्य मुद्दों पर क्या निर्णय लेते हैं जिनमें देश छोड़ने की चाह रखने वाले लोगों को सुरक्षा मार्ग प्रदान करना शामिल है।

मीडिया पर तालिबान का अंकुश बढ़ा, बंदूक की नोंक पर खबरें पढ़ रहे एंकर

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान की हुकूमत कायम होने के बाद दहशत के बीच मीडिया पर भी उसका अंकुश लगने लगा है। साथ ही महिलाओं पर कई तरह की पाबंदी लागू कर दी गईं हैं और देश में अब शरिया कानून के मुताबिक चीजें हो रही हैं। नए शासन का असर अफगान पत्रकारिता पर भी साफतौर पर देखा जा सकता है। टीवी पर अब न्यूज एंकर अकेला खबर नहीं पढ़ता बल्कि उसके साथ तालिबानी लड़ाके भी स्टूडियो में मौजूद रहते हैं, जो इस बात की निगरानी करते हैं कि आतंकी संगठन के खिलाफ कोई खबर न दिखाई जाए। सोशल मीडिया पर एक अफगान न्यूज चैनल का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में न्यूज एंकर खबर पढ़ते हुए दिख रहा है। ट्विटर पर वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि एंकर अशरफ गनी सरकार के गिरने के बारे में बात कर रहा है। एंकर बता रहा है कि इस्लामिक राज का कहना है कि अफगानों को उनसे डरने की कोई जरूरत नहीं है। न्यूज एंकर के पीछे दो हथियारबंद लड़ाकों को खड़े देखा जा सकता है जो उसकी नजर रखे हुए हैं।

यह तालिबान का 'नया अफगानिस्तान' है। यह वीडियो दरअसल एक इंटरव्यू का है जिसमें एंकर के सवालों का जवाब देने वाले शख्स के साथ कई आतंकवादी मौजूद हैं। इन सभी के पास बंदूकें हैं जिनका निशाना एंकर की तरफ है। साफ है कि तालिबानी राज में अब पत्रकारों को कड़े सवाल पूछने की आजादी नहीं है। महिला एंकरों पर भी 'तालिबानी नियम' लागू हो चुके हैं और कई महिलाएं अपनी नौकरी गंवा चुकी हैं। अफगानिस्तान में महिलाओं को समान अधिकार देने का वादा करने वाले तालबिानियों ने सरकारी टीवी चैनल की एंकर खादिजा अमीन को बर्खास्त कर दिया है। उनकी जगह पर एक पुरुष तालिबानी एंकर को बैठाया गया है। वहीं एक अन्य महिला एंकर शबनम दावरान ने बताया कि हिजाब पहनने और आईडी कार्ड लाने के बाद भी उन्हें ऑफिस में घुसने नहीं दिया गया।

अफगान सीमा पर आतंकियों ने की गोलीबारी, दो पाक सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगान सीमा से आतंकियों ने भारी गोलीबारी की है, जिसमें पाकिस्तानी सेना के दो जवान मारे गए हैं। यह घटना पाकिस्तान के बजौर जिले में हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद इस तरह की यह पहली घटना है। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने भी दावा किया है कि उसने भी जवाबी कार्रवाई में दो से तीन आतंकियों को मार गिराया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग ने पाकिस्तान के खिलाफ गतिविधियों के लिए आतंकियों द्वारा अफगानिस्तान की धरती के इस्तेमाल की बात कहते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि हम यह उम्मीद करते हैं कि अफगानिस्तान भविष्य में इस तरह की गतिविधियों की इजाजत नहीं देगा।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के उस पार अफगानिस्तान के भीतर से आतंकवादियों ने बाजौर जिले में एक सैन्य चौकी को निशाना बनाकर भारी गोलीबारी की।

पाकिस्तानी सेना के जवानों ने भी इस गोलीबारी का जवाब दिया जिसमें दो से तीन आतंकी मारे गए है जबकि तीन से चार जख्मी हुए हैं।

बता दें कि बीते गुरुवार को बामन सेक्टर में अफगानिस्तान की सीमा के पार से एक जांच चौकी पर आतंकवादी हमले में एक पाकिस्तानी सैनिक की मौत हो गई थी।

इटली के मिलान शहर की एक इमारत से उठता हूआ धूआं। दमकलकर्मी इस इमारत में लगी आग को बुझाने का प्रयास करते हुए।

अमेरिकी दुर्दांत डाकू को मारने वाली पिस्टल 44.31 करोड़ रुपए में हुई नीलाम

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिकी दुर्दांत डाकू को मारने वाली पिस्टल रिकॉर्ड 44.31 करोड़ रुपए में नीलाम हुई है। अमेरिकी वाइल्ड वेस्ट के दिनों में कुख्यात रहे डाकू बिली द किड को मारने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पिस्तौल को 6.03 मिलियन अमेरिकी डॉल (करीब 44,31,85,704 रुपए) में नीलाम किया गया। यह अभी तक नीलाम की गई बंदूकों में सबसे अधिक कीमत है। नीलामी घर बोनहम्स ने इस संबंध में कहा है कि इस सिंगल एक्शन रिवॉल्वर के मालिक शेरिफ पैट गैरेट थे। इस ऐतिहासिक रिवॉल्वर की नीलामी 2 से 4 मिलियल डॉलर यानी करीब 22.04 करोड़ रुपए तक होने का अनुमान था।

अमेरिका पर बरसा तालिबान, बोला- 31 अगस्त के बाद कोई हमला नहीं करेंगे सहन

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के काबिज होने के बाद यहां के नांगरहार प्रांत में अमेरिका के ड्रोन हमलों पर तालिबान ने आगाह करते हुए चेताया कि 31 अगस्त के बाद अमेरिका को अफगानिस्तान में हमला करने का कोई अधिकार नहीं रहेगा। तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा कि काबुल एयरपोर्ट पर आत्मघाती हमले के 36 घंटे के भीतर अमेरिका ने नांगरहार प्रांत में इस्लामिक स्टेट-खुरासान के ठिकानों पर बम बरसाए थे। पेंटागन ने दावा किया था कि इस हमले में 'मुख्य साजिशकर्ता' मारा गया है। अमेरिकी एयरस्ट्राइक के सवाल पर सुहैन शाहीन ने कहा कि तालिबान नेतृत्व वाली सरकार 31 अगस्त के बाद अफगानिस्तान में कोई हमला नहीं होने देगी। पाकिस्तानी मीडिया से बात करते हुए शाहीन ने यह बात कही। एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने अमेरिकी ड्रोन हमलों की 'निंदा' की थी। प्रवक्ता ने इसे 'अफगान क्षेत्र पर किया गया हमला' करार दिया था।

महिला ने 33 हजार फीट ऊंचाई पर दिया बच्चे को जन्म

बिर्मिंघम, एजेंसी। तालिबान के आतंक से लोग जल्द से जल्द अफगानिस्तान को छोड़कर भागने के फिराक में हैं। लोग अपना घर, जॉब, पैसे सब छोड़कर सिर्फ अपनी जान बचाने के लिए विदेशों की शरण ले रहे हैं। वहीं जो विदेश से जाकर वहां बसे थे, वो अब वापस अपने मुल्क जाने की तैयारी में हैं। तबाही और उदासी के ऐसे ही मंजर के बीच अफगानिस्तान से यूके भाग रही एक महिला ने रेस्क्यू फ्लाइट में बच्चे को जन्म दिया। 26 साल की नूरी पति 30 के ताज मोह हिम्मत के साथ टर्किश एयरलाइन्स के जरिये यूके जा रही थी। दुबई के रास्ते बिर्मिंघम जाते हुए अचानक नूरी को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई, जिसके बाद उसकी डिलीवरी 33 हजार फीट की ऊंचाई पर हुई। मां-बाप ने बच्ची का नाम हवा रखा है। बच्ची की डिलीवरी केबिन क्रू ने करवाई। फ्लाइट में उस समय कोई भी डॉक्टर नहीं था। बच्चा और मां दोनों ही सुरक्षित हैं। फ्लाइट में लाल रंग के कंबल में लिपटी बच्ची की तस्वीर वायरल हो रही है।

उसकी अफगानी मां और पिता काबुल में रहते थे लेकिन तालिबानियों के अटैक के बाद उन्होंने पहले काबुल से दुबई, फिर दुबई से यूके की फ्लाइट ली।

फ्लाइट में एक भी डॉक्टर मौजूद नहीं था। ऐसे में जब नूरी को लेबर पेन उठा, तो अन्य यात्री डर गए थे। लेकिन टर्किश एयरलाइन के क्रू ने सभी को भरोसा दिलाया कि सब ठीक हो जाएगा। इसके बाद क्रू ने ही महिला की डिलीवरी करवाई। टर्किश एयरलाइन ने बताया कि मां और बच्ची दोनों स्वस्थ हैं। प्रिकॉशन के लिए फ्लाइट को कुवैत में लैंड करवाया गया था लेकिन दिक्कत ना होने पर फ्लाइट मंजिल की तरफ बढ़ गई। बता दें कि अफगानिस्तान से रेस्क्यू की गई महिला द्वारा फ्लाइट में डिलीवरी का ये पहला मामला नहीं है। इससे पहले यूएस मिलिट्री प्लेन में भी एक महिला ने बच्चे दिया था। हालांकि महिला की पहचान छिपाई गई है।

बहु-नस्ली सिंगापुर में चीनी नागरिकों को विशेषाधिकार हासिल नहीं, यह दावा बेबुनियाद : लुंग

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लुंग ने कहा कि यह दावा बेबुनियाद है कि बहु-नस्ली सिंगापुर में चीनी नागरिकों को विशेषाधिकार हासिल हैं। उन्होंने कहा कि उनका देश सभी नस्ल के लोगों के साथ समानता का व्यवहार करता है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर देश में नस्ल के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि हालांकि नस्लीय सद्भाव दशकों की शांति के बाद पक्की मानी जा रही है, लेकिन कुछ चीनी सिंगापुरी को इस बात का अहसास नहीं है कि नस्लीय अल्पसंख्यक कैसा महसूस करते हैं। ली ने राष्ट्रीय दिवस रैली के अवसर पर दिए भाषण में दो क्षेत्रों का जिक्र किया जहां जातीय अल्पसंख्यकों को निरंतर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ये दो क्षेत्र हैं मकान किराए पर देना और नौकरी की खोज। ये दो मुद्दे हैं, जो सीधे नस्ली रिश्तों को प्रभावित करते हैं।

उन्होंने कहा कुछ मकान मालिकों एवं नियोक्ताओं द्वारा ऐसी

वरीयता से पूर्वाग्रह पैदा हो सकता है। इस भेदभाव का यदि समय पर समाधान नहीं किया गया तो सिंगापुर के समाज में धीरे-धीरे दरारें गहरा सकती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए हम सभी को अधिक समावेशी समाज के निर्माण के लिए नस्लीय समानता के सिद्धांत को अक्षुण्ण बनाए रखना होगा।

उन्होंने कहा कि कुछ नस्ल संबंधी घटनाओं से पिछले कुछ महीनों में एक नई बहस को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि पहले भी कभी- कभी ऐसी घटनाएं हुई हैं, लेकिन उन पर अधिक ध्यान नहीं गया। अब सोशल मीडिया के जमाने में उन्हें बढ़ाचढ़ाकर पेश किया जाने लगा है। इससे विभिन्न नस्लों लोगों के पारस्परिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं। ली ने कहा कि सौभाग्यवश सिंगापुर के ज्यादातर लोग नस्लीय सद्भाव के महत्व को समझते हैं। लोगों ने समय समय पर इसके विरुद्ध आवाज उठाई है और नस्लीय भेदभाव खारिज करने की पहल की है।

अमेरिकी ड्रोन हमले में 6 बच्चे समेत 9 की मौत, जो बाइडेन की हुई किरकिरी

- अमेरिका द्वारा किया गया यह दूसरा हमला है

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तालिबान के कब्जे के बाद आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासान (आईएस-के) के आत्मघाती बम हमलावर पर किए गए अमेरिकी ड्रोन हमले में 6 बच्चों समेत 9 आम नागरिकों की भी मौत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की किरकिरी हो रही है। जानकारी के अनुसार ये सभी 9 लोग एक ही परिवार के सदस्य थे। इस घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की आईएसआईएस के खिलाफ कार्रवाई सवालों के घेरे में आ गई है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक ही परिवार के नौ सदस्य मारे गए हैं जिसमें छह बच्चे हैं। इससे पहले अमेरिका की सेना के सेंट्रल

कमान ने कहा था कि वे आम नागरिकों की मौत का आकलन कर रहे हैं। इससे पहले काबुल में अमेरिकी ड्रोन हमले में उस वाहन को निशाना बनाया गया, जिसमें इस्लामिक स्टेट के एक सहयोगी संगठन के कई आत्मघाती हमलावर सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि ये आत्मघाती हमलावर काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिकी सेना के सैन्य निकासी अभियान को निशाना बनाना चाहते थे।

यह हमला ऐसे समय पर किया गया है जब अमेरिका अफगानिस्तान से लोगों को निकालने के लिए एक ऐतिहासिक अभियान संचालित कर रहा है, जिसमें काबुल के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हजारों लोगों को निकाला गया है। अफगानिस्तान में दो सप्ताह पहले तालिबान के कब्जे के बाद से बहुत अराजकता की स्थिति है। इस्लामिक स्टेट के एक सहयोगी संगठन द्वारा किए गए आत्मघाती हमले के बाद तालिबान ने हवाई क्षेत्र के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है।

उस आत्मघाती हमले में 180 से अधिक लोग मारे गए थे। ब्रिटेन ने शनिवार को अपनी निकासी उड़ानें समाप्त कर दीं।

अमेरिका के सबसे लंबे युद्ध से सभी सैनिकों को वापस निकालने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा निर्धारित मंगलवार की समयसीमा से पहले, अमेरिकी सैन्य मालवाहक विमानों ने रविवार को हवाई अड्डे से उड़ान जारी रखी। हालांकि, देश में रह गए अफगानिस्तानी नागरिकों को तालिबान के अपने पहले के दमनकारी शासन में वापस आने की चिंता है। इस आशंका को हाल ही में विद्रोहियों द्वारा देश में एक लोक गायक की गोली मारकर हत्या किये जाने के बाद बल मिला है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने इससे पहले पत्रकारों को भेजे संदेश में कहा कि हमले में एक हमलावर को निशाना बनाया गया, जो विस्फोटकों से लदे वाहन को चला रहा था। मुजाहिद ने कुछ और जानकारियां दीं।

दो अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर हवाई हमले को सफल बताया। उन्होंने कहा कि हवाई हमले के बाद भी दूसरे विस्फोट हुए जिससे वाहन में पर्याप्त मात्रा में विस्फोटक सामग्री मौजूद होने का संकेत मिलता है।

यह हवाई हमला काबुल हवाई अड्डे के पास आत्मघाती हमले के बाद अमेरिका द्वारा किया गया दूसरा हमला है।

तूफान इडा ने दिए भारी तबाही के संकेत, अंतरिक्ष से दिखा खतरा

लूसियाना, एजेंसी। मेक्सिको की खाड़ी में तूपान इडा ने भारी तबाही के संकेत दिए हैं। लूसियाना के जंगलों की भीषण आग और विनाशकारी हीटवेव के बाद अब अमेरिका तूफान का सामना कर रहा है। हर्रिकेन इडा मेक्सिको की खाड़ी से आगे बढ़ चुका है और इसके खतरे को देखते हुए लूसियाना से हजारों की संख्या में लोग सुरक्षित स्थानों पर भागने लगे हैं। इडा को कैटिगरी चार का हर्रिकेन करार दिया गया है जो सबसे ज्यादा गंभीर होने से सिर्फ एक लेवल नीचे है। माना जा रहा है कि यह हर्रिकेन कटरीना से ज्यादा शक्तिशाली हो सकता है जिसने न्यू ऑर्लींस में 2005 में भारी तबाही मचाई थी। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चेतावनी जारी की है कि इडा ह्यबहुत, बहुत खतरनाक तूफान में बदल रहा है ह्व उन्होंने कहा कि सरकार हर मदद मुहैया कराने के लिए तैयार है। अभी तक का अनुमान है कि यह रविवार शाम तक जमीन पर पहुंच जाएगा जिससे नुकसानदायक तूफान की आशंका है।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख्या में लोगों के निकलने से ट्रैफिक जाम भी लगने लगे हैं। मिसिसिपी के गवर्नर ने स्टेट इमर्जेंसी का ऐलान कर दिया है। एयर फोर्स रिजर्व हर्रिकेन हंटर के मुताबिक तूफानी हवाओं की हति 130 मील प्रतिघंटा पर बनी हुई है। इसके आगे बढ़ने के साथ गति भी बढ़ने की आशंका है जिससे भारी तबाही हो सकती है। नैशनल हर्रिकेन सेंटर का कहना है कि सैटलाइट तस्वीरों के आधार पर तूफान शक्तिशाली होता दिख रहा है। लूसियाना में आने पर यह एक साल में चौथा ऐसा तूफान होगा। न्यू ऑर्लींस में लोगों से सुरक्षित ठिकानों पर जाने को कहा गया है। कुछ जगहों पर यह अनिवार्य भी कर दिया गया है। लोगों से कम से कम तीन दिन का खाना और पानी भी स्टोर करने को कहा गया है क्योंकि अगर भारी तबाही होती है तो मदद मिलने में तीन दिन का समय लग सकता है।

खबर एक नजर

केंद्र को उम्मीद अक्टूबर में सारे युवाओं को लगा देगा वैक्सीन की पहली खुराक

नई दिल्ली, एजेंसी। महामारी कोविड-19 से बचाव के एकमात्र विकल्प वैक्सीनेशन अभियान को लेकर केंद्र सरकार काफी गंभीर है और उसे उम्मीद है कि कोरोनारोधी टीकाकरण अभियान में अक्टूबर के अंत तक वैक्सीन की पहली खुराक देने का काम पूरा कर लिया जाएगा और दर्जनों राज्य इस उपलब्धि को सितंबर के अंत तक हासिल कर लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि ये काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि त्योहारी सीजन के बाद देश में कोरोना की तीसरी लहर शुरू हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ वैक्सीन को सबसे बेहतर प्रोटेक्शन करार दिया है। बता दें कि देश में 94 करोड़ एडल्ट्स ऐसे हैं, जिन्हें वैक्सीन का टीका लगना है, और अभी तक वैक्सीन की 49 करोड़ डोज लोगों को दी गई है। केंद्र सरकार ने साल के अंत तक सभी लोगों को वैक्सीन की दोनों खुराक देने का लक्ष्य रखा है। मध्य प्रदेश और केरल ने घोषणा की है कि वे सितंबर के अंत तक अपने यहां सभी एडल्ट्स को वैक्सीन की पहली खुराक लगा देंगे। वहीं हिमाचल प्रदेश ने ऐलान किया है कि उसने अपने यहां सभी एडल्ट्स को वैक्सीन की पहली डोज लगा दी है। वहीं सितंबर अंत तक वैक्सीन की पहली डोज का टारगेट जो अन्य राज्य हासिल कर सकते हैं, उनमें उत्तराखंड, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के साथ चंडीगढ़ भी शामिल हैं। वहीं त्रिपुरा, मिजोरम और सिक्किम भी सितंबर के आखिर तक अपने लोगों को वैक्सीन की पहली खुराक लगाने का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। उपर्युक्त राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 60 फीसदी से ज्यादा योग्य आबादी को वैक्सीन का पहला टीका लग गया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और तमिलनाडु जैसे राज्यों में टीकाकरण कवरेज कम है, और वैक्सीन की पहली डोज का टारगेट हासिल करने में इन राज्यों को अक्टूबर या उससे भी आगे का समय लग सकता है। सरकार को उम्मीद है कि अगले दो महीनों में निर्माता कंपनियों से उसे वैक्सीन की 50 करोड़ डोज मिल सकती है और देश में टीकाकरण अभियान के तहत 70 फीसदी लोगों को वैक्सीन की पहली खुराक दी जा रही है। कोविशील्ड वैक्सीन के लिए 3 महीने के अंतर को देखें तो 18 से 44 आयु वर्ग की आबादी में ज्यादातर लोगों को वैक्सीन की पहली खुराक दी जा रही है। वहीं नवंबर और दिसंबर महीने में टीकाकरण के दौरान ज्यादातर लोगों को वैक्सीन की दूसरी खुराक दी जाएगी, केंद्र सरकार लगातारइस बात पर जोर दे रही है कि टीकाकरण में वैक्सीन की दूसरी डोज प्राथमिकता के आधार पर लगाई जाए। केंद्र सरकार को जहां उम्मीद है कि वह साल के अंत तक 94 करोड़ लोगों का पूर्ण टीकाकरण करने में सफलता हासिल कर लेगी, वहीं ये सवाल भी पूछा जा रहा है कि क्या ये संभव है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बारे में कहा कि 188 करोड़ डोज 94 करोड़ एडल्ट्स के टीकाकरण के लिए पर्याप्त है, जिसे दिसंबर के अंत तक उपलब्ध करा दिया जाएगा। हालांकि अधिकारी ने कहा कि दिसंबर के अंत तक 100 फीसदी टीकाकरण के लक्ष्य को पाना कई कारकों पर निर्भर करता है, क्योंकि कोविड टीकाकरण स्वैच्छिक है, अनिवार्य नहीं है। उन्होंने कहा, ह्यहो सकता है कि देश की 80 फीसदी योग्य आबादी का दिसंबर तक पूर्ण टीकाकरण हो जाए और बाकी 10 फीसदी आबादी खासतौर पर ग्रामीण इलाकों में वैक्सीन लगवाने में हिचक के चलते टीकाकरण ना करवाए, क्योंकि पहले से ही 45 से ज्यादा आयु वर्ग वाली आबादी के एक हिस्से ने हिचक के चलते वैक्सीन की पहली डोज भी नहीं ली है, जबकि इन लोगों के लिए टीकाकरण अभियान को अप्रैल में ही खोल दिया गया था और वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।' एक अन्य अधिकारी ने कहा कि अक्टूबर के अंत तक तस्वीर साफ हो जाएगी, क्योंकि पहली डोज की डिमांड अपनी मांग के उच्चतम स्तर को छू लेगी। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में वैक्सीन की पहली डोज बड़ी संख्या में दी गई है, वहां मुश्किल से ही पहली डोज लगवाने लोग सामने आ रहे हैं, ऐसे में राज्य सरकारें मतदाता सूची की मदद ले रही हैं और ग्रामीण इलाकों में विशेष अभियान चला रहा है, ताकि लोग टीकाकरण के लिए सामने आएं।

अगले 24 घंटों में कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी के कुछ हिस्सों में मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। राज्य में मंगलवार और बुधवार को भी कहीं हल्की तो कहीं सामान्य बारिश का सिलसिला जारी रहने के आसार हैं। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में कुछ स्थानों पर कहीं सामान्य बारिश हुई तो कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ीं। पूर्वांचल में भी कहीं हल्की तो कहीं सामान्य बारिश हुई। राज्य के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की भी सूचना है। आपको बता दें कि मानसूनी हवाएं लखनऊ और आसपास के क्षेत्र में सक्रिय हैं। बंगाल की खाड़ी के ऊपर दबाव का क्षेत्र बना है जो इन हवाओं को जोर दे रहा है। आएमडी यानी भारतीय मौसम विभाग के अनुसार एक सितम्बर तक आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। इस दौरान एक से दो बार छिटपुट या सामान्य वर्षा कुछ स्थानों पर हो सकती है। वहीं, शनिवार को दिन में अधिकांश समय धूप निकली। गर्मी और उमस का भी जोर रहा। दोपहर बाद ट्रांस गोमती के कुछ इलाकों में हल्की फुहारें पड़ीं।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का एसआई सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर को इस हफ्ते की शुरुआत में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आने के बाद सस्पेंड कर दिया गया है। वीडियो में कुछ लोग एक हवालात के अंदर शराब का सेवन करते हुए और नमकीन खाते हुए दिख रहे थे। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि लोगों को हवालात में आरोपी से मिलने की अनुमति देने के लिए जिम्मेदार पाए जाने के बाद सब-इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है। बुधवार को एक वीडियो सामने आया था जिसमें हवालात के भीतर कुछ लोग शराब, नमकीन और सिगरेट लेकर गद्दे पर बैठे हुए दिखे और उनमें से एक व्यक्ति उनका एक वीडियो बना रहा था। कथित तौर पर यह वीडियो राजधानी की लोधी कॉलोनी में स्थित स्पेशल सेल के ऑफिस में बनाया गया था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो का संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने आरोपी सब-इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही उसके खिलाफ विभागीय जांच भी की जा रही है।

10 दिन के लिए जयपुर पहुंचे सीएम अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रविवार को जयपुर पहुंचे। वह यहां गलता रोड स्थित विपश्यना साधना केंद्र में 10 दिन के ध्यान शिविर में भाग लेंगे। केंद्र के जनसंपर्क प्रभारी कमल ने बताया कि केजरीवाल विपश्यना शिविर में भाग लेने आए हैं। वह यहां दस दिन रुकेंगे। इस केंद्र में रहने वालों के लिए मोबाइल, टीवी, अखबार, लैपटॉप जैसी सुविधाओं के इस्तेमाल पर रोक है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का जयपुर आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि केजरीवाल ने स्वास्थ्य लाभ के लिए राजस्थान को चुना। गहलोत ने रविवार को ट्वीट कर कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का जयपुर आगमन पर स्वागत करता हूं। आपने मेरे स्वास्थ्य की जानकारी लेकर शुभेच्छाएं दीं इसके लिए आपका धन्यवाद।

सिसोदिया ने आगरा में लिया तिरंगा संकल्प यात्रा में हिस्सा, यूपी के हर विधानसभा में निकलेगी तिरंगा संकल्प यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने रविवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता व दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्त्व में आगरा में तिरंगा संकल्प यात्रा का आयोजन कियो इस यात्रा में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। आम आदमी पार्टी पूरे उत्तरप्रदेश में तिरंगा संकल्प यात्रा का आयोजन करेगी। सिसोदिया ने कहा कि आजादी के 75 साल होने के बाद भी उत्तर प्रदेश में न तो अच्छे स्कूल हैं, ना ही अच्छेअस्पताल हैं। ना महिलाओं को सुरक्षा है ना ही किसानों को अधिकार है। भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश में पूरी तरह फेल रही है। आज उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत इतनी दयनीय है कि आजादी के 75 साल में भी उत्तर प्रदेश में एक प्रसूता को अस्पताल में बेड न मिलने के कारण बाहर रोड पर बच्चे को जन्म देना पड़ रहा है उन्होंने कहा कि, आम आदमी पार्टी, उत्तर प्रदेश में तिरंगा यात्रा निकाल संकल्प लेगी कि इस तिरंगे के नीचे रहने वाले हर बच्चे, महिला, बुजुर्ग और किसान को उनका अधिकार मिले सिसोदिया ने कहा कि, हर भारतीय तिरंगे को अपनी आन-बान-शान मानता है लेकिन आजादी के 75 सालों के बाद भी देश की राजनीति में वो काम नहीं हुआ कि तिरंगा भी हमें अपनी आन-बान-शान माने उन्होंने उत्तर प्रदेश में गवर्नेंस की दयनीय अवस्था पर दुःख जताते हुए कहा कि, आज तिरंगा पूछता है कि आजादी के 75 साल में भी उत्तर प्रदेश में एक प्रसूता को अस्पताल में बेड न मिलने के कारण बाहर रोड पर बच्चे को क्यों जन्म देना पड़ रहा है इतने सालों में भी सरकारी स्कूलों की ऐसी हालत क्यों नहीं हो पाई है कि गरीब से गरीब परिवार के बच्चे को बेहतर शिक्षा मिल पाऐ आजादी के 75 साल बाद भी ये हालत क्यों है कि गरीब, किसान और आम आदमी के बच्चों को नौकरियां नहीं मिल पा रही ह मनीष सिसोदिया ने कहा कि, उत्तर प्रदेश सरकार अपने नाकारापन से इतनी शर्मसार है कि जब किसी दूसरे राज्य का शिक्षामंत्री उत्तर प्रदेश के स्कूलों को देखने आया तो उसे रोकने के लिए पुलिस लगा दी गई, गिरफ्तार किया गयो शिक्षा पर बहस की बात की गई तो उत्तर प्रदेश के शिक्षामंत्री डर के मारे आए ही नहीं आजादी के 75 साल बाद भी आज उत्तर प्रदेश में ये हालत है कि मिड-डे-मील में बच्चों को नून-तेल रोटी दिया जा रहा है जब कोई पत्रकार इसपर सवाल उठाये तो उसे गिरफ्तार कर 6 महीने के लिए जेल में डाल दिया जाता है सिसोदिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ऐसी निकम्मी और नाकारा सरकार है जो केवल विज्ञापन के दम पर चल रही है प्रशासन का दुरूपयोग कर सवालों को कुचलने के दम पर चल रही है उन्होंने कहा कि ऐसी सरकार को बदलने और तिरंगे की आन-बान-शान को बनाए रखने के लिए आम आदमी पार्टी प्रतिबद्ध है इस संकल्प यात्रा का उद्देश्य है तिरंगे के नीचे खड़े हर व्यक्ति बच्चे को बेहतर शिक्षा देना, महिलाओं को सुरक्षा देना, किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम मिलना, हर युवा को रोजगार मिलना, नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलना हम संकल्प लेते है कि हम हर आम आदमी के आन-बान-शान को वापस लायेंगे उन्होंने कहा कि दिल्ली में जहां राज्य सरकार के पास बहुत कम अधिकार है वहां स्कूल बेहतर हो सकते हैं, दिल्ली के सरकारी स्कूल से पढ़कर निकला एक गरीब परिवार का बच्चा आईआईटी में एयरोस्पेस की पढ़ाई कर सकता है तो उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं उन्होंने कहा कि, उत्तर प्रदेश की सरकार ने तिरंगे के नीचे खड़े लोगों के साथ जो व्यवहार किया है वो तिरंगे की आन-बान-शान को कम करता है आम आदमी पार्टी ऐसी सरकार की निंदा करती है इस आन-बान-शान को वापस लाने का काम करेगी और तिरंगे के नीचे खड़े हर बच्चे, महिला, बुजुर्ग और किसान को उनका अधिकार दिलाएगी।

राम वंशज राजा राजेंद्र सिंह जी को श्रद्धांजलि दी गई

» (एजेंसी)

राम बंसल राजा राजेंद्र सिंह की श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश पदाधिकारी जिला पदाधिकारी एवं जगह-जगह से लोग पधारे तथा राजा राजेंद्र सिंह जी को भाविनी श्रद्धांजलि दी गई उनके सपनों के साकार करने का संकल्प लिया गया राम मंदिर ट्रस्ट में क्षत्रियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए इसके लिए ज्ञापन दिया गया तथा श्री राम वंशज अनिल छोटे राजा साहब को साफा पहनाकर राजा राजेंद्र सिंह जी का उत्तराधिकारी घोषित किया गया सभी पदाधिकारियों ने संकल्प लिया अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा हमारा समाज ही नहीं हमारा परिवार भी है हम सब मिलकर अपने देश के लिए अपने समाज के लिए अपने हकों के लिए हमेशा लड़ाई लड़ते रहेंगे विशेष मुद्दे जो रहे राम मंदिर ट्रस्ट में क्षत्रियों की भागीदारी आरक्षण जातिगत लागू होना चाहिए पर्यावरण बचाओ एवं अपने हकों की लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से अनिल राजा राजेंद्र सिंह जी आईटी सेल से सर्वेंद्र सिंह, दीपाली सिंह प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती राखी परमार प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सिकरवार एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुनील परिहार अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुँवर अवनीश सिंह भी शामिल हुए सभी दुख प्रकट किया राजा साब को श्रधांजलि अर्पित की एवं समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे।

नशे के विरुद्ध मुहिम से सभी को जुड़ कर एकजुट होकर इस लड़ाई से लड़ने की शपथ लें: न्यायाधीश कँवल जीत अरोड़ा सदस्य सचिव दिल्ली विधिक सेवाएं प्राधिकरण

» (एजेंसी)

अब कानूनी सहायता आपके द्वारः उत्तर पश्चिम जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, रोहिणी कोर्ट द्वारा बी-1 बस्ती विकास केंद्र, सुल्तानपुरीमें मुफ्त कानूनी सहायता केंद्र का उद्घाटन किया गया। साथ ही बच्चो को नशे के दुष्प्रभाव एवं नशाग्रस्त लोगो की नशा छुड़वाने में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा की जाने वाली मदद के विषय में एक जागरूकता एनीमेशन वीडियो का भी विमोचन किया गया। उत्तर पश्चिम जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को जारी रखते हुए जिला प्राधिकरण ने नशे के विरुद्ध एक जागरूकता रैली का भी आयोजन किया जिसमे जिला प्राधिकरण के पैरा लीगल वालंटियर्स और जिला प्राधिकरण के सहयोगी स्वेच्छासेवी संस्थाएं साई सेवा समिति संस्थान, डी0 ए0 वी0 एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी और श्रीमती तुलसा देवी मेमोरियल सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस रैली में प्रतिभागियों ने नशे के विरुद्ध नारे लगाकर जागरूकता फैलाई, जिसमे 'नशे से जंग प्राधिकरण के संग जैसे उत्साहजनक नारे लगाए गए। इस रैली में सोशल डिस्टन्सिंग और कोरोना से बचाव के सभी दिशा निदेर्शों का पालन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सदस्य सचिव कंवलजीत अरोड़ा अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, विशेष सचिव गौतम मनन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अतिरिक्त सचिव नमृता अग्रवाल अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने रैली को झंडा दिखाकर रैली को रवाना किया। न्यायाधीश कंवलजीत अरोड़ा ने कहा कि इस मुहिम से सभी को जुड़ना चाहिए जिससे हम समाज में फैल रही नशे की इस भयंकर सामाजिक बुराई से लड़ सकें उन्होंने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है जिससे इंसान समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है इससे हमें युवाओं को बचाना है तो हम सब का कर्तव्य है की एकजुट होकर इस लड़ाई से लड़ने की शपथ लें। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव अभिषेक कुमार मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने रैली के प्रतिभागियों को नारा दिया कि जिंदगी से नाता जोड़ो, नशा छोड़ो नशा छोडो। जिला प्राधिकरण के इस कदम की सुल्तानपुरी के निवासियों ने मुक्त कंठ से प्रशंशा की। इस रैली का आयोजन उत्तर पश्चिम जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, रोहिणी ने रघुनंदन ज्वेलर्स के सहयोग से किया।

देश में हो रहे बैंकों के निजीकरण के खिलाफ दिल्ली में आयोजित हुआ बैंक कर्मचारियों का भव्य कार्यक्रम

» (एजेंसी)

गांधी पीस फाउण्डेशन दिल्ली में नेशनल एस सी/एसटी/ओबीसी बैंकर्स एसोशिएशन के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम का आयोजन कियो कार्यक्रम की शुरूआत डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित करके की गई दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस रिसर्च विभाग के प्रभारी डॉ अनिल मीणा ने बताया कि कार्यक्रम में सैकड़ों कर्मचारी विभिन्न बैंको के पदाधिकारी कार्यक्रम में पहुंचे थे और सभी निजीकरण के कारण होने वाली देश में होने वाली तबाही को लेकर चिंतित थे जिन उद्योगपतियों ने बैंकों से कर्ज ले रखा है, वह चुकाने में असमर्थ हैं उन्हीं के नेतृत्व में बैंकों का निजीकरण करने का सरकार के मंसूबे साफ साफ दिखाई दे रहे हैं समानता के धरातल पर लाने के लिए देश के विभिन्न महापुरुषों ने जो सपना देखा था वह निजी करण के कारण धराशाई होता हुआ नजर आ रहा है` नेशनल रउ/रळ/डइउ बैंकर्स एसोसिएशन के चेयरमैन एवं पूर्व सांसद डॉ उदित राज ने पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए निजीकरण के खिलाफ मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा किया, कहा कि यह सरकार देश में बराबरी नहीं चाहती लोगों में भेदभाव का वातावरण बनाए रखना चाहती है` कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों के अधिकारी हरिओम मीणा विनोद कुमार, आकाश कुमार, प्रेम सिंह चौहान इत्यादि मौजूद रहे।

दिल्ली में 1 सितंबर से खुलेंगे स्कूल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने 1 सितंबर से स्कूल, कॉलेज खोलने का फैसला किया है। पहले 1 सितंबर से 9वीं से 12वीं कक्षा तक के लिए स्कूल खुलेंगे। इसके बाद 8 सितंबर से छठी से 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों को स्कूल बुलाया जाएगा। बच्चों के स्कूल आने के लिए उनके अभिभावकों की मंजूरी अनिवार्य होगी। विद्यार्थियों को स्कूल आने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। स्कूलों में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कुछ गाइडलाइंस जारी की हैं। डीडीएमए की गाइडलाइंस के अनुसार - कोविड-19 नियमों के तहत एक समय पर कक्षा में छात्रों की सीमित मौजूदगी सुनिश्चित करते हुए स्कूलों को टाइम टेबल तैयार करना चाहिए।
- क्षमता के आधार पर प्रति कक्षा अधिकतम 50 प्रतिशत छात्रों को बुलाया जा सकता है।
- दिल्ली के स्कूलों में लंच ब्रेक चरणबद्ध तरीके से हो ताकि एक समय पर अधिक भीड़ ना हो, लंच ब्रेक के लिए छात्रों को खुली जगह में भेजा जाए।
- कोविड-19 कंटेनमेंट जोन में रहने वाले छात्रों और शिक्षकों को स्कूल तथा कॉलेज ना आने दें।
- आपात स्थिति के लिए स्कूल, कॉलेज में आइसोलेशन रूम की स्थापना की जाए, नियमित रूप से विजिटर्स को आने से रोका जाए।

सरकारी स्कूलों का 98 फीसदी टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ कम से कम एक वैक्सीन ले चुका है।

लोगों को अपनी मातृभाषा बोलने में गर्व अनुभव करना चाहिए: नायडू

नईदिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू ने आज भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और उन्हें बदलते समय के अनुकूल बनाने के लिए अभिनव तरीकों के साथ आगे आने का आ'ान किया। यह देखते हुए कि भाषा एक स्थिर अवधारणा नहीं है, उन्होंने भाषाओं को समृद्ध करने के लिए एक गतिशील और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाषा की ह्यजीवंत संस्कृति' को बनाए रखने के लिए एक जन आंदोलन की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि सांस्कृतिक और भाषाई पुनर्जागरण को लोगों का अधिक से अधिक समर्थन मिल रहा है। नायडु ने कहा कि दैनिक जीवन में भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल में हीनता की भावना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ह्यतेलुगु भाषा दिवस' के अवसर पर वीधि अरुगु और दक्षिण अफ्रीकी तेलुगु समुदाय (एसएटीसी) के एक कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम के जरिए संबोधित करते हुए इस बात को माना कि तेलुगु एक प्राचीन भाषा है जिसका सैकड़ों वर्षों का समृद्ध साहित्यिक इतिहास है और उन्होंने इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए नए सिरे से प्रयास करने का आ'ाहन किया। श्री नायडू ने तेलुगु लेखक और भाषाविद श्री गिदुगू वेंकट राममूर्ति को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनके जन्मदिन को प्रत्येक साल ह्यतेलुगु भाषा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने इस साहित्यिक प्रतिरूप (आइकन) की तेलुगु साहित्य को आम लोगों के लिए समझने योग्य बनाने और एक भाषा आंदोलन का नेतृत्व करने के उनके प्रयासों के लिए सराहना की। भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों की सूची बनाते हुए, उपराष्ट्रपति ने प्रशासन में स्थानीय भाषाओं के उपयोग, बच्चों के बीच पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने और शहरों व गांवों में पुस्तकालयों की संस्कृति को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्यिक कार्यों का अनुवाद करने के लिए और अधिक पहल करने का भी आ'ाहन किया। उन्होंने इस बात की इच्छा व्यक्त की कि बच्चों को खेल और गतिविधियों के जरिए सरल तरीके से भाषा की बारीकियां सिखाया जाएं। नायडू ने युवाओं को अपनी जड़ों से फिर से जुड़ने के लिए भाषा का इस्तेमाल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'भाषा संचार के एक माध्यम से कहीं अधिक है, यह अदृश्य धागा है जो हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ता है।'

राघव चड्ढा ने इंद्रपुरी और नारयणा में दो आरओ प्लांट का उद्घाटन किया, 11 हजार लोगों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली जल बोर्ड उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने इंद्रपुरी और नारयणा में दो आरओ प्लांट का उद्घाटन किया है। इंद्रपुरी के एफ ब्लॉक स्थित गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और नारायणा विहार के सी ब्लॉक स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय में टाटा पावर-डीडीएल के सीईओ गणेश श्रीनिवासन और टीपीटीसीएल के सीईओ अमित गर्ग के साथ आरओ संयंत्रों का उद्घाटन किया। इससे करीब 11 हजार लोगों को फायदा मिलेगा। दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने कहा कि इन आरओ संयंत्रों की हर घंटे 500 लीटर पानी को शुद्ध करने की क्षमता है। ये आरओ प्लांट छात्रों- शिक्षकों और स्थानीय लोगों में नई उम्मीद जगाएंगे। इससे लगातार रोजाना लगभग 11 हजार लोगों की प्यास बुझायी जा सकेगी। उन्होंने बताया कि किस तरह से आरओ प्लांट पानी में घुल चुके हानिकारक पदार्थों को कुशलतापूर्वक निकालने की क्षमता रखते हैं। साथ ही पीने योग्य पानी का उत्पादन करते हैं। खास बात है कि पानी को साफ करने की प्रक्रिया के दौरान कोई हानिकारक रसायन नहीं मिलाया जाता है। हानिकारक रसायन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। खूबसूरती से डिजाइन किए गए ये आरओ प्लांट उचित कीमत और कम जगह के अनुकूल हैं। दोनों स्कूलों में लगाए गए आरओ प्लांट 60-40 के मॉडल पर काम कर रहे हैं। जिससे पीने के पानी का सबसे अच्छा और सबसे कम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस मॉडल के तहत 60 फीसदी पीने योग्य पानी और 40 फीसदी अपशिष्ट जल होगा, जिसे वर्षा जल संचयन पिट के लिए उपयोग किया जाएगा। कोरोना महामारी के बाद जब फिर से खुलेंगे तो छोटे बच्चों का स्वास्थ्य और स्वच्छता सुनिश्चित करना प्रमुख उद्देश्य होगा। आरओ वाटर प्लांट की शुरूआत उसी दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम है। जिसका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को साफ और बेहतर पानी उपलब्ध कराना है। राजेंद्र नगर विधायक राघव चड्ढा ने कहा कि मैंने हमेशा सुनिश्चित किया है कि मेरी विधानसभा क्षेत्र के सभी लोगों को साफ पानी सहित अन्य सभी बुनियादी आवश्यकताएं उपलब्ध हों। दोनों स्कलों में आरओ प्लांट लगाकर लगभग 11 हजार लोगों को साफ पीने के पानी की नई उम्मीद दी गई है। टाटा पावर-डीडीएल ने अब तक शैक्षणिक संस्थानों, जेजे क्लस्टर्स (झुग्गी बस्तियों), दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर 83 आरओ प्लांट स्थापित किए हैं। इससे रोजाना 3.78 लाख लोगों को साफ पानी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में सरकारी विभागों को गंभीर वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा है, इसके बावजूद अरविंद केजरीवाल सरकार ने विकास कार्यों को रुकने नहीं दिया। भविष्य में हर परियोजना पर इसी उत्साह के साथ काम करेंगे। आरओ प्लांट का उद्घाटन सार्वजनिक और निजी भागीदारी का एक उदाहरण है। राज्य सरकार की सहायता से लोगों की भलाई के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पूरी की गई है। पहला आरओ प्लांट इंद्रपुरी के एफ ब्लॉक स्थित राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और दूसरा नारायणा विहार के सी ब्लॉक स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय में लगाया गया है।

क्या मायावती की बसपा आज भाजपा की बी-टीम हो गई है !

6 माह बाद उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा और सपा चुनावी तैयारियों में जोर-शोर से लगी हुई हैं। कांग्रेस पार्टी भी यदा-कदा अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। उत्तर प्रदेश के अन्य छोटे दल जैसे अपना दल, राष्ट्रीय लोकदल, महान दल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, निषाद पार्टी, आप पार्टी इत्यादि भी अपने-अपने तरीके से सक्रिय हैं लेकिन बसपा बहुत ही रहस्यमईढ़ग से चुप्पी साधे हुए है। वो मायावती जो चार बार प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं, कतई सक्रिय दिखाई नहीं पड़ रही हैं। राजनैतिक विश्लेषक इसके मायने तलाशने में लगे हुए हैं।

एक समय था जब बसपा की उत्तर प्रदेश में तूती बोलती थी। बहुत पुरानी बात नहीं है जब 2007 के विधान सभा चुनाव में 212 सीटें जीत कर बसपा ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। इस चुनाव के पूर्व बसपा के संस्थापक काशीराम की वर्ष 2006 में मृत्यु हो चुकी थी और 2007 का चुनाव मायावती ने अपने बलबूते लड़ा और जीता। हालांकि इस चुनाव को जीतने के लिए मायावती ने सतीशचन्द्र मिश्रा की अगुवाई में तथाकथित सोशल इंजीनियरिंग के तहत प्रदेश में जो ब्राह्मण भाईचारा सम्मेलन करवाये उससे उसे ब्राह्मण समुदाय के 15-20 प्रतिशत वोट तो अवश्य मिले और पार्टी सरकार बनाने में भी कामयाब रही लेकिन सरकार चलाने में ब्राह्मणों का जो वर्चस्व रहा उससे बसपा से जुडी अनेक दलित और अति पिछड़ी जातियां उससे अलग हो गई। गौरतलब है कि 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 312 सीटे जीती और 39.67 प्रतिशत वोट प्राप्त किये। सपा 311 पर लड़ी, 47 जीती और 21.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किये। कांग्रेस 114 पर लड़ी, 7 जीती और 6.25 प्रतिशत वोट प्राप्त किये जबकि बसपा 403 सीटों पर लड़ी, मात्र 19 जीती और लगभग 20 प्रतिशत वोट प्राप्त किये। यहाँयह भी गौरतलब है कि कुल 85 आरक्षित सीटों में से भाजपा ने जहां 2012 में मात्र 3 सीटे जीती थी वही भाजपा 2017 में 69 सीटेंजीतने में कामयाब हो गई। सपा ने जहां 2012 में 58 सीटें जीती थी उसे 2017 में मात्र 7 सीटें मिली जबकि बसपा 2012 में 13 और 2017 में मात्र 2 सीटें ही जीत पाई। आज बसपा के पास मात्र 19 विधायक हैं जिनमें से 11 निष्कासित हो चुके हैं और 9 विधायक अखिलेश यादव से मिल चुके हैं। आज मायावती के पास जाटव को छोड़ कर दलित वोट भी नहीं बचा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाटव वोट में भी

चन्द्रशेखर रावण की आजाद समाज पार्टी ने सेंध लगा दी है।

आजकल मायावती बसपा के पुराने वोट बैंक दलित और पिछड़ी/अति पिछड़ी जातियों को छोड़कर ब्राह्मण सम्मेलन करवाने में व्यस्त हैं। वे या तो इस गलतफहमी में ये सम्मेलन करवा रही हैं कि उत्तर प्रदेश के भाजपा से नाराज ब्राह्मणों के वोट उन्हें मिल जावेंगे या उन्हें 2007 वाले पुराने दलित, मुस्लिम और ब्राह्मण गठजोड़ बनने की उम्मीद है। मेरे मतानुसार ये दोनों ही बातें नहीं होने वाली हैं। मुझे लगता है कि बसपा का मुख्य उद्देश्य भाजपा से नाराज ब्राह्मणों का वोट पाना नहीं है अपितु यह वोट अखिलेश यादव की सपा को न मिल पावे, इसी कारणवश बसपा ये सम्मेलन कर रही है। वास्तविकता यह भी है कि मुसलमान भी आज बसपा को वोट देने वाला नहीं है। मुसलमानों को भली-भांति ज्ञात है कि मायावती ने मुसलमानों के हितों के विरूद्ध अनेक कार्य किये हैं। कुछ समय पूर्व ही सीएए पर हुई वोटिंग के दौरान मायावती ने भाजपा का साथ दिया है। धारा 370 पर होने वाली वोटिंग के दौरान भी बसपा ने सदन से वॉक आउट कर भाजपा का साथ दिया है। बसपा के इसी सहयोग के एवज में कुछ माह पूर्व हुए राज्य सभा उपचुनाव में उत्तर प्रदेश से भाजपा ने 8 सीटों पर ही चुनाव लड़ा और एक सीट बसपा के रामजी गोतम के लिए छोड़ दी। ऐसा होने से बसपा के रामजी गोतम भाजपा के सहयोग से राज्य सभा के लिए चुन भी लिए गये जबकि भाजपा 10 मे से 9 सीटेंस्वयं जीत सकती थी। ये तीनों कदम यह सिद्ध करने के लिए प्रयाप्त हैं कि बसपा अब भाजपा के साथ है। यह बात अलग है कि बसपा का यह साथ सीबीआई/ ईडी जैसी केन्द्रीय एजेन्सियों के दबाव में है अथवा भविष्य में मिल सकने वाले उपराष्ट्रपति/ राष्ट्रपति पद के प्रलोभन में। दोनों ही स्थितियों में बसपा देश का बड़ा अहित करने जा रही है।

उपरोक्त परिस्थितियां यह दशार्ने के लिए पर्याप्त हैं कि आज बसपा एक तरफ जहां अपना जनाधार खो चुकी है वहीं दूसरी ओर भाजपा के पाले में खड़ी दिखाई देती है। काशीराम के जमाने का एक भी नेता चाहे वह पिछड़ा/अति पिछड़ा वर्ग का हो अथवा उसी दलित वर्ग का जिससे मायावती स्वयं आती हैं, आज बसपा के साथ नहीं है। इस दयनीय हालत के लिए कोई ओर नहीं अपितु मायावती स्वयं जिम्मेदार हैं। ऐसा नहीं है कि मायावती के मुख्यमंत्री के 4 कार्यकालों के दौरान दलितों एवं पिछड़ों के लिए कुछ भी नहीं हुआ लेकिन उनके कार्यकाल में हुआ भ्रष्टाचार उन पर भारी पड़ रहा है। मायावती पर आय से अधिक सम्पत्ति के मामले हैं। उनके कार्यकाल के कई बड़े भ्रष्टाचार के मामले भी लम्बित हैं। अपने को इन भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों से बचाने के लिए ही आज मायावती भाजपा के पाले में जाने हेतु मजबूर हैं। अत्यन्त दुख का विषय है कि जिस बसपा को काशीराम ने अपने खून पसीने से सींचा था और बसपा को एक राजनैतिक दल ही नहीं अपितु सामाजिक परिवर्तन का एक बड़ा औजार बनाया था, मायावती की करतूतों ने उसे मिटा दिया है। कितनी तकलीफ की बात है कि जो बसपा देश की पहले या दूसरे नम्बर की राष्ट्रीय पार्टी हो सकती थी, वह आज उत्तर प्रदेश से भी मिटने जा रही है। ऐसा होने से उन लाखों, करोड़ों गरीबों के सपने चकना-चूर हो गये हैं जिन्होंने कभी बसपा के माध्यम से देश में सामाजिक क्रांति का सपना देश था। यह सब अतिलोभ- लालच के कारण हुआ है।

कालान्तर में की गई अनेक गलतियों के कारण बसपा आज हाशिंये की पार्टी बन गई है। आज बसपा के पास भाजपा का प्रत्यक्ष या परोक्ष साथ देने के अलावा कोई चारा नहीं है।ऐसी स्थिति में जब पार्टी राजनैतिक रूप से विफल होने जा रही है तब भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने के बजाए मायावती की नजर भविष्य में होने वाले उपराष्ट्रपति/राष्ट्रपति के पद पर होगी। ऐसे ही राजनैतिक गुणा-भाग के कारण बसपा आज भाजपा की बी-टीम बन कर रह गई है।

र

संपादकीय

हमले का खतरा

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुए फिदायीन हमले के बाद खतरा कतई कम नहीं हुआ है। खबर मिली है कि अब पाकिस्तान में बैठे आतंकी आकाओं ने तालिबान से बात की है और कश्मीर में जिहाद भड़काने के लिए मदद मांगी है। इसकी सूचना मिलते ही भारत में सभी राज्यों को अलर्ट कर दिया गया है। खुफिया अधिकारियों को सोशल मीडिया से लेकर सभी महत्वपूर्ण जगहों पर निगरानी करने को कहा गया है। काबुल हमले के बाद भारत पर आईएसआईएस-के के हमले का खतरा बढ़ गया है। आशंका है कि यह संगठन दक्षिण एशिया और इसके बाद भारत तक पहुंचने की कोशिश कर सकता है। आईएसआईएस खुरासान इस्लामी शासन थोपना चाहता है। आईएसआईएस-के को इस्लामिक स्टेट खुरासान भी कहा जाता है। यह संगठन तालिबान और अल-कायदा से भी कट्टर माना जाता है। खुफिया अधिकारियों को आशंका है कि यह ग्रुप जिहादी मानसिकता का विस्तार करना चाहता है। इसकी कोशिश है कि यह सेंट्रल एशिया और फिर भारत तक पहुंचे। इसकी मंशा युवाओं को अपने संगठन से जोडने और फिर आतंकी हमले कराने की है। अधिकारी मानते हैं कि खुरासान ग्रुप खलीफा का निजाम लाना चाहता है और यह भारत तक पहुंचने की कोशिश करेगा। भारतीय खुफिया एजेंसियां इसलिए भी सतर्क हैं क्योंकि केरल और मुंबई के कुछ युवा पहले आईएस में शामिल हो चुके हैं। कुछ और युवाओं को बहकाया जा सकता है। अगर यह साजिश रचता है तो भारत में कुछ कट्टरपंथी या आतंकी संगठन फिर सिर उठा सकते हैं। खुरासान ग्रुप युवाओं को अपने साथ जोडने की कोशिश कर सकता है। अफगानिस्तान में तालिबान का शासन आने के बाद आतंकी संगठनों को नई ताकत मिली है। भारत में कई हमलों का जिम्मेदार जैश-ए-मोहम्मद अब अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत पहुंच गया है। इसकी सीमा कंधार से लगती है। इसी तरह लश्कर-ए-तैयबा पूर्वी अफगानिस्तान के कुनार प्रांत से ऑपरेट कर रहा है। 2008 के मुंबई हमलों के पीछे लश्कर ही जिम्मेदार था। काबुल में गुरुवार को हुआ आतंकी हमला वास्तव में तालिबान को भी एक संदेश है कि वो बंदोबस्त नहीं कर सकता। खुरासान ग्रुप तालिबान सरकार में भी शेयर चाहता है। यह संगठन सबसे पहले 2014 में सामने आया। बाद में इसकी पहचान एक बेहद दुर्दांत और वहशी संगठन के तौर पर होने लगी। हक्कानी नेटवर्क और पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई से रिश्ते हैं। अमेरिकी अफसर मानते हैं कि इस ग्रुप में पाकिस्तानी और उज्बैक लड़ाके शामिल हैं। खास बात यह है कि इस संगठन और अफगान तालिबान के बीच भी दुश्मनी है। हालांकि, ये साफ नहीं है कि इराक और सीरिया में एक्टिव आईएस से कितने करीबी रिश्ते हैं। मगर समय के साथ यह भी सामने आ ही जाएगा। अभी तो भारत को सतर्कता बरतने की जरूरत है। खुरासान वास्तव में इस्लामिक स्टेट की स्थानीय और पुरानी यूनिट है। तालिबान से उसकी पुरानी या कहें 2014 से ही दुश्मनी है। इस ग्रुप को लगता है कि तालिबान ने अमेरिका के समर्थन वाली अफगान सेना के साथ मिलकर उसे कमजोर किया। अब वो बदला ले रहा है। **प्रवीण कुमार सिंह**

आखिर क्यों बिखर जाती है टीम इंडिया की बल्लेबाजी। क्या अगले मैच में होंगे बड़े बदलाव ?

इंग्लैंड में अब तक तीन मुकाबलों में तकरीबन भारत की बल्लेबाजी एक जैसी ही रही है। भारत के टॉप ऑर्डर के सातों बल्लेबाज तीनों ही मुकाबले खेले हैं। ऐसे में ये तो पक्का है कि जिस तरीके से रोहित शर्मा और केएल राहुल ने प्रदर्शन किया है अगले मैच में वही ओपनिंग करते हुए दिखाई देंगे। लेकिन साथ ही सवाल है कि क्या चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की जगह कोई दूसरा खिलाड़ी देखने को मिलेगा या फिर टीम इंडिया किसी एक्स्ट्रा बल्लेबाज को टीम में शामिल करेगी। जिसकी वजह से भारतीय टीम को छठे नंबर पर मजबूती मिले और ऋषभ पंत विकेट कीपर के रूप में सातवें नंबर पर आकर बल्लेबाजी करें। लेकिन अब सवाल यह है कि आखिर वह कौन सा बल्लेबाज होगा जिसे टीम में जगह दी जा सकती है।

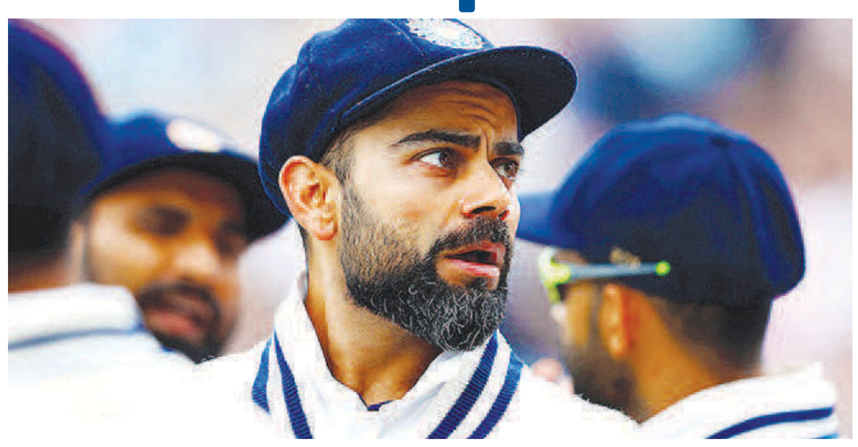

भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज में मुकाबला 1-1 से बराबरी पर है। टीम इंडिया ने लॉर्ड्स में एक शानदार जीत दर्ज की लेकिन उसके बाद जब भारतीय टीम हेडिंग्ले पहुंची तो यहां बाजी पूरे तरीके से पलट गई। भारतीय टीम पहले 78 रनों पर आउट हुई उसके बाद जब टीम इंडिया दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रही थी तो एक वक्त पर लग रहा था कि शायद कुछ करिश्मा होगा। लेकिन मैच के चौथे दिन भारत की बल्लेबाजी फिर से बिखर गई और पूरी की पूरी टीम 278 रनों पर ऑल आउट हो गई टीम इंडिया यह मुकाबला पारी और 76 रनों के अंतर से हार गई। इस मैच में भारत की हार काफी सवाल खड़े करती है। भारतीय बल्लेबाजों से एक ही सवाल है कि आखिर ऐसी क्या वजह है जो पिछले कुछ समय में हमने टीम इंडिया की पारी को कई बार बिखरते देखा है। चाहे वह ऑस्ट्रेलिया में 36 ऑल आउट हो या फिर हेडिंग्ले में 78 ऑल आउट टेस्ट क्रिकेट में कई बार भारतीय बल्लेबाजों ने विरोधी गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। ऐसे में साथ ही यह भी सवाल खड़े होते हैं कि आखिर क्यों दिग्गजों से भरी टीम विदेशी हालात में लहराती गेंदों के सामने सरेंडर कर जाती है। इसके साथ ही टीम में चेतेश्वर पुजारा विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ी होने के बावजूद जिन्हें टेस्ट क्रिकेट में लंबा अनुभव है जो जो इंग्लैंड में अपना तीसरा दौरा कर रहे हैं वह भी इन हालात में आकर फेल हो गए।

आखिर कहां गलती कर रहे हैं टीम इंडिया के बल्लेबाज !

इंग्लैंड की सरजमीं पर मौजूदा सीरीज में भारतीय ओपनर्स ने काफी शानदार प्रदर्शन किया है। केएल राहुल और रोहित शर्मा की जोड़ी ने शुरूआती दोनों मैच में अच्छी पारियां खेली हालांकि वह हेडिंग्ले में उस अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए जैसे उनसे उम्मीद की जा रही थी। लेकिन साथ ही सवाल यह भी है कि लगभग पिछले डेढ़ साल से खराब फॉर्म में चल रहे टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज जिसमें चेतेश्वर पुजारा विराट कोहली और रहाणे का नाम शामिल है। उनके प्रदर्शन में क्यों गिरावट हो रही है। आखिर क्यों आखिर क्यों चेतेश्वर पुजारा विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पा रहे हैं। आखिर क्यों इंग्लैंड के गेंदबाजों को भारतीय मिडल ऑर्डर की कमजोरी पता चल गई है कि इन्हें आउटसाइड ऑफ स्टंप गेंद करो और यह अपने आप उस गेंद को उस गेंद को छोड़ेंगे और स्लिप जा विकेटकीपर के पास कैच दे बैठेंगे। विराट पुजारा और रहाणे वह बल्लेबाज जिन्हें इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट में 250 से भी ज्यादा मैचों का अनुभव प्राप्त है। इसलिए उन खिलाड़ियों के स्किल्स पर सवाल उठाना लाजमी नहीं है इन खिलाड़ियों को अपने शॉट सिलेक्शन पर ध्यान देना होगा। इंग्लैंड के हालातों में बल्लेबाजों से ढीले हाथों से खेलने की उम्मीद की जाती है साथ ही बल्लेबाजों से उम्मीद करी जाती है कि वह गेंद को अपने शरीर के पास आने दें और फिर शॉट्र्स लगाएं। इंग्लैंड ऐसी जगह नहीं है जहां सेट होने के बाद शॉर्ट लगा सकते हैं। इंग्लैंड में पूरे दिन गेंदबाजों को मदद मिलती रहती है। जहां बल्लेबाजों को अपने ऊपर कंट्रोल रखना पड़ता है। लेकिन इस बारे पर हमने अभी तक देखा कि भारतीय बल्लेबाज सेट होने के बाद अपना विकेट गंवा रहे हैं जो भारतीय टीम को काफी भारी पड़ रहा है।

क्या टीम इंडिया में बदलाव की जरूरत है ?

इंग्लैंड में अब तक तीन मुकाबलों में तकरीबन भारत की बल्लेबाजी एक जैसी ही रही है। भारत के टॉप ऑर्डर के सातों बल्लेबाज तीनों ही मुकाबले खेले हैं। ऐसे में ये तो पक्का है कि जिस तरीके से रोहित शर्मा और केएल राहुल ने प्रदर्शन किया है अगले मैच में वही ओपनिंग करते हुए दिखाई देंगे। लेकिन साथ ही सवाल है कि क्या चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की जगह कोई दूसरा खिलाड़ी देखने को मिलेगा या फिर टीम इंडिया किसी एक्स्ट्रा बल्लेबाज को टीम में शामिल करेगी। जिसकी वजह से भारतीय टीम को छठे नंबर पर मजबूती मिले और ऋषभ पंत विकेट कीपर के रूप में सातवें नंबर पर आकर बल्लेबाजी करें। लेकिन अब सवाल यह है कि आखिर वह कौन सा बल्लेबाज होगा जिसे टीम में जगह दी जा सकती है। अगर टीम में नजर डालें तो इस समय टीम के पास हनुमा विहारी और सूर्यकुमार यादव के रूप में दो ऐसे खिलाड़ी मौजूद हैं जो मिडिल ऑर्डर में आकर बल्लेबाजी कर सकते हैं लेकिन इसके साथ ही अब सवाल यह भी उठता है कि क्या टीम चेतेश्वर पुजारा को बाहर करेगी क्योंकि लॉर्ड्स में जिस तरीके से चेतेश्वर पुजारा ने जुझारू पारी खेली उसके बाद हेडिंग्ले की दूसरी पारी में 91 रन बनाकर चेतेश्वर पुजारा ने जगह अब बचा ली है और टीम शायद ही अगले मुकाबले में चेतेश्वर पुजारा को प्लेइंग इलेवन से बाहर करेगी। तो सवाल यह उठता है कि क्या आजिंक्य रहाणे जिस फॉर्म से जूझ रहे हैं उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा सकता है। क्योंकि वह एक तो इस टीम के उप कप्तान हैं साथ ही वह इस टीम के अनुभवी बल्लेबाज भी हैं। लेकिन उनका हालिया फॉर्म उन पर सवाल खड़े करता है। ऐसे में अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भारतीय टीम मैनेजमेंट उन्हें ओवल में प्लेइंग इलेवन से बाहर रखता है या फिर सूर्यकुमार यादव का मौका देता है। जिनके बारे में पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने एक एजेंसी से बातचीत करते हुए कहा कि 'भारत को अगले मुकाबले में सूर्यकुमार यादव को मिडिल ऑर्डर में मौका देना चाहिए सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में है। साथ ही उन्हें फर्स्ट क्लास मैचों में काफी अनुभव भी प्राप्त है। ऐसे में मुझे लगता है कि अगले मुकाबले में भारत को प्लेइंग इलेवन में हनुमा विहारी के ऊपर सूर्यकुमार यादव को तरजीह देनी चाहिए'।

कहो तो कह दूँ :असली 'अभिनय सम्राट' तो अभिनेता नहीं, देश के नेता हैं हुजूर

...

मुख़्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कई बार बड़ी गजब की बात कह देते हैं ह्लअभी सत्ता और संघठन की हुई बैठक में उन्होंने अपने मंत्रियों से साफ साफ कह दिया कि अब समय आ गया है कि मंत्री गण स्वागत सत्कार से दूर रह कर केवल जनता के लिए काम करें, अब आप ही बताओ कि इतनी मेहनत और जोड़ तोड़ करके कोई मंत्री क्या सिर्फ जनता के कामों के लिए बनता है, अरे भाई मंत्री जैसे ही सुबह बिस्तर से उठता है उसे अपने बंगले पर दुखियारों की भीड़ न दिखे तो उसका बिस्तर छोड़ने का मन ही नहीं होता, जब दौरे पर कंही जाता है और यदि जय जयकार करने वाले, फूलमालाएं पहनाने वाले नहीं दिखते तो उसका मन घबराने लगता है, ब्लड प्रेशर ऊपर नीचे होने लगता है।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस नेता कमलनाथ जी ने अपने वर्तमान मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश के मामा बने शिवराज सिंह पर टिप्पणी करते हुए उन्हें सलाह दी है कि वे मुंबई चले जाएँ क्योकि वे 'सुपर क्लास एक्टर' हैं वैसे कमलनाथ जी ने बात तो सौ टका टंच कही है लेकिन इसमें अकेले शिवराज सिंह ही क्यों ये सोचने वाली बात है, अपना मानना तो ये है कि अभिनेता और अभिनेत्री बनने के इच्छुक लड़के लड़कियों के लिए 'पूना फिल्म इंस्टीटयूट' खुला है और भी कई एक्टिंग सिखाने वाले स्कूल भी मुंबई में चल रहे है जंहा नवोदित अभिनेताओं और अभिनेत्रियों को एक्टिंग के गुर सिखाये जाते हैं, लेकिन इस देश के नेताओं के लिए ऐसा कोई स्कूल नहीं है वे अपनी पार्टी में ही रहकर अभिनय की तमाम बारीकियां और उसके तमाम गुर सीख लेते हैं, यदि सत्ता में आ गए तो उनका अभिनय अपनी पूरी ऊँचाइयों पर पंहुच जाए है, कँहा हँसना है, कँहा मगरमच्छ के आंसू बहाना है, कँहा करुणा दिखाना है, कँहा किसको गले लगाना है, कँहा कौन सा डायलॉग बोलना है, कब आँखें तरेर कर जनता के सामने अफसरों को हुक्म देना है, कँहा अपने आप को 'दया का सागर' बताना है, कब विधान सभा में एक दूसरे पर आग बबूला होना है और शाम होते होते 'भुट्टा पार्टी' करना है ये सब उन्हें खुद ब खुद आ जाता है, उन्हें किसी इंस्टीट्यूट या किसी एक्टिंग सिखाने वाले स्कूल में जाने की जरूरत नहीं होती एक बार जो नेता गिरी में आ गया समझ लो अभिनय उसकी रग रग में खुद पैबस्त हो जाता है, वैसे भी इस देश की जनता बेहद भोली भाली है वो इनके अभिनय को समझ नहीं पाती और ताली बजाने लगती है उसको लगता है कि इनसे बड़ा खैरख़्वाह इस दुनिया में उसका और कोई नहीं है, और नेता जब घर पंहुचता है तो पेट पकड़ कर घंटो हँसता है कि आज की उसकी एक्टिंग पूरी तरह से सफल रही, कैसा बेबकूफ बनाया जनता को कमलनाथ जी का किसी एक नेता पर ऊँगली उठाना ठीक नहीं है आप भी तो उसी में शामिल हो जब सत्ता में थे तब अलग तरह का अभिनय करते थे अब विपक्ष में हो तो एक्टिंग बदल गयी है, डायलॉग बदल गए हैं, स्क्रिप्ट बदल गयी है अपना सोचना तो ये है कि ये 'फिल्म फेयर' वाले बेवजह बेस्ट एक्टर, बेस्ट एक्ट्रेस, बेस्ट डायरेक्टर का चुनाव करके उन्हें पुरूस्कार देते हैं एक बार राजनीति में आकर देखो ऐसे ऐसे अभिनेता अभिनेत्री मिल जाएंगे कि चुनाव करना कठिन हो जाएगा कि इनमें से किसको चुनें क्योकि हर नेता की एक्टिंग एक से बढ़ कर एक होती है ये 'अभिनय सम्राट' की जो पदवी दिलीप कुमार, राजकुमार, मनोज कुमार, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन को मिली है न उनसे छीन कर इन नेताओ को दे देना चाहिए।

अपना तो मानना है कि फिल्मी दुनिया का सबसे बड़ा दादा साहेब फाल्के पुरुस्कार भी इन नेताओ के नाम कर देना चाहिए क्योकि जो एक बार राजनीति में आ जाता है वो मरते दम तक राजनीति में रहकर जनता की सेवा करता है, और इस दौरान उसे कितना अभिनय करना पड़ता होगा ये तो सोचिये इसलिए वो इस पुरूस्कार का हकदार बनता है इसमें कोई शक।

ये क्या कह दिया मामाजी आपने

मुख़्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कई बार बड़ी गजब की बात कह देते हैं 'अभी सत्ता और संघठन की हुई बैठक में उन्होंने अपने मंत्रियों से साफ साफ कह दिया कि अब समय आ गया है कि मंत्री गण स्वागत सत्कार से दूर रह कर केवल जनता के लिए काम करें , अब आप ही बताओ कि इतनी मेहनत और जोड़ तोड़ करके कोई मंत्री क्या सिर्फ जनता के कामों के लिए बनता है, अरे भाई मंत्री जैसे ही सुबह बिस्तर से उठता है उसे अपने बंगले पर दुखियारों की भीड़ न दिखे तो उसका बिस्तर छोड़ने का मन ही नहीं होता , जब दौरे पर कंही जाता है और यदि जय जयकार करने वाले, फूलमालाएं पहनाने वाले नहीं दिखते तो उसका मन घबराने लगता है, ब्लड प्रेशर ऊपर नीचे होने लगता है, आँखों के सामने अँधेरा सा छाने लगता है , मुंह सूखने लगता है, हाथ पैर कांपने लगते हैं माथे पर पसीना आ जाता है, आँखे फड़फड़ाने लगती हैं, लगता है जैसे सब कुछ लुट गया हो' मंत्री हो और स्वागत न करवाए, सम्मान न करवाए ऐसा कभी हुआ है मंत्री तो होता ही है सम्मान और स्वागत करवाने के लिए , जब तक उसके लिए ट्रैफिक न रोका जाए, जनता को किनारे खड़ा न कर दिया जाए, लोग बाग उसे देखकर हाथ न हिलाएं तब तक उसका खाना नहीं पचता और मामाजी कह रहे हैं कि स्वागत और सम्मान मत करवाओ ह्व इधर संघठन के लोगो को भी सीख दे दी मामाजी ने कि सत्ता की मदद लो पर उस पर आश्रित मत रहो ह्व जरूरी नहीं है कि जब तक अफसर गाडी न लगाए आप कँही जाओ ही नहीं, मामाजी को कौन बताये कि हर कोई सत्ता में ही रहना चाहता है , संघठन में रहकर क्या मिलता है रात दिन पार्टी की मजबूती के लिए खटते रहो , लोगों को इकठा करो, उन्हें पार्टी की रीति नीति समझाओ और मामाजी कह रहे है कि सरकारी गाड़ी का इंतजार मत करो, यानि अपनी खुद की ह्लस्कूटीह्व से निकल जाएँ संघठन के लोग , वैसे भी पेट्रोल इतना मंहगा है, सत्ता में रहते हैं तो सरकार गाड़ी में पेट्रोल डलवती है, जंहा मर्जी घूमो पर संघठन में कौन पेट्रोल भरवाएगा, ऐसा जुलुम मत करो मामा जी मंत्रियों को भरपूर सम्मान स्वागत करवाने दो और संघठन के नेताओं को भी सत्ता की मलाई से बनी रबड़ी का स्वाद चखने दो

सुपर हिट ऑफ द वीक

'आज खाना क्यों नहीं बनाया' श्रीमान जी ने श्रीमती जी से पूछा

'गिर गयी थी और लग गई'

'कँहा गिर गई थी और कँहा लग गई' श्रीमान जी ने चिन्तित होकर पूछा

'तकिये पर गिर गई थी और आंख लग गई' श्रीमती जी का उत्तर था।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

खबर एक नजर

ओम प्रकाश को मिली किसान मोर्चा इंद्री मंडल की कमान

संवाददाता, करनाल। पीडब्ल्यूडी रैस्ट हाउस करनाल में किसान मोर्चा इंद्री मंडल की कार्यकारिणी का विस्तार जिला अध्यक्ष मास्टर नरेंद्र की अध्यक्षता में किया गया। इस विशेष अवसर पर जन्माष्टमी के पर्व पर करनाल जिला के प्रभारी मनदीप सिंह विर्क और इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप पूर्व असंध विधायक सरदार बख्शीश सिंह के सानिध्य में कार्यकारिणी की घोषणा की गई। किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी गुमटो गांव से सरपंच ओम प्रकाश शर्मा को जिम्मेदारी दी गई जिनका अपने क्षेत्र में किसानों से विशेष लगाव है। उपाध्यक्ष किसान परिवार से कूड़ा राम गुरदयाल नंबरदार किसान बल जोर उपाध्यक्ष नगला रोड़ान मोर सिंह, गडी गुजरान रवि कुमार नंबरदार जनेश्वरो महामंत्री सुधीर खेड़ी चट्टान महामंत्री विनोद कुमार पटेढ़ी सचिव तेजपाल गडी साधान सुरेंद्र भाटिया महेंद्र सिंह भूपेंद्र कुमार पवन कबीरपंथी को सचिव बनाया गया सोशल मीडिया विक्रम सिंह सोशल मीडिया अमित बादशाह मीडिया विजेंदर कमालपुर रोड़ान सलिंदर रामपुरा कोषाध्यक्ष बलविंदर कुमार फाजिलपुर विशेष आमंत्रित सदस्यों में विधायक राम कुमार रघुवीर बताएं सुनील खेड़ा पंकज सरपंच एसोसिएशन प्रधान महिंद्र पंजोखरा संजय श्याम लाल सरपंच राजेंद्र मीणा जगदीश गोयल महिदर तोमर बनाए गए। इस अवसर पर मास्टर नरेंद्र ने संगठन की बात करते हुए सभी नवनियुक्त टीम को बधाई दी और संगठन का पाठ पढ़ाते हुए निर्देश दिए कि किसान मोर्चा का कार्यकर्ता विपक्ष द्वारा फैलाए गए भरम को दूर करने के लिए प्रत्येक बूथ पर जाकर मोदी मनोहर सरकार की किसान हितेषी योजनाओं को उजागर करेगा और भोलेनाथ किसान को समझाकर किसान हित में जितने निर्णय सरकार ने लिए हैं उन सबको घर घर पहुंचाने का कार्य करेगा। आज हरियाणा में गन्ने का सर्वाधिक रेट है 16 फसलें हरियाणा सरकार एमएसपी पर खरीद रही है। नीम कोटेड यूरिया किसान के लिए हर समय उपलब्ध है। बागवानी मछली पालन पशुपालन खुंबी उत्पादन फल फूल उत्पादन में हरियाणा फल फूल रहा है और किसानों को खेती यंत्रों में सरकार की तरफ से 80 से 90त्न तक की सब्सिडी दी जा रही है खुशहाल किसान कुशाल हरियाणा। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनय संधू प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश राणा जिला महामंत्री विनोद राणा विनोद किसान मोर्चा से जुड़े हुए पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर प्रकृति बचाओ अभियान के अंतर्गत पर्यावरण सचेतक समिति द्वारा रामा-श्यामा तुलसी निधिवन स्थापना की गयी

» (एजेंसी)

पलवल। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर थानसिंह व अमरपाल ने की एवं संचालन करते हुए संस्था संयोजक आचार्य राम कुमार बघेल ने बताया कि हमारा प्रयास हर घर तुलसी का वास है। यह दैवीय गुणों से युक्त रामबाण औषधिय पौधा है। आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक सभी प्रकार से यह लाभप्रद है। भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं आजादी महोत्सव पर 75 तुलसी के पौधे बच्चों के साथ लगाकर निधिवन

स्थापित किया गया है। फल, फूल एवं छायादार पौधों का भी रोपण किया गया है। इससे बच्चों में भी अच्छे संस्कार एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति लगाव बढ़ेगा। तुलसी रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढाकर कोरोना से लड़ने के लिए शक्ति के साथ वातावरण को शुद्ध रखने में सहायक है। मन्दिर पुजारी बाबा बोला भक्त ने वृन्दावन धाम का स्मरण करते हुए निधिवन स्थापना को सभी के लिए कल्याणकारी बताते हुए संस्था को बधाई एवं आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर संस्था सदस्य गजेंद्र, विक्रम, ईश्वरराज, देव, लक्ष्य मेडिकल स्टोर के साथ श्रद्धालु शिवराम, बबलू एवं नन्हें बच्चों शिवम, मनीष, हिमांशी सौरव, अभिषेक, खुशबू, दिनेश व भोला आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिला में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर उत्सवों की धूम

» (एजेंसी)

नूंह/मेवात। जिला में सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर भी इस बार कोरोना महामारी का पूरा असर देखने को मिल रहा था। जबकि जिला के मंदिरों में साज-सज्जा व आलौकिक रंग भी रंगी लाईटों से मंदिरों में विशेष सजावट की हुई थी लेकिन कोविड-19 महामारी के चलते जिला प्रशासन की एडवाइजरी को लेकर मंदिरों में चहल-पहल न होने से यह पर्व महज औपचारिकता के तौर से ही मनाया जा रहा था और भक्तों ने घरों में ही रहकर पूजा अर्चना की और मंदिरों में दर्शनों के लिए बने सोशल डिस्टेंस के नियम के तहत ही दर्शन कराए गए। अधिकांश मंदिरों के घण्टे-घडियालों व दर्शनों के लिए लगाए गए अवरोधक पूरी तरह से सैनिटाईज किए हुए थे। इस बार मंदिरों में रासलीला, नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम व हांडी फोडने. का कार्यक्रम की भी कहीं आहट नहीं दिखाई दी थी। भक्तों ने अपने लडडू गोपाल को सुन्दर वस्त्र पहनाकर माखन-मिश्री खिलाकर पूजा अर्चना की तथा देर रात को व्रत खोला गया।

ऐसे ही घरों, कॉलोनियों, गली-मोहल्लों में लोगों ने अपने बच्चों को श्री कृष्ण-राधा, सुदामा आदि के बालरूप बनाकर रास लीला कराई। ऐसे ही नूंह में फेतेहसिंह सायं शाखा और माधव रात्रि शाखा द्वारा पंडित नम्बरदार वाटिका में दही-हांडी फोडने का कार्यकम आयोजित किया गया। तावडू के राधा -कृष्ण, सीता राम मंदिर वार्ड नं- 11 में जन्माष्टमी के मौके पर संगीत का आयोजन प्रसाद वितरण, जय भारत रामलीला ग्राउंड में झांकी और प्रसाद वितरण ,राधा कृष्ण बड़ा मंदिर अनाज मंडी तावडू, पंचमुखी शिव मंदिर अस्पताल वाली गली ,राधा कृष्ण मंदिर चिरंजी वाला, सनातन धर्म मंदिर प्रेम मोहल्ला व अन्य मंदिरों में भी सुंदर झांकियों का प्रदर्शन किया, मंदिरों की सजावट देखने लायक की गई है। वहीं, आर्य समाज मंदिर नूंह में जन्माष्टमी का पर्व उत्साह श्रद्धा और असीम उत्साह के साथ मनाया गया ,यज्ञ के पश्चात कन्हैया लाल शर्मा और किशन चंद हार्डवेयर वालों ने ईश्वर भक्ति के भजन सुनाए। ज्ञानचंद ने बताया की योगेश्वर श्रीकृष्ण का जीवन जन्म से लेकर मृत्यु पर्यंत तक संघर्षमय रहा लेकिन श्री कृष्ण संघर्षों से कभी घबराए नहीं आपका जन्म मथुरा के कारागार में हुआ वहां से आप योजनाबद्ध तरीके से गोकुल पहुंचाएं गये, जहां पर तत्कालीन नरेश कंस द्वारा उन को मारने के लिए बहुत प्रयास किए गए लेकिन ईश्वर कृपा से श्री कृष्ण का बाल भी बांका नहीं हुआ। मात्र 12 वर्ष की उम्र में श्री कृष्ण ने कंस का वध करके अपने नाना उग्रसेन को राज गद्दी सौंप दी उसके पश्चात आप दोनों भाई श्री कृष्ण और बलराम पढने के लिए संदीपनी ऋषि के आश्रम में गए पूरी विद्या प्राप्त करने के पश्चात गुरुजी ने जब गुरु दक्षिणा के रूप में अपना खोया हुआ पुत्र मांगा तो श्री कृष्ण जी ने देवलोक जाकर के बलपूर्वक उनके पुत्र को प्राप्त किया और गुरु को प्रदान किया। माता रुक्मिणी से शादी करने के पश्चात श्रीकृष्ण और देवी रुक्मिणी ने बारह वर्ष तक बद्रिकाश्रम में बारह वर्ष तक ब्रह्मचर्य का पालन किया। जीवन में केवल एक बार भोग किया परिणामस्वरूप प्रद्युम्न नाम के पुत्र की प्राप्ति की। पांडवों के राजसुय यज्ञ में भीष्म पितामह के निर्णयानुसार कृष्ण को अग्रपूजा का अधिकार दिया गया। वो अपने समय में मल्लयुद्ध गदा युद्ध, तीर-कमान युद्ध आदि सभी प्रकार की युद्ध कला में निपुण थे। ऐसे ही जिला के तावडू, पुन्हाना, नगीना, फिरोजपुर झिरका, पिनगवा, इंडरी आदि विकास खण्डों में सनातनधर्म प्रेमियों ने बडी धूमधाम से श्री कृष्णा जन्माष्टमी पर्व मनाया और रात में व्रत खोला।

आदर्श बाल निकेतन एलुमनी एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन

S.K.Kejriwal Dr.D.N.Tulsian Manish Mittal CA

» (एजेंसी)

झुंझुनूं। झुंझुनूं प्रगति संघ मुम्बई द्वारा संचालित आदर्श बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में आयोजित आदर्श बाल निकेतन एलुमनी एसोसिएशन की सभा में एलुमनी एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन चुनाव अधिकारी नीरज शर्मा द्वारा करवाया गया जिसमें अध्यक्ष श्रवण केजड़ीवाल, सचिव डॉ.डी. एन.तुलस्यान एवं कोषाध्यक्ष सीए मनीष मित्तल, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश आबूसरिया एवं प्रमोद खण्डेलिया, सह-सचिव अमित जगनानी एवं समन्वयक एडवोकेट नीरज शर्मा को बनाया गया। सचिव डॉ.डी. एन.तुलस्यान ने एलुमनी एसोसिएशन के अब तक के सम्पन्न कार्यक्रमों की जानकारी से अवगत करवाया वहीं अध्यक्ष श्रवण केजडीवाल ने आयव्यय का विवरण प्रस्तुत किया एवं सभी का आभार व्यक्त किया। सभा में आदर्श बाल निकेतन एलुमनी एसोसिएशन की सदस्यता बढाने, संस्था का आयकर में पंजीकरण कराने, संस्था के रजिस्ट्रेशन सहित आदर्श बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विधालय के चहुमुँखी विकास में एलुमनी एसोसिएशन की सक्रिय भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गयी।

देश की आजादी मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व आर्य समाज का बहुत बडा योगदानः बठला

» (एजेंसी)

करनाल। आर्य समाज द्वारा आज श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं ऋषि बोधोत्सव दिवस मनाया गया। इस अवसर हरियाणा के मुख्यमंत्री प्रतिनिधि संजय बठला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी को जन्माष्टमी की बधाई देते उन्होंने अपने सम्बोधन मे कहा कि आज पूरे देश में बहुत धूमधाम से कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जा रहा है. हर साल भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि को कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है। भगवान कृष्ण का जन्म अष्टमी तिथि को हुआ था, इसलिए जन्माष्टमी के निर्धारण में अष्टमी तिथि का बहुत ज्यादा ध्यान रखते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के मनमोहन, केशव, श्याम, गोपाल, कान्हा, श्रीकृष्णा, घनश्याम, बाल मुकुंद, गोपी मनोहर, गोविंद, मुरारी, मुरलीधर समेत और भी कई नाम है आज के दिन श्रीकृष्ण की पूजा करने से संतान प्राप्ति, आयु और समृद्धि की प्राप्ति होती है। उन्होंने इस अवसर पर जानकारी देते हुए कहा कि देश की आजादी मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं आर्य समाज का भी बहुत बडा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि देश को आजाद करवाने मे जिस प्रकार शहीद भगतसिंह, चंद्र शेखर आजाद व अन्य सभी आजादी के शहीदों व क्रातिकारियों का योगदान रहा है उसी प्रकार देश की आजादी मे आर्य समाज और आर एस एस ने भी पीछे रहकर देश की आजादी मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस मौके पर सभा द्वारा संजय बठला को स्मृति चिन्ह देकर एवं शाल भेंट करके सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जगदीश आर्य, आनंद सिंह आर्य, लाजपत आर्य, सत्येंद्र मोहन कुमार,ठाकुर विरेन्द्र सिंह, अनिल आर्य, चंद्र मोहन आर्य, विजय कुमार एवं पार्षद मेघा भंडारी आदि उपस्थित रहे।

स्कूलों ने छोटे बच्चो का हौसला बढ़ाने के लिये कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव राधा कृष्ण प्रतियोगिता का आयोजन इमेज और वीडियो के माध्यम से किया

» (एजेंसी)

जन्माष्टमी उत्सव के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। कोरोना महामारी को देखते हुए इस बार भी जन्माष्टमी डिजिटली मनाई जाएगी। लोग अपने घरों में बैठकर ही इस उत्सव में भाग ले सकते हैं। पूजा और आरती कर सकते हैं। छोटे बच्चे कृष्णजन्म अष्ठमी की प्रतियोगिता की एक महीना पहले तयारी शरू कर देते थे। । बच्चो में उमंग व उत्साह होता था राधा व कृष्ण बनने का। कोई कृष्ण व कोई राधा बनकर स्कूलों में आता और। ईनतजार रहता इनाम मिलने का। । माँ भी अपने बच्चो को तरह तरह की पोशाकों से सजाती थी। वीडियो बनाती थी। मगर आजकल के बच्चे व संयोजक किसी भी खुशी को ढूंढ लेते है। कुछ बचपन स्कूलो ने आज भी बच्चो के होसलो को उड़ान देने के लिये घर से ही बच्चो

की फोटो और वीडियो के माध्यम से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चो ने जो वीडियो और इमेज भेजी है उनको देखते हुये अध्यापकों ने इनाम की घोषणा भी की। कुछ भी हो बच्चे में हौसला की कोई कमी नही थी। बच्चो ने तरह तरह से राधा कृष्ण का डांस किया। वीडियो बनाई व इमेज स्कूलो में भेजी। बचपन स्कूल बहल की एक छोटी बच्ची यशिका जो राधा की मुद्रा में नृत्य कर रही है। उससे बात हुई तब उन्होंने बताया कि पहले जैसा आनंद नही आया फिर भी स्कूल ने फोटो व वीडियो से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चो की माता ने बताया कि काफी दिन बात छोटे बच्चो को प्रतियोगिता का जो आज मौका मिला है हम भी खुश है। उन्होंने जन्म अष्ठमी के बारे में सारांश में बताया कि ।जन्माष्टमी का पर्व 30 अगस्त यानी आज देशभर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण का द्वापर युग में बुधवार के दिन रोहिणी नक्षत्र में भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जन्म लिया था। भगवान कृष्ण तीनों लोकों के तीन गुण सतगुण, रजगुण और तमोगण में से सतगुण विभाग के प्रभारी हैं। आज पूरे भारत मे जन्माष्टमी का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है।

श्रीकृष्णाष्टमी पर गौशाला में जाकर की गऊओं की सेवा

» (एजेंसी)

गुरुग्राम। श्रीकृष्णाष्टमी (जन्माष्टमी) के अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल महिला सम्मेलन की ओर से गौशाला में जाकर जन्माष्टमी मनाई गई। इस अवसर पर महिलाओं ने गऊओं की सेवा की। उन्हें हरा चारा व गुड़ आदि खिलाया। सम्मेलन से जुड़ी महिलाओं ने गऊओं की सेवा के साथ प्रकृति वंदन और मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना भी की। सम्मेलन की महिला महामंत्री आशा गोयल ने कहा कि श्रीकृष्ण जी का गऊओं के साथ अथाह प्रेम था। वे गऊओं को चराते थे। उनकी बांसुरी की धुन सुनकर गायें जितनी भी दूर हो, उनके पास चली आती थी। उन्होंने अपने जीवनकाल में अनेक लीलाएं

दिखाई। हर लीला में उन्होंने समाज को अनेकों संदेश दिये हैं। वहीं महाभारत के युद्ध में उन्होंने अर्जुन को जो गीता का संदेश दिया, वह आज भी प्रासंगिक है। इस संदेश के माध्यम से हमारी अनेक बाधाएं आज भी दूर हो जाती हैं। आशा गोयल ने कहा हमें जीवन में एक बार गीता का अध्ययन जरूर करना चाहिए। क्योंकि गीता जीवन का सार है। वह हमें जीना सिखाती है। जीना सिर्फ इतना ही नहीं कि हमने बहुत कुछ कमा लिया और ऐशो-आराम कर ली। हमें खुद के साथ दूसरों के लिए भी जीना चाहिए। दूसरों के जीवन को सुखी करना चाहिए। एक-दूसरे की सहायता करके ही हम गीता के उद्देश्य को पूरा कर सकते हैं। हमारे भीतर किसी तरह का वैर-भाव और लोभ ना हो। यही हमें गीता सिखाती है। क्योंकि वैर-भाव और लोभ के कारण ही महाभारत हुई और उसका परिणाम हम सब जानते हैं। इस अवसर पर वंदना सिंगला, अर्चना गुप्ता, प्रीति गुप्ता, मेरू जैन, ज्योति गुप्ता, मीनाक्षी जैन और मोनिका गुप्ता आदि भी मौजूद रही। सभी महिलाओं ने गौशाला में गऊओं की सेवा की। गऊओं का आशीर्वाद लिया।

रक्त का कोई विकल्प नहीं, रक्तदान के लिए आगे आए युवा

» (एजेंसी)

लोहारू। रक्त का कोई विकल्प नहीं है तथा इसका किसी भी फैक्टरी में निर्माण नहीं किया जा सकता, ऐसे में युवाओं को रक्तदान के लिए आगे आकर जरूरतमंद का सहयोग करना चाहिए। यह बात समाजसेवी मिंटू मोड़सिया ने गांव सोरड़ा जदीद के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में जीवन एक वरदान फाउंडेशन व कार्ड द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए कही। उन्हांने कहा कि रक्तदान से बढकर कोई दान व पुण्य का कार्य नहीं है, दान किया गया रक्त आपात स्थिति में जरूरतमंद के लिए संजीवनी का कार्य करता है। इस दौरान सेवानिवृत्त खंड शिक्षा

अधिकारी कर्ण सिंह श्योराण ने कहा कि रक्त दाता मरीज के लिए किसी देवतुल्य इंसान से कम नहीं है जो मानवता व इंसानियत को महत्व देते हुए बिना किसी रिश्ते के लोगों की जान बचाने के लिए रक्तदान करता है। उन्होंने रक्तदान के लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया। आयोजक संस्था के कुलदीप बोदलिया, सुनील पहाड़ी, अनिल पुनिया व सुनील बरालु ने बताया कि रक्तदान शिविरों का आयोजन निरंतर होते रहना चाहिए। शिविर में मुख्य अतिथि ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर हौसला अफजाई की। रक्तकोष भिवानी की टीम द्वारा डा. अजय के नेतृत्व में 45 यूनिट रक्त एकत्रित किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष कुलदीप बोदलिया ने बताया कि रक्तदान से मानसिक व आत्मिक संतुष्टि का अनुभव होता है तथा युवाओं को रक्तदान के माध्यम से समाजसेवा के कार्य में भागीदारी करनी चाहिए। इस दौरान देवेंद्र संगवान, महावीर नबरदार, राजपाल बोदलिया, संदीप पुनिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

भट्ट समाज के प्रतिनिधि मंडल ने की डिप्टी सीएम से मुलाकात

» (एजेंसी)

सिवानी मंडी। भट्ट समाज के प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को चंडीगढ़ में प्रदेश के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला से मुलाकात की ओर नारनौद नगर पालिका में रामकुमार भट्ट को मनोनीत पार्षद नियुक्त किए जाने पर डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का आभार प्रकट किया है। प्रति निधि का नेतृत्व सुभाष भट्ट सिवानी ने किया। प्रति निधि मंडल ने डिप्टी सीएम को गुलदस्ता भेंट किया और मिठाई खिलाई। जानकारी के अनुसार हाल ही में प्रदेश सरकार ने नगर पालिकाओं में अपने पार्षद मनोनीत किए हैं जिसमें नारनौद नगर पालिका में भट्ट समाज के रामकुमार भट्ट को मनोनीत पार्षद नियुक्त किया गया है। रामकुमार भट्ट

समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं और वर्तमान में नारनौद हल्का से जजपा के शहरी प्रधान भी हैं। इस मुलाकात के दौरान रामकुमार भट्ट ने डिप्टी सीएम दुष्यन्त चौटाला को भट्ट समाज के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों का परिचय कराया। इस मौके पर राम अवतार बेरिया,रामफल भट्ट, सुरेश भट्ट,रामफल भेण्णी, राजेंद्र भट्ट,कृष्ण रोहिला,सोनू बेरिया व सुरेश ठेकेदार मौजूद रहे।

गोगानवमी विशेषः सांप्रदायिक सद्भावना के लोकदेवता है गोगाजी

» (एजेंसी)

लोहारू। राष्ट्रीय एकता व सांप्रदायिक सद्भावना का प्रतीक राजस्थान में गोगाजी की समाधि स्थल पर लगने वाला राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मेला अबकि बार भी कोरोना संक्रमण की संभावित तीसरी लहर के चलते नहीं लग पाया परन्तु इसके बावजूद भी श्रद्धालुओं का आवागमन जारी है तथा मन्दिर बन्द होने के बाद भी श्रद्धालु मन्दिर के बाहर से ही धोक लगाकर वापस आ रहे है। देखा जाए तो यह मेला देशभर के लाखों लोगों की धार्मिक आस्था का केंद्र रहा है तथा भादव माह में लगने वाले इस मेले को लेकर हरियाणा, यूपी, राजस्थान, बिहार, दिल्ली, पंजाब सहित देश के हर कोने में उत्साह रहता है परंतु अबकि बार मेला आयोजित नहीं होने से श्रद्धालुओं में निराशा है। मध्यकालीन महापुरूष गोगाजी हिंदू, मुस्लिम, सिख संप्रदायों की सहानुभूति व श्रद्धा अर्जित कर एक धर्मनिरपेक्ष लोकदेवता के नाम से पीर के रूप में प्रसिद्ध हुए। गोगाजी का जन्म राजस्थान के ददरेवा चुरू में चौहान वंश के राजपूत शासक जैबर की पत्न ी बाछल के गर्भ से गुरू गोरखनाथ के वरदान से भादोसुदी नवमी को हुआ था। एक कीवंदती के अनुसार गोगाजी का मां बाछल देवी निःसंतान थी। संतान प्राप्ति के सभी यत्न करने के बाद भी जब संतान सुख नही मिला तो संयोग से गुरू गोरखनाथ गोगामेड़ी के टीले पर तपस्या कर रहे थे। बाछल देवी उनकी शरण मे गई तथा गुरू गोरखनाथ ने उन्हे पुत्रप्राप्ति के वरदान दे दिया और कहा कि वे अपनी तपस्या पूरी होने पर ददरेवा आकर प्रसाद देंगे जिसे ग्रहण करने पर उन्हे संतान की प्राप्ति होगी। तपस्या पूरी होने पर गुरू गोरखनाथ

बाछल देवी के महल पहुंचे। उन दिनों बाछल देवी की सगी बहन काछल देवी अपनी बहन के पास आई हुई थी। गुरू गोरखनाथ से काछल देवी ने प्रसाद ग्रहण कर लिया और दो दाने अनभिज्ञता से प्रसाद के रूप में खा गई, परिणामस्वरूप काछल देवी गर्भवती हो गई। बाछल देवी को जब यह पता चला तो वह पुनः गोरखनाथ की शरण मे गई। गुरू बोले, देवी! मेरा आशीर्वाद खाली नही जायेगा तुम्हे पुत्ररत्न की प्राप्ति अवश्य होगी। गुरू गोरखनाथ ने चमत्कार से एक गुगल नामक फल प्रसाद के रूप मे दिया। प्रसाद खाकर बाछल देवी भी गर्भवती हो गई। भादो माह की नवमी को इस प्रकार से गोगाजी का जन्म हुआ। गुगल फल के नाम से इनका नाम गोगाजी पडा। चौहान वंश में राजा पृथ्वीराज के बाद गोगाजी वीर और ख्याति प्राप्त राजा थे। गोगाजी का राज्य सतलुज से हांसी (हरियाणा) तक था। गोगामेडी में गोगाजी का मंदिर एक ऊंचे टीले पर मस्जिदनुमा बना हुआ है, इसकी मीनारें मुस्लिम स्थापत्य कला का बोध कराती है। मुख्य द्वार पर बिस्मिला अंकित है। मंदिर के मध्य में गोगाजी का मजार (कब्र) है। गोगाजी के मंदिर का निर्माण बादशाह फिरोजशाह तुगलक ने कराया था। संवत 362 में फिरोजशाह तुगलक हिसार होते हुए सिंध प्रदेश को विजयी करने जाते समय गोगामेडी में ठहरा था। रात के समय बादशाह तुगलक व उसकी सेना ने एक चमत्कारी दृश्य देखा कि मशालें लिए घोडों पर सेना आ रहीं है। तुगलक की सेना में हाहाकार मच गया। तुगलक की सेना के साथ आए धार्मिक विद्वानोंने बताया कि यहां कोई महान हस्ती सोई हुई है, वो प्रकट होना चाहती है। फिरोज तुगलक ने लडाई के बाद लौटते समय गोगामेडी में मस्जिदनुमा मन्दिर का निर्माण करवाया और पक्की मजार बन गई। तत्पश्चात मंदिर का जीर्णोद्वार बीकानेर के महाराज काल में 1887 व 1943 में करवाया गया। गोगाजी का यह मंदिर आज हिन्दू, मुस्लिम, सिख व ईसाईयों में समान रूप से श्रद्घा का केंद्र है। सभी धर्मो के भक्तगण यहां गोगा मजार के दर्शनों हेतु भादव मास में उमड़ पडते है। राजस्थान का यह गोगामेडी नाम का छोटा सा गांव भादव मास में एक नगर का रूप ले लेता है और लोगों का अथाह समुंद्र बन जाता है। गोगा भक्त पीलें वस्त्र धारण करके अनेक प्रदेशों से यहां आते है। सर्वाधिक संख्या उतर प्रदेश व बिहार के भक्तों की होती है। नर-नारियां व बच्चे पीले वस्त्र धारण करके विभिन्न साधनों से गोगामेड़ी पहुंचते है। स्थानीय भाषा में इन्हें पूरवीयें कहते है। भक्तजन अपने-अपने निशान गोगाछड़ी लेकर नाचते-गाते ढ़प व डमरू के साथ एक सांप लिए आते है। गोगा को सापों के देवता के रूप में भी माना जाता है। हर धर्म व वर्ग के लोग गोगाजी की छाया चढ़ाकर नृत्य की मुद्रा में सांकल खाते व पदयात्रा करते तथा गोरखनाथ टीले से लेटते हुए गोगाजी के समाधि स्थल तक पहुंचते है। गोगामेड़ी साम्प्रदायिक सदभाव व राष्ट्र की अनेकता में एकता की अनूठी मिशाल है।

जेल में जन्माष्टमी : मंत्री मिश्रा ने किया ऐलान

सजायाफ्ता कैदियों को सजा में मिलेगी 30 दिन की छूट

भोपाल, (एजेंसी)। पूरे देश के साथ-साथ सोमवार को जेलों में भी जन्माष्टमी मनाई गई। चूंकि भगवान कृष्ण का जन्म जेल में हुआ था, इसलिए जेलों में भी जन्माष्टमी पर्व मनाने की प्रथा है। इस मौके पर राजधानी भोपाल की सेंट्रल जेल में आयोजित जन्माष्टमी समारोह में प्रदेश के गृह एवं जेल मंत्री नरोत्तम मिश्रा भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ऐलान किया कि प्रदेश की जेलों में बंद सजायाफ्ता कैदियों की सजा में 30 दिन की छूट दी जाएगी।

इसके साथ ही श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर जेल में हर साल फलाहार और भोजन की व्यवस्था की जाएगी। सेंट्रल जेल में बंद पड़ी कैंटीन जल्दी ही चालू कर दी जाएगी। यहां उपवास रखने की सामग्री रखी जाएगी, जिनका उपवास नहीं उनके लिए पकवान की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में भोपाल सांसद प्रज्ञा ठाकुर, मंत्री विश्वास सारंग भी मौजूद थे। सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने ही कैदियों के लिए फलाहार और भोजन की व्यवस्था और कैंटीन चालू करने की मांग की थी।

जेल में लगेंगे वॉटर कूलर : सेंट्रल जेल में हुए कार्यक्रम में सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा कि सांसद निधि से जेल में वॉटर कूलर लगाए जाएंगे। पुरुष और महिला वार्ड में जितने कैदी हैं, उनकी संख्या के हिसाब से वॉटर कूलर लगाए जाएंगे।

जेल में रह चुके हैं नरोत्तम मिश्रा: जेल में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मैं राजनीतिक कारण से किसी न किसी रूप में जेल में रहा हूं। इसलिए मैं जेलों के बारे में थोड़ा बहुत जानता हूं। जो जेल में आ जाता है जिसे सजा हो जाती है, उसमें काफी छटपटाहट रहती है। अज्ञात आशंकाओं में झूलता रहता है, वो किसी भी तरह बाहर जाना चाहता है।

5000 कैदियों को पैरोल: नरोत्तम मिश्रा ने यह भी कहा कि 10000 कैदियों की जमानत के लिए प्रस्ताव सरकार को भेजा है। 5000 कैदियों को पैरोल दिया जाएगा।

इंदौर में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश में शामिल आरोपी के तार पाकिस्तान से जुड़े : नरोत्तम

भोपाल, (प्रसं)। गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि इंदौर में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश में शामिल आरोपी के तार पाकिस्तान से जुड़े होने के सबूत मिले हैं। डॉ. मिश्रा ने सोमवार को ट्वीट के माध्यम से कहा कि इंदौर में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश में शामिल और असादुदीन ओवैसी की पार्टी से जुड़े आरोपी अल्तमस खान के तार पाकिस्तान से जुड़े होने के भी सबूत मिले हैं। उन्होंने कहा कि अल्तमस के पास से पुलिस को कई तरह की आपत्तिजनक सामग्री मिली हैं, जिससे प्रदेश की शांति व्यवस्था को खतरा था।

ऑपरेशन मुस्कान में भोपाल नंबर 1, अभी तक ढूंढ निकाले 118 बच्चे

भोपाल, (एजेंसी)। मप्र पुलिस के बड़े ऑपरेशन में से एक मुस्कान ऑपरेशन में भोपाल नंबर 1 है। भोपाल पुलिस ने 118 बच्चों को ढूंढने में कामयाबी हासिल की है। ऑपरेशन मुस्कान सभी जिलों में चलाया गया था, जिनकी रिपोर्ट सामने आ गई है। भोपाल के बाद इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर सहित दूसरे जिलों का नंबर आता है। सीआईडी की रिपोर्ट में सामने आया है कि भोपाल की पुलिस ने गुम हुए 118 बच्चों को ढूंढने में सफलता हासिल की है। यह आंकड़ा सबसे अधिक है। ऑपरेशन मुस्कान के तहत साल 2009 से 2021 तक गुम बच्चों को ढूंढा गया। एडीशनल एसपी राजेश सिंह भदौरिया ने बताया कि इसके तहत और मेहनत की जाएगी, ताकि, लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाई जा सके।

दूसरे राज्यों से भी वापस लाये जा रहे बच्चे: भदौरिया ने बताया कि भोपाल में लापता बच्चों को ढूंढने में पुलिस की एक अलग टीम काम कर रही है। यह टीम थाना स्तर पर बनाई है। रोज इसकी मॉनिटरिंग और समीक्षा की जाती है, यही कारण है कि लगातार मॉनिटरिंग और सुपरविजन की वजह से शहर से लापता हुए बच्चों को प्रदेश ही नहीं, बल्कि दूसरे राज्यों से भी वापस उनके परिजन तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

भाजयुमो के प्रदेश पदाधिकारी घोषित

विधायक राम डांगोरे को बनाया महामंत्री, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष एवं पार्षद को किया शामिल

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों की घोषणा कर दी गई। जिसमें विधायक के अलावा युवा मोर्चा के चार जिलाध्यक्षों को भी प्रमोट किया गया है। वही एक पार्षद को भी स्थान दिया गया है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार ने सोमवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सासंद विष्णुदत्त शर्मा की सहमति से पदाधिकारियों के नाम की घोषणा कर दी। जिसमें

प्रदेश उपाध्यक्ष: गंगा पाण्डेय इंदौर, विवेक चौहान ग्वालियर(जिलाध्यक्ष भाजयुमो),शिवम तिवारी जबलपुर, पूजा देवी सिंह कटनी(जिला पंचायत सदस्य), रंजीत चौहान सीहोर, राम पटेल दमोह, आकाश शर्मा शिवपुरी(पार्षद)। **प्रदेश महामंत्री:** राम डांगोरे खंडवा(विधायक), राहुल तिवारी टीकमगढ़(जिलाध्यक्ष भाजयुमो)। **प्रदेश मंत्री :** कुलदीप राठौर भोपाल ग्रामीण, दीपक बैरागी देवास, हरीश यादव ग्वालियर, सुमेन्द्र गौड इंदौर, अमय आप्टे उज्जैन (जिलाध्यक्ष भाजयुमो), प्रांशु राणे होशंगाबाद(जिलाध्यक्ष भाजयुमो), शेलेन्द्र सिंह रघुवंशी गुना। **कोषाध्यक्ष:**जयंतराव गरूण उज्जैन। **सह कोषाध्यक्ष:** विवेक सिंह सीधी। **कार्यालय मंत्री:** विवेक शर्मा भोपाल। **सह कार्यालय मंत्री:** देव राजौरिया भोपाल, उमाशंकर राजपूत भोपाल। **मीडिया प्रभारी:** अंकित गर्ग। **मीडिया सह प्रभारी:** सुनील साहू , अभिनव पाण्डेय भोपाल। **सोशल मीडिया/ आईटी प्रभारी:** अंकित आर्य बैतूल। **सोशल मीडिया/आईटी सह प्रभारी:** ज्ञानेन्द्र शुक्ला उमरिया,प्रखर दवे इंदौर, राहुल दुबे ग्वालियर। **पॉलिसी एण्ड रिसर्च प्रभारी:** शुभम वर्मा। **पॉलिसी एण्ड रिसर्च सह प्रभारी:** शोभित शर्मा भोपाल को बनाया गया है।

विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ जनजाति पंचायत मुख्यमंत्री निवास पर आज

मुख्यमंत्री शिवराज की पहल पर पुनः शुरू हुआ पंचायतों का आयोजन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 31 अगस्त विमुक्त जाति दिवस पर विमुक्त घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ जनजाति की विशेष पंचायत आयोजित की जाएगी। पंचायत मुख्यमंत्री निवास पर प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होंगी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ जनजाति कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रामखेलावन पटेल भी उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद स्थापित कर उनके विचारों और सुझावों के आधार पर कल्याणकारी कार्यक्रम और योजनाओं का निर्माण और क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रारंभ की है। इसका मुख्य उददेश्य संबंधित वर्ग को अधिकाधिक लाभ मुहैया कराते हुए विकास की मुख्य धारा से जोड़ना है। इसी क्रम में विभिन्न वर्गों की पंचायत का आयोजन पुनः शुरू कर विमुक्त, घुमक्कड़ और अर्धघुमक्कड़ वर्ग की पंचायत आयोजित की जा रही है।

प्रदेश सरकार जनजातियों के विकास के लिए संकल्पबद्ध

मुख्यमंत्री श्री चौहान का मानना है कि देश में अनेक जातियां विकास की प्रक्रिया से दूर रहने के कारण मुख्य धारा से नहीं जुड़ सकी थीं। इन्हें समग्र समाज के साथ जोड़ने और उनकी आर्थिक समृद्धि के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों पर और अधिक जोर दिये जाने की आवश्यकता है। जनजातियां मध्यप्रदेश की पहचान भी हैं। मध्यप्रदेश सरकार इन जनजातियों के विकास के लिए संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री श्री चौहान इन जनजातियों के प्रदेशभर से आने वाले प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे।

पूर्व में आयोजित की जा चुकी हो विभिन्न वर्गों की पंचायत

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा पूर्व में महिला, किसान, विद्यार्थी, व्यापारी खिलाड़ी और अन्य वर्गों के हित में विभिन्न पंचायतों का आयोजन पूर्व कार्यकाल में किया गया है। इन पंचायतों में हुए विचार-विमर्श के आधार पर योजनाओं के प्रावधानों को संशोधित किया गया, जिससे इन वर्गों के लोगों को बेहतर ढंग से कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ मिल सके।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने किया विक्रम विश्वविद्यालय के 130 नवीन पाठ्यक्रमों का शुभारंभ

श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जयिनी में आकर गौरव का अनुभव कर रहा मन

सभी मिलकर सार्थक प्रयास करें, भारत पुनः विश्वगुरु कहलाएगा

भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विक्रम कीर्ति मंदिर में विक्रम विश्वविद्यालय के 130 नवीन पाठ्यक्रमों का शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक साथ 130 से अधिक नए पाठ्यक्रम शुरू होने जा रहे हैं। इन्हें मिलाकर अब 180 पाठ्यक्रम हो जाएंगे। नए पाठ्यक्रम युवाओं को भविष्य में नवीन ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। नवीन पाठ्यक्रम युवाओं को एक ही विषय में बंधे रहने से मुक्त कराएगा और आगे बढ़ने में मदद कर आत्म-निर्भर बनाएगा। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय को संस्कृत भाषा को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। हम सब प्रयास करें कि भारत पुनः विश्वगुरू कहलाए।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में नवीन पाठ्यक्रमों के शुभारंभ मौके पर प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने सभी लोगों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जयिनी रही है। उज्जयिनी की पावन एवं पवित्र नगरी में आने से मेरा मन गर्व का अनुभव कर रहा है। उज्जयिनी नगरी प्राचीनकाल से ही पवित्र नगरी रही है। यहां के लोगों का सौभाग्य है कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने यहां गुरू सान्दीपनि के आश्रम में रहकर शिक्षा ग्रहण की। उस समय राज परिवार एवं सामान्य बालक सब एक साथ गुरूकुल में शिक्षा ग्रहण करते थे। भगवान श्रीकृष्ण एवं सुदामा ने साथ ही गुरू सान्दीपनि के आचार्यत्व में शिक्षा ग्रहण की। भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध में अर्जुन को कर्तव्य पालन की सीख दी।

गुड़ी पड़वा पर दीक्षांत समारोह आयोजित किए जाएंगे

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू की है। शिक्षा नीति में कोई भी विद्यार्थी एक विषय लेकर कुछ समय पश्चात दूसरे विषय में भी प्रवेश ले सकता है। उन्होंने कहा कि आज अवकाश का दिन नहीं है, अपितु आज कार्य करने का एवं ऊर्जा का दिन है। नवीन पाठ्यक्रम जन्माष्टमी पर्व पर शुरू करने से अच्छा अवसर कुछ नहीं है। अब गुड़ी पड़वा पर विद्यार्थियों को डिग्री देने की परंपरा का पालन किया जाएगा। गुड़ी पड़वा पर दीक्षांत समारोह आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने पूरे विश्व के विद्यार्थियों को विक्रम विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया।

नए पाठ्यक्रमों में कृषि भी जोड़ा गया: सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि उच्च शिक्षा मंत्री के प्रयासों से आज 130 नवीन पाठ्यक्रमों का शुभारंभ राज्यपाल द्वारा किया जा रहा है। इन नवीन पाठ्यक्रमों में एक पाठ्यक्रम कृषि को भी जोड़ा गया है। मालवा लंबे समय से कृषि प्रधान क्षेत्र है और कृषि को नवीन पाठ्यक्रम से जोड़ने से युवा कृषि की ओर आकर्षित होंगे।

राज्यपाल श्री पटेल को किया गया प्रतीक चिन्ह भेंट : राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कार्यक्रम से पूर्व सम्राट विक्रमादित्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। नृत्य-संगीत के कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य कर राज्यपाल का स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल को प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय ने विश्वविद्यालय की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। संचालन प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा एवं आभार प्रदर्शन कुलसचिव डॉ. प्रशांत पौराणिक ने किया।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद: समारोह में पाणिनी संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति विजय कुमार, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, विश्वविद्यालय विनायम आयोग के सदस्य, ओम जैन, संभागायुक्त संदीप यादव, एडीजी योगेश देशमुख, कलेक्टर आशीष सिंह, पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार शुक्ला, प्राध्यापक, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

राज्यपाल ने किए श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन

भोपाल, (प्रसं)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सोमवार को उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन कर पूजन-अर्चन की और आरती में शामिल हुए। पूजन-अभिषेक मंदिर के पुजारी पं. संजय शर्मा एवं पं. प्रमोद शर्मा द्वारा संपन्न करवाया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा राज्यपाल का स्वागत कर स्मृति-चिन्ह भेंट किया। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, उज्जैन उत्तर विधायक पारस जैन एवं मंदिर प्रबंध समिति की सहायक प्रशासक पूर्णिमा सिंघी, मूलचंद जूनवाल, प्रतीक द्विवेदी व अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

सांदीपनि आश्रम में दर्शन किए : राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उज्जैन में महर्षि सांदीपनि आश्रम में श्री कृष्ण पाठशाला में उनके गुरु महर्षि सांदीपनि व्यास और भगवान श्री कृष्ण, सुदामा और बलराम के दर्शन कर पूजन-अर्चन की। पूजन-अर्चन आश्रम के पं. रूपम व्यास, पं. राजू गुरु चोटीवाला और पं. राहुल व्यास द्वारा संपन्न कराया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने सांदीपनि आश्रम में स्थित श्री कुंडेश्वर महादेव और श्री सर्वेश्वर महादेव के भी दर्शन किए। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री शिवराज से केंद्रीय मंत्री तोमर ने की भेंट

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सोमवार को निवास पर केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भेंट की। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर भोपाल प्रवास पर है।

प्रदेश में नगरीय निकायों के विभिन्न करों के अधिभार में छूट का आज अंतिम दिन

भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि वैश्विक महामारी कोरोना में रोजगार-धंधे सहित अन्य क्षेत्रों में आयी गिरावट के कारण नागरिकों को नगरीय निकायों के विभिन्न करों के अधिभार में छूट देने का निर्णय गत 3 जून को लिया गया था। इस छूट का लाभ 31 अगस्त 2021 तक मिलेगा। श्री श्रीवास्तव ने नागरिकों से आग्रह किया है कि 31 अगस्त तक लंबित करों का भुगतान कर इस छूट का लाभ जरूर लें।

नागरिक कर/ उपभोक्ता प्रभार/ किराया / भू भाटक, बेबसाइट mpenagarpalika.gov.in अथवा uPI जैसे Phone Pay, PayTM, Google pay से आनलाइन अथवा नगरीय निकाय कार्यालय में जमा कर सकते हैं। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा संबंधित करदाताओं को मैसेज भी भेजे गए हैं, जिसके लिंक पर जाकर भी भुगतान किया जा सकता है। संपत्ति कर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रुपए तक बकाया होगी, उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी। संपत्ति-कर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि एक लाख रुपए तक बकाया होगी, उनमें अधिभार में 50 प्रतिशत और संपत्ति-कर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि एक लाख रुपए से अधिक बकाया होगी, उनमें मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

बिजली संकट एवं मनमाने बिल को लेकर पीसीसी चीफ कमलनाथ ने दी चेतावनी, कांग्रेस करेगी आंदोलन

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में बिजली की समस्या को लेकर पीसीसी चीफ एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सरकार को प्रदेश व्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है।

श्री नाथ ने अपने ट्वीट में कहा है कि मध्यप्रदेश में बिजली का संकट दिन- प्रतिदिन गहराता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों व कृषि क्षेत्रों में स्थिति बेहद खराब होती जा रही है,कई-कई घंटों की अघोषित कटौती की जा रही है। कोयले की कमी के कारण उत्पादन भी प्रभावित हो रहा है, कई ताप विद्युत परियोजनाएं बंद होने की कगार पर हैं। मांग और आपूर्ति में बड़ा अंतर सामने आ रहा है, सरकार इन सब मामलों से बेखबर बनी हुई है। हमारी सरकार के समय हमने प्रदेश में कभी बिजली संकट की स्थिति सामने नहीं आने दी और सस्ती दर पर उपभोक्ताओं को बिजली भी उपलब्ध कराई। वहीं आज भाजपा सरकार में जनता बिजली संकट और मनमाने बिजली बिलों से परेशान हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि प्रदेश की जनता को इस बिजली संकट व मनमाने बिजली बिलों से मुक्ति दिलाए अन्यथा कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी, इस मुद्दे पर हम प्रदेश व्यापी आंदोलन करेंगे।

निजी सप्लायर्स की सांठगांठ से मध्यप्रदेश अंधेरे में : भूपेंद्र गुप्ता

भोपाल(रासं)। सरकार ने प्रदेश को अंधेरे युग में ढकेल दिया है। सरकार द्वारा शासकीय विद्युत उत्पादन इकाइयों को बंद किया जा रहा है और निजी क्षेत्र की कंपनियों से महंगे दामों पर बिजली खरीदी जा रही है। 4 साल पहले जो सरकार सर प्लस बिजली होने के नकली दावे कर रही थी। वही आज अघोषित कटौती कर रही है। यह बात प्रदेश कांग्रेस के मीडिया उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने कही है। गुप्ता ने कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि मप्र में सर प्लस पावर होने के बावजूद पावर कट क्यों किया जा रहा है, महंगी बिजली खरीदकर सस्ते दामों पर पावर सरेंडर क्यों किया जा रहा है। रविवार को ही पावर मेनैजमेंट कंपनी ने 1363 मेगा वाट की अघोषित लोड शैडिंग की है, जबकि उसके एक दिन पूर्व 1708 मेगा वाट की लोड शैडिंग की गई थी। विद्युत विभाग के एसीएस द्वारा कोई लोड सेडिंग न करने का बयान भ्रामक है। 2 से 3 घंटे की अघोषित और अनियमित लोड शैडिंग लगातार की जा रही है । गुप्ता ने मांग की कि सरकार को यह बताना चाहिए की उपभोक्ता की पीक डिमांड मात्र 9097 मेगा वाट होने के बावजूद इतनी भारी लोड शैडिंग क्यों की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने स्वर्ण और रजत पदक विजेता खिलाड़ियों को दी बधाई

खिलाड़ियों ने बढ़ाया प्रदेश का गौरव

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टोक्यो पैरा ओलिंपिक में भारत को स्वर्ण और रजत पदक दिलवाने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से पदक प्राप्त कर भारत का गौरव बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि पैरा ओलिंपिक में सोमवार को भारत को 2 पदक मिले हैं, जिसमें भारत को मिला पहला गोल्ड पदक शामिल है। अवनि लखेरा ने 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में पहला स्थान प्राप्त कर गोल्ड मैडल जीता। इसी तरह योगेश कठुनिया को डिस्कस थ्रो (चक्का फेंक) में सिल्वर पदक मिला है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विजेताओं को बधाई दी है। पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 वर्ग में भारत के निषाद कुमार ने रजत पदक जीता। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में देव झांझारिया ने रजत और सुंदर एस गुर्जर ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

सीएम शिवराज ने दी स्वर्ण पदक विजेता अंतिल को बधाई

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सोमवार को पैरा ओलंपिक में भारत के लिए उपलब्धियों भरा दिन है। जहां अन्य खेलों में भारत को स्वर्ण और रजत 29 एवं 30 अगस्त को हुए विभिन्न मुकाबलों में प्राप्त हुए हैं। वहीं सोमवार की शाम सुमित अंतिल ने एथलीट में भारत के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। यह देशवासियों के लिए हर्ष का विषय है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अंतिल द्वारा स्वर्ण पदक हासिल करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मध्य प्रदेश के नागरिकों की ओर से प्रतिभाशाली खिलाड़ी को बधाई दी है।

ग्रामीण महिलाओं के लिए वरदान बना जल जीवन मिशन

प्रदेश के 3193 ग्रामों के हर घर में सरल, सुगम और शुद्ध पेयजल

भोपाल (एजेंसी)। जल प्रत्येक जीवन की जरूरी जरूरत है और जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। देश के ग्रामीण अंचल में जल प्राप्ति के साधन के रूप में नदी, तालाब, कुंआ और बाबड़ी ही रहे हैं। हमेशा यही देखा गया कि ग्रामीण माताओं-बहनों को इन पेयजल स्त्रोतों से जल लाकर परिवार की जरूरत पूरी करना पड़ती थी। धीरे-धीरे हैंडपंप और ट्यूबबेल का प्रचलन बड़ा, इससे हमारी आधी-आबादी (महिला वर्ग) के परिश्रम में कुछ कमी तो आई, लेकिन उन्हें पेयजल की कठिनाई और समस्या से पूरी तरह मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी दूरी से सिर पर पानी से भरे बर्तन लेकर आती महिलाओं की दशा और पेयजल संकट को दर्शाती खबरें तथा फोटो हम सबने विभिन्न प्रचार माध्यमों में अनेकों बार पढ़े और देखे हैं। अब जल जीवन मिशन किस तरह ग्रामीण आबादी को नल से जल देकर उनके जीवन में बदलाब ला रहा है यह भी सच हम देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रामीण आबादी और खासकर यहां के महिला वर्ग को पेयजल के लिए उठानी पड़ रही कठिनाई की निरंतर चिंता की। इस समस्या से निदान के उपाय के लिए उनके चिंतन से ही राष्ट्रीय जल जीवन मिशन प्रारंभ हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 15 अगस्त 2019 को इस मिशन की घोषणा की। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने जल जीवन मिशन की गाइड-लाइन जारी की और केंद्र तथा राज्य के समान व्यय अंश पर मिशन में कार्य प्रारंभ हुए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मिशन की खूबियां जानीं

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मिशन की खूबियों को जाना और ग्रामीण अंचल की माता-बहनों की नीर के लिए पीर को हमेशा के लिए दूर करने के उद्देश्य से प्रदेश में मिशन अंतर्गत कार्य करने के निर्देश दिए। प्रदेश में जून 2020 से गांव के हर घर में नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने का सिलसिला प्रारंभ हुआ। अब सभी जिलों की ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन से जल मुहैय्या करवाने के कार्य तेजगति से चल रहे हैं। बदलाव के साक्ष्य के रूप में मिशन में 40 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से निरंतर जल प्रदाय हो रहा है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य-मंत्री हर हफ्ते करते हैं समीक्षा

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य-मंत्री बृजेन्द्र सिंह यादव मिशन के संचालन की प्रति सप्ताह समीक्षा करते हैं। श्री यादव का मानना है कि धरातल पर उतरी योजनाओं के लाभ से ही जन-विश्वास कायम होता है। जब आमजन की मानसिकता यह बने कि सरकार उसकी अपनी है, तब ही माना जाय कि माप की कसौटी पर सरकार खरी उतरी है। राज्य-मंत्री श्री यादव द्वारा जल जीवन मिशन की मार्गदर्शिका के अनुरूप कार्य प्रबंधन कार्यान्वयन सहायता, तृतीय पक्ष मूल्यांकन और कौशल विकास एजेंसी से प्रत्यक्ष (वन-टू-वन) संवाद किया गया। इस व्यवस्था से मिशन के कार्य गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा में हो रहे हैं।

स्कूल एवं आंगनबाड़ियों में भी दिए जा रहे हैं नल कनेक्शन

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीण आबादी के घरों में नल से जल देने की व्यवस्था सहित स्कूल एवं आंगनबाड़ियों में भी पेयजल के लिए नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। लक्ष्य, प्रत्येक ग्रामीण परिवार, आंगनबाड़ी और स्कूल में गुणवत्तापूर्ण और पर्याप्त जल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाना है। जल जीवन मिशन में प्रदेश के 3193 ग्रामों के प्रत्येक घर में नल कनेक्शन से प्रतिदिन जल दिए जाने की सुचारू व्यवस्था हो चुकी है। इसी कड़ी में प्रदेश की 24 हजार आंगनबाड़ियों और 41 हजार स्कूलों में बेहतर ढंग से पेयजल की व्यवस्था की जा चुकी है। शेष रहे ग्रामीण परिवारों सहित आंगनबाड़ियों और स्कूलों में भी नल से जलापूर्ति के कार्य निरंतर जारी हैं।

प्रयोगशालाओं की मान्यता प्राप्त करने में मध्यप्रदेश अव्वल: जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय परीक्षण और अशंशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड से मान्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश हैं कि सभी राज्य अपनी जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए निर्धारित अन्तराल में प्रत्यायन बोर्ड से प्रमाण-पत्र प्राप्त करें, ताकि इस सेवा की उच्च गुणवत्ता के प्रति विश्वसनीयता बनी रहे। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की राज्य और जिला स्तरीय 51 प्रयोगशालाओं को प्रत्यायन बोर्ड द्वारा मान्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए हैं। देश की विभिन्न जल परीक्षण प्रयोगशालाओं की मान्यता प्राप्त करने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश अव्वल एवं 30 प्रयोगशालाओं के मान्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाला महाराष्ट्र राज्य दूसरे स्थान पर है।

राकेश बापट ने शमिता शेट्टी को किया किस, एक्ट्रेस बोलीं- कितना क्यूट लग रहा है ना

नई दिल्ली, एजेंसी। बिग बॉस ओटीटी कंटेस्टेंट शमिता शेट्टी और राकेश बापट की केमिस्ट्री फैन्स के बीच अटकलों को हवा दे रही है, और अब तो लगता है ये दोनों भी इसे रोकने के मूड में नहीं है। हाल ही में रीलीज हुए एक प्रोमो वीडियो में फैन्स को उनके बीच का रोमांस भी देखने को मिला। शमिता को वीडियो में खाना खाते हुए देखा गया और राकेश को माइक्रोवेव में कुछ खाना गर्म करते हुए। उसी समय शमिता ने राकेश से कहा, 'उसको पुरा गरम मत करना, नहीं तो वो हार्ड हो जाएगा।' फिर राकेश ने उनसे पूछा, 'और कुछ?' शमिती ने एक सेकंड के लिए उन्हें खाली देखा, और कहा, 'आपको कोई समस्या है? मैं यह नहीं करूंगी।' तो राकेश ने जवाब में कहा कि उन्हें कोई समस्या नहीं है, और वो बस पूछ रहे थे कि क्या उनके पास कहने के लिए और कुछ है। मुस्कान के साथ, शमिता ने कहा, 'यहां आओ और मुझे एक किस दो तुरंत।' इसे देख कर नेहा भसीन ने कहा, 'बहुत प्यारा।' 'सिर्फ इसलिए कि वो क्यूट लग रहा है ना..' यह कहकर शमिता फिर से अपना खाना खाने लगीं।

अमिताभ बच्चन से लेकर कंगना रनोट तक, सितारों ने फैंस को इस अंदाज में दी कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई

देशभर में सोमवार (30 अगस्त) को कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जा रहा है। हिंदू पौराणिक कथाओं में ऐसा माना जाता है कि जन्माष्टमी के दिन भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। इसलिए यह भगवान कृष्ण के भक्तों के लिए बहुत खास और शुभ दिन होता है।

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में सोमवार (30 अगस्त) को कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जा रहा है। हिंदू पौराणिक कथाओं में ऐसा माना जाता है कि जन्माष्टमी के दिन भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। इसलिए, यह भगवान कृष्ण के भक्तों के लिए बहुत खास और शुभ दिन होता है। लोग इस दिन भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण की पूजा करते हैं। कृष्ण जन्माष्टमी के इस खास मौके पर देश की कई बड़ी हस्तियों अपने चाहने वालों को शुभकामानएं दी रही हैं। इनमें फिल्मी सितारे भी शामिल हैं। बॉलीवुड के कई सितारों ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस और चाहने वालों को कृष्ण जन्माष्टमी के शुभकामनाएं दी हैं। बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर फैंस को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'जन्माष्टमी की अनेक अनेक शुभकामनाएं।' अभिनेत्री कंगना रनोट ने अपने कू अकाउंट के जरिए फैंस को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपनी तस्वीर साझा करते हुए पोस्ट में लिखा, 'जन्माष्टमीकि शुभकामनाएं. इस वर्ष मुझे श्री नाथ जी के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जय श्री कृष्ण।' अभिनेता अर्जुन रामपाल ने ट्विटर के जरिए फैंस को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'भगवान कृष्ण आपकी सभी चिंताओं को चुरा लें और कृष्ण

जन्माष्टमी के इस पवित्र अवसर पर आपको शांति और खुशी दें। हार्दिक शुभकामनाएं।' अभिनेता कुणाल कपूर ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर भगवान कृष्ण का वीडियो साझा कर लिखा, 'सभी को जन्माष्टमी की ढेर सारी शुभकामनाएं। आपके जीवन में यह शुभ दिन बहुत ज्यादा खुशियां लाए।' वहीं सिंगर अदनान सामी और अभिनेत्री सुजैन बर्नर्ट ने भी कू अकाउंट के जरिए फैंस को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी हैं। इनके अलावा और भी कई सितारें हैं जिन्होंने कृष्ण जन्माष्टमी के खास मौके पर फैंस के लिए पोस्ट लिखा है। इन सभी सितारों ने सोशल मीडिया पोस्ट्स भी जमकर वायरल हो रहे हैं। सितारों के फैंस पोस्ट को खूब पसंद भी कर रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा के साथ निक जोनस ने की ऐसी शरारत, एक्ट्रेस को भी आ गई शर्म

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपने सिंगर-पति निक जोनस के साथ एक तस्वीर शेयर की है। फोटो में दोनों धूप के दिनों में पूल के किनारे मस्ती करते नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि वे अपने लॉस एंजिल्स घर पर वापस आ गए हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपने सिंगर-पति निक जोनस के साथ एक तस्वीर शेयर की है। फोटो में दोनों धूप के दिनों में पूल के किनारे मस्ती करते नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि वे अपने लॉस एंजिल्स घर पर वापस आ गए हैं। फोटो में प्रियंका ने रेड बॉटम के साथ ब्लैक बिकिनी टॉप पहना हुआ है। निक शर्टलेस हैं और उन्होंने काले रंग की स्विमिंग वियर पहन रखी है। निक ने हाथ में एक कांटा और एक चाकू ले रखा है। वो इस दौरान प्रियंका के बट पर कुछ मस्ती में कर रहे हैं। इस पर प्रियंका मुस्कुरा रही है। इस पर प्रियंका ने कैप्शन दिया 'ब्रेकफास्ट' साथ में कांटे और छूरी की इमोजी भी लगाई है। प्रियंका वीकेंड पर अमेरिका लौटीं और यहां आकर निक के एक कॉन्सर्ट में भी शिरकत की। जोनास ब्रदर्स - निक, जो और केविन - फिलहाल एक दौरे पर हैं, जिसे रिमेम्बर दिस कहा जाता है। कॉन्सर्ट में प्रियंका की तस्वीरें उनके फैनपेज ने सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। शुक्रवार तक, प्रियंका अपनी आगामी सीरीज, सिटाडेल की शूटिंग के लिए अभी भी लंदन में थीं। उसने शूट के दिन की तस्वीरें साझा कीं और प्रशंसकों को दिखाया कि कैसे एक स्टंट के दौरान उन्होंने अपना सिर

घायल कर लिया। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ले जाते हुए, प्रियंका ने अपने माथे की तस्वीरें साझा कीं। जिसमें उनके बालों में नकली खून दिखाई दे रहा था और एक असली कट भी था जो उनके माथे पर लगाया था। प्रियंका पिछले साल से लंदन में हैं। उन्होंने सैम 'ूगन और सेलीन डायोन के साथ अपनी रोमांटिक कॉमेडी, टेक्स्ट फॉर यू को सबसे पहले खत्म किया। फिर, उन्होंने अपनी फिल्मों द व्हाइट टाइगर और वी कैन बी हीरोज का प्रचार किया और अपनी बयोग्राफी, अनफिनिश्ड भी लॉन्च की।

'चेहरे' के साथ अमिताभ ने भंसाली की फिल्म 'ब्लैक' में भी नहीं ली थी कोई फीस

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्टर अमिताभ बच्चन अपनी फिल्म 'चेहरे' की स्क्रिप्ट से इतने इंप्रेस हुए कि उन्होंने न केवल इसे मुफ्त में करने के लिए हां कहा, बल्कि प्रोडक्शन के पोलैंड की अपनी जर्नी का खर्च भी खुद ही उठाया। हालांकि प्रोड्यूसर आनंद पंडित न े इसका खुलासा किया है कि टैक्स कारणों से अमिताभ को फिल्म में 'फ्रेंडली अपीयरेंस' क्रेडिट दिया गया है। लेकिन 'चेहरे' पहली बार नहीं है जब अमिताभ बच्चन ने किसी फिल्म में काम करने के लिए फीस नहीं ली है। सालों पहले, उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'ब्लैक' को मुफ्त में किया था, सिर्फ इसलिए कि वो डायरेक्टर के साथ काम करना चाहते थे। और अमिताभ ने रानी मुखर्जी द्वारा अभिनीत एक गूंगी-बहरी लड़की के ट्यूटर के रूप में अपने परफॉर्मेंस से नेशनल अवार्ड जीता था।

कंगना रनोट फिल्म में नजर आएंगी 10 अलग-अलग लुक्स में

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले साल के पहले हाफ तक कंगना रनोट की दो बैक टू बैक एक्शन जॉनर की फिल्म रिलीज होने के लिए तैयार हैं। वो फिल्म 'धाकड़' और 'तेजस' हैं। 'धाकड़' की शूटिंग जहां वो पूरी कर चुकी हैं, वहीं 'तेजस' की शूटिंग इन दिनों जारी है। साथ ही 10 सितंबर को उनकी जयललिता पर अधारित बायोपिक फिल्म 'थलाईवी' रिलीज हो रही है। फिल्म 'धाकड़' से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस फिल्म में वो हार्डकोर एक्शन करते नजर आएंगी। फिल्म में वो एजेंट के रोल में हैं। इसका अभी पोस्ट प्रोडक्शन जारी है। कोशिश है कि 'थलाईवी' के साथ इसका टीजर लॉन्च किया जाए। इस पर हालांकि दोनों फिल्मों के मेकर्स के बीच बातचीत का दौर जारी है। सूत्रों ने 'धाकड़' से जुड़ीं और भी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की हैं।

ड्रीम डेट पर 'बबीता जी' नहीं बल्कि किसी और के साथ जाना चाहते हैं जेठालाल

तारक मेहता देखने वाले हर दर्शक को पता है कि जेठालाल दिल ही दिल में बबीता जी से कितना प्यार करते हैं। हालांकि रियल लाइफ में दिलीप जोशी ने जयमाला जोशी के साथ सात फेरे लिए हैं दोनों के दो छोटे बच्चे भी हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो ने अपने बेशुमार शोहरत दिलाई है। चाहे दिशा वकानी हो, भव्या गांधी या निधि भानुशाली शो छोड़कर जा चुके एक्टर्स को लोग सिर आंखों पर बैठाते फैंस। ऐसा ही हाल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले स्टार दिलीप जोशी का है। फैन्स उनकी प्रोफेशनल दुनिया के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में भी सब कुछ जानना चाहते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि जेठालाल बबीता जी नहीं बल्कि किसी और के साथ डेट पर जाना चाहते हैं। तारक मेहता देखने वाले हर दर्शक को पता है कि जेठालाल दिल ही दिल में बबीता जी से कितना प्यार करते हैं। हालांकि रियल लाइफ में दिलीप जोशी ने जयमाला जोशी के साथ सात फेरे लिए हैं, दोनों के दो छोटे बच्चे भी हैं। वैसे दिलीप अपनी पर्सनल लाइफ में भी काफी रोमांटिक इंसान हैं। और डेट को लेकर उनकी कुछ फैनटसी भी है जिसे उन्होंने शेयर किया। मिड-डे से बातचीत में तारक मेहता का उल्टा चश्मा के अभिनेता ने एक बार अपनी ड्रीम डेट को लेकर बात की थी। दिलीप जोशी ने साझा किया, 'मैं और मेरी पत्नी एक नदी के किनारे पर, शायद टेम्स नदी पर। और हां मैं इटेलियन या लेबनीज खाना खाना

चाहूंगा।' इस बीच दिलीप जोशी ने बातचीत के दौरान अपने फेवरेट वेकेशन का भी खुलासा किया। उन्होंने खुलासा किया, 'जब हम लंदन गए थे तो रसोई नाम का एक रेस्तरां था, वह बहुत बढ़िया था। यह मध्य लंदन में कहीं है। हाल ही में हम ब्रिटेन में अपने भाई के घर छुट्टियां मनाने गए थे। मेरा भाई बहुत अच्छा रसोइया है, हम झील के किनारे एक इलाके में गए थे और हमारे पास एक बारबेक्यू था और यह अद्भुत था। वह बेस्ट छुट्टी का अनुभव था।' तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दिलीप सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अभिनेता हैं। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह प्रति एपिसोड 1.5 लाख की मोटी रकम घर ले जा रहे हैं।

केवल 40 दिन ही एक-दूसरे का साथ निभा पाए थे विक्रम बत्रा और डिंपल चीमा, 'शेरशाह' के राइटर ने शहीद कैप्टन की लव स्टोरी पर किए ये खुलासे

कारगिल युद्ध के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा की बायोपिक शेरशाह इन दिनों काफी सुर्खियों में है। इस फिल्म में अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने विक्रम बत्रा का किरदार निभाया है जबकि अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने विक्रम की गर्लफ्रेंड डिंपल चीमा का किरदार किया है।

नई दिल्ली, एजेंसी। कारगिल युद्ध के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा की बायोपिक 'शेरशाह' इन दिनों काफी सुर्खियों में है। इस फिल्म में अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने विक्रम बत्रा का किरदार निभाया है जबकि अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने विक्रम की गर्लफ्रेंड डिंपल चीमा का किरदार किया है। फिल्म 'शेरशाह' की कहानी को संदीप श्रीवास्तव ने लिखा है। इस फिल्म की कहानी को लिखने के लिए संदीप श्रीवास्तव को काफी रिसर्च करनी पड़ी और विक्रम बत्रा की जिंदगी से जुड़े लोगों से बात भी करनी पड़ी। उन्होंने डिंपल चीमा से भी बात और उनकी विक्रम बत्रा के साथ लव स्टोरी के बारे में भी पूछा। संदीप श्रीवास्तव ने खुलासा किया है कि डिंपल चीमा ने उन्हें बताया कि उनकी और विक्रम बत्रा की लव स्टोरी कुल 40 दिन ही चली थी। संदीप श्रीवास्तव ने अंग्रेजी वेबसाइट न्यूज 18 से बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म 'शेरशाह' की कहानी लिखने के अपने अनुभवों को साझा किया। संदीप श्रीवास्तव ने कहा, 'जब मैं अपनी रिसर्च कर रहा था तो मैंने डिंपल से भी बातचीत की। इस दौरान उन्होंने मुझे बताया कि कैप्टन बत्रा और वह एक-दूसरे को चार साल से जानते हैं लेकिन उन्होंने साथ में जो समय बिताया वह सिर्फ 40 दिनों का था।' संदीप श्रीवास्तव ने आगे कहा, 'डिंपल को लगता है कि उन्होंने और विक्रम बत्रा ने उन 40 दिनों को जीया था, जो उस अद्भुत महिला के लिए बहुत मायने रखता है जिसका मैं बहुत सम्मान करती हूं।

कियारा ने जिस तरह से किरदार निभाया है, उसके माध्यम से उनकी भावनाओं का पता चल रहा है, और यही वास्तव में लोगों से जुड़ा हुआ है। इसलिए मैं नहीं समझता कि इसमें कुछ जोड़ने की जरूरत थी। यह बिल्कुल सही था। संदीप श्रीवास्तव ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'डिंपल कैप्टन विक्रम बत्रा की जिंदगी का एक बहुत ही अभिन्न अंग हैं, आप डिंपल के साथ उनके संबंधों के बिना और युद्ध में उन्होंने जो किया उसके बिना उनकी कहानी नहीं बता सकते। मुझे लगता है कि हमने जो किया है वह सही संतुलन में आया है। ऐसे भी कई विचार हैं, जो इसके ठीक विपरीत हैं और वे कह रहे हैं कि यह उनके निजी जीवन और एक सैनिक के रूप में उनके जीवन का एकदम सही मिश्रण है।' गौरतलब है कि कारगिल युद्ध में विक्रम बत्रा के शहीद होने के बाद डिंपल चीमा ने आज तक शादी नहीं की है।

61 के हुए नागार्जुन अक्किनेनी

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ के सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी 61 साल के हो गए हैं। 29 अगस्त, 1959 को जन्मे नागार्जुन ने साउथ के साथ बॉलीवुड की फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में 1986 में फिल्म 'विक्रम' से डेब्यू किया था। बॉलीवुड में उन्होंने फिल्म 'शिवा' (1990) अपना सफर शुरू किया था। तकरीब 90 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके नागार्जुन ने दो शादियां की है। उनकी पहला वाइफ का नाम लक्ष्मी दग्गुबती और दूसरी पत्नी है अमाला। बता दें कि शादीशुदा होने के बाद भी नागार्जुन का अफेयर बॉलीवुड एक्टर तब्बू के साथ था। इनके अफेयर ने काफी सुर्खियां भी बटोरीं थी, लेकिन दोनों कभी एक नहीं हो पाए। नागार्जुन वाइफ को तलाक नहीं देना चाहते थे। अपने रिश्ते का कोई भविष्य नहीं देखते

हुए दोनों अलग हो गए। नागार्जुन 800 करोड़ की प्रॉपर्टी के मालिक हैं। उनके पास हैदराबाद के जुबली हिल्स में करीब 40 करोड़ रुपए की कीमत का बंगला है। वे अन्नपूर्णा स्टूडियो प्रोडक्शन कंपनी के मालिक हैं। ये स्टूडियो लगभग 7 एकड़ में फैला हुआ है। वे इस प्रोडक्शन कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इसके अलावा वे अन्नपूर्णा इंटरनेशनल स्कूल ऑफ फिल्म एंड मीडिया, हैदराबाद के प्रेसिडेंट भी हैं। NNN रियलिटी इंटरप्राइजेज के फाउंडिंग पार्टनर भी हैं।

हनी सिंह करेंगे नेहा-टोनी कक्कड़ के साथ नया गाना रिलीज, पत्नी संग चल रहा है घरेलू हिंसा का केस

रैपर और संगीतकार हिरदेश सिंह यानि यो यो हनी सिंह पर उनकी पत्नी शालिनी तलवार ने दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में घरेलू हिंसा का केस दर्ज कराया है। शालिनी ने अपने 118 पन्नों के मुकदमे में हनी सिंह पर अन्य महिलाओं के साथ अवैध संबंध रखने का आरोप लगाया।

नई दिल्ली, एजेंसी। हनी सिंह जल्द ही अपनी नई एल्बम 'कांटा लगा' के साथ वापसी करने वाले हैं। गाने के पोस्टर में उन्हें नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ के साथ दिखाया गया है। उन्होंने पोस्टर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर इस घोषणा के साथ अपलोड किया कि गाने का टीजर 2 सितंबर को रिलीज किया जाएगा। रैपर और संगीतकार हिरदेश सिंह यानि यो यो हनी सिंह पर उनकी पत्नी शालिनी तलवार ने दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में घरेलू हिंसा का केस दर्ज कराया है। शालिनी ने अपने 118 पन्नों के मुकदमे में हनी सिंह पर अन्य महिलाओं के साथ अवैध संबंध रखने का आरोप लगाया है। उन्होंने हनी सिंह और उसके परिवार के हाथों कथित शारीरिक, मौखिक और भावनात्मक शोषण का भी विवरण दिया है। हनी सिंह, उसकी पत्नी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया, 'जब वह शो करने के लिए ट्रैवल कर रहे थे, तब उसने कई महिलाओं के साथ लगातार यौन संबंध बनाए' और 'अपने यौन इरादों और अवैध संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए, कभी भी जनता के सामने यह खुलासा नहीं किया ... कि वह शादीशुदा हैं'। 3 सितंबर को है पेशी वहीं 28 अगस्त को कोर्ट ने लगातार दूसरी बार पेश नहीं होने के चलते हनी सिंह को फटकार लगई थी।

बाहुबली स्टार प्रभास की फिल्म 'राधे श्याम' का नया पोस्टर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर हुआ रिलीज, देखिए क्या है खास

राधा कृष्ण कुमार निर्देशित बहुभाषी प्रेम कहानी राधे श्याम 1970 के दशक के यूरोप में स्थापित है। इटली जॉर्जिया और हैदराबाद में बड़े पैमाने पर शूट की गयी राधे श्याम को एक मेगा कैनवास पर रखा गया है जिसमें प्रभास और पूजा नये अवतारों में दिखाई देंगे।

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहुबली एक्टर प्रभास की फि ल्म राधे श्याम अगले साल मकर संक्रांति के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। प्रभास के फैंस को उनकी इस फि ल्म का बेसब्री से इंतजार है। सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूमधाम के बीच फि ल्म का नया पोस्टर रिलीज किया गया है। पोस्टर पर प्रभास एक खूबसूरत टक्सीडो और पूजा हेगड़े एक लुभावने बॉल गाउन में हुए नजर आ रही हैं और यह पोस्टर किसी परी कथा से कम नहीं लग रहा है। राधा कृष्ण कुमार निर्देशित बहुभाषी प्रेम कहानी राधे श्याम 1970 के दशक के यूरोप में स्थापित है। इटली, जॉर्जिया और हैदराबाद में बड़े पैमाने पर शूट की गयी राधे श्याम को एक मेगा कैनवास पर रखा गया है, जिसमें प्रभास और पूजा पहले कभी ना देखे गए अवतारों में दिखाई देंगे। निर्देशक राधा कृष्ण कुमार कहते हैं, 'हमने बहुत मेहनत की है और यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है कि हम दर्शकों को एक ऐसा नाटकीय अनुभव दें, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। राधे श्याम 14 जनवरी 2022 को सिनेमाघरों में आएगी और हम जन्माष्टमी जैसे खास दिन पर फि ल्म का यह पोस्टर पेश करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।' राधे श्याम दक्षिण भारतीय भाषाओं के साथ हिंदी में भी रिलीज की जाएगी। फि ल्म का निर्माण यूवी क्रिएशंस ने किया है, जबकि गुलशन कुमार और टी-

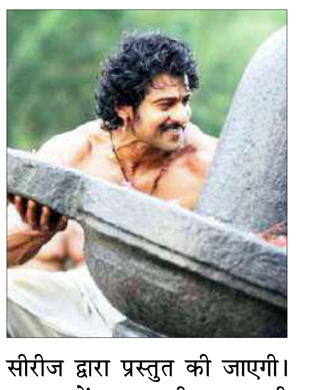

सीरीज द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। 2021 में प्रभास की सालार भी रिलीज होने वाली है। इस फि ल्म का निर्देशन केजीएफ चैप्टर 2 के निर्देशक प्रशांत नील कर रहे हैं। फि ल्म 14 अप्रैल 2022 को रिलीज होने वाली है। हालांकि, कुछ दिनों पहले केजीएफ 2 के इस तारीख को आने की घोषणा की गयी थी। ऐसे में सालार की रिलीज स्थगित हो सकती है। इसके अलावा प्रभास आदिपुरुष की शूटिंग कर रहे हैं, जिसे ओम राउत निर्देशित कर रहे हैं। यह फि ल्म रामायण की गाथा पर आधारित है। फि ल्म में प्रभास भगवान राम के रोल में नजर आएंगे। सनी कौशल लक्ष्मण, कृति सेनन सीता और सैफ अली खान रावण का किरदार निभा रहे हैं।

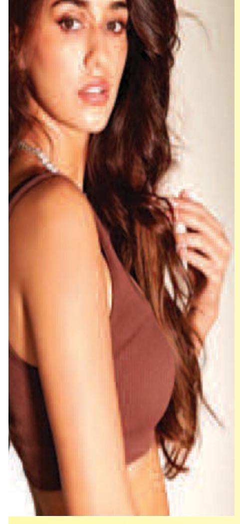

प्रभुदेवा को इंप्रूवमेंट पसंद है : दिशा पटानी

मुंबई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। फिल्म 'राधे' में प्रभुदेवा के साथ काम कर चुकीं अभिनेत्री दिशा पटानी का कहना है कि कोरियोग्राफर और फिल्म निर्माता प्रभु देवा को सुधार करना पसंद है। प्रभुदेवा के साथ काम करने के बारे में याद करते हुए, दिशा ने कहा कि जब मुझे 'राधे' की पेशकश की गई थी, तो मैं फिल्म में काम करने के लिए वास्तव में उत्साहित थी। यह फिल्म सीखने का अनुभव रही है, जैसा कि किसी भी प्रोजेक्ट के साथ होता है। प्रभु सर को सुधार करना पसंद है जबकि मुझे सेट पर जाने से पहले तैयारी करने की आदत है। 29 वर्षीय अभिनेत्री, जिसके बारे में अफवाह है कि वह अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ डेटिंग कर रही है, ने इस बारे में बात की कि कैसे 'राधे' में कुछ आकर्षक नंबर हैं। उन्होंने कहा कि मुझे डांस करना पसंद है और फिल्म में 'सेटी मार' जैसे कुछ आकर्षक गाने हैं जिनकी तैयारी में मुझे बहुत मजा आया। मैं इस तरह की और फिल्मों के साथ अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए उत्सुक हूं। सुपरस्टार सलमान खान अभिनीत 'राधे' का टेलीविजन प्रीमियर 5 सितम्बर को जी सिनेमा पर होगा।

भाविना पटेल ने भारत के लिए टेबल टेनिस में अब तक का पहला पदक जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री ने रविवार को सवेरे झोउ यिंग के खिलाफ फाइनल मैच के बाद भाविना को फोन किया और रजत पदक जीतने पर बधाई दी। भाविनाबेन पटेल ने आज टोक्यो पैरालंपिक में महिला एकल वर्ग 4 टेबल टेनिस में भारत का पहला रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। राष्ट्रीय खेल दिवस 2021 के अवसर पर रजत पदक जीतना देश के लिए किसी आश्चर्य और यादगार तोहफे से कम नहीं है।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर इतिहास में वापस चले गए और कुछ यादगार पलों को याद किया जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाविना के साथ साझा किए थे। केंद्रीय मंत्री ने 2010 की एक तस्वीर साझा की जिसमें भाविना और उनकी साथी सोनलबेन पटेल को गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सम्मानित किया।

ठाकुर ने अपने ट्विटर पर लिखा, 'सोनल और भाविना 2010 दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए जा रहे थे। मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुलाकात की और उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित किया। 'खेल संस्कृति का निर्माण, प्रत्येक खेल और खिलाड़ियों का समर्थन करना एक जीवन पर्यंत प्रयास रहा है, जो आज भी जारी है। इसके सुखद परिणाम मिल रहे हैं। खिलाड़ियों के समर्थक प्रधानमंत्री !' प्रधानमंत्री ने रविवार को सवेरे, झोउ यिंग के खिलाफ फाइनल मैच के बाद भाविना को फोन किया और रजत पदक जीतने पर बधाई दी। क्लास 4 वर्ग में दुनिया की 12वें स्थान पर मौजूद 34 वर्षीय भारतीय पैरा-टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना का फाइनल में यिंग के खिलाफ कड़ा मुकाबला था। स्वर्ण पदक के मैच में भाविना को विश्व की नंबर एक खिलाड़ी से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी यिंग के पास अब चार पैरालंपिक खेलों में छह स्वर्ण पदक हैं। भाविना अपने शुरूआती ग्रुप स्टेज मैच में भी चीन की खिलाड़ी के खिलाफ हार गई थी। लेकिन, प्री-क्वार्टर चरण के बाद भाविना ने जो प्रदर्शन किया, वह उल्लेखनीय है। पैरालंपिक खेलों में पहली बार भाग ले रहीं भाविना ने अपने से ऊपर वरीयता वाली ब्राजील की जॉयस डी ओलिवेरा के खिलाफ अंतिम 16 के मैच में सीधे गेम में 3-0 से जीत हासिल की थी। क्वार्टर फाइनल में सर्बिया की बोरिसलावा पेरीक, भाविना की प्रतिद्वंद्वी थीं, जो स्वर्ण पदक के साथ 2016 रियो पैरालंपिक खेलों में रजत पदक विजेता भी थीं। भारतीय खिलाड़ी भाविना ने इस मुकाबले में भी 3-0 से जीत हासिल की। सेमीफाइनल में भाविना ने 2012 पैरालंपिक खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और 2016 पैरालंपिक खेलों की रजत पदक विजेता झांग मियाओ को 3-2 से हराया।

ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन से खेल संस्कृति आगे बढ़ेगी : मल्लेश्वरी

मुंबई, एजेंसी। पूर्व ओलंपियन भारोत्तोलक कर्णम मल्लेश्वरी ने कहा है कि टोक्यो खेलों में भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से देश में खेल संस्कृति आगे बढ़ेगी। साथ ही कहा कि मीराबाई चानू के ओलंपिक रजत से युवा भारोत्तोलन की ओर आकर्षित होंगे। साल 2000 ओलंपिक भारोत्तोलन में कांस्य पदक विजेता मल्लेश्वरी ने कहा, 'चानू का पदक 20 साल बाद आया है और इसलिए यह हमारे लिये किसी आक्सीजन की तरह काम कर रहा है। मुझे लगता है कि इस पदक से भविष्य में कई बच्चे प्रेरणा लेंगे और आने वाले दिनों में हमें और अधिक पदक भी मिलेंगे।'

वहीं टोक्यो ओलंपिक में भारत के प्रदर्शन के बारे में मल्लेश्वरी ने कहा, 'हमने सात पदक जीते हैं। हमने अच्छा प्रदर्शन किया और सबसे खुशी की बात यह रही कि एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता जिसमें हम पदक के बारे में सोच भी नहीं रहे थे।' उन्होंने कहा, 'भारत सरकार, साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण), खेल मंत्रालय से खिलाड़ियों को जो सहयोग मिला उसने भी आज यह सफलता मिली है। सरकार ने ओलंपियन की हर तरह से मदद की। उन्हें सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं और प्रशिक्षण मुहैया कराया गया जिसका परिणाम सामने है।' वहीं ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला मल्लेश्वरी ने कहा कि सरकार के सहयोग के कारण ही खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर पाये है। इस कारण अब माता पिता अपने बच्चों को खेल को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लोग जागरूक हुए हैं जबकि पहले संशय रहता था कि खेल को करियर बनाये या नहीं लेकिन आज आप खेलों में भी अच्छा करियर बना सकते हैं।'

संक्षिप्त समाचार

झाझरिया लगातार देश को गौरवान्वित करते रहे हैं : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पैरालंपिक खेलों में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक विजेता देवेन्द्र झाझरिया को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने लगातार देश को गौरवान्वित किया है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, 'देवेन्द्र झाझरिया का शानदार प्रदर्शन। हमारे सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक झाझरिया ने एक बार फिर पदक जीता है। वह भारत को लगातार गौरवान्वित करते रहे हैं। उन्हें बधाइयां और भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएं।' झाझरिया ने भाला फेंक के एफ 46 वर्ग में रजत पदक जीता। पैरालंपिक खेलों में झाझरिया ने 64.35 मीटर भाला फेंककर तीसरी बार पदक जीतने के साथ ही हैट्रिक बनायी है। इससे पहले एथेंस ओलंपिक 2004 और रियो ओलंपिक 2016 में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीते थे।

अवनि को विशेष उपहार देंगे आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण विजेता महिला निशानेबाज अवनि लेखरा के शानदार प्रदर्शन पर खुशी जतायी है। इसी के साथ ही महिंद्रा ने ट्वीट कर अवनि को एक विशेष उपहार देने की भी घोषणा की है। महिंद्रा ने लिखा कि हफ्ते भर पहले दीपा मलिक ने हमें सुझाव दिया था कि हम दिव्यांगों के लिए एक एसयूवी विकसित करें। जैसे कि दीपा टोक्यो में इस्तेमाल करती हैं। मैंने अपने सहयोगी वेलू से इस चुनौती का सामना करने के लिए अनुरोध किया, जो हमारे डेवलपमेंट हेड भी हैं। खैर, वेलू, मैं आपके द्वारा बनाई गई पहली ऐसी एसयूवी को समर्पित और उपहार में देना चाहता हूं। आनंद महिंद्रा खेल सहित सभी क्षेत्रों में विशेष सफलता हासिल करने वालों का उत्साह बढ़ाते रहते हैं। उन्होंने ओलंपिक सही कई खेलों में विजेताओं को जीत पर पुरस्कृत किया है।

झाझरिया ओलंपिक या पैरालंपिक खेलों में तीन पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने

टोक्यो, एजेंसी। भारत के भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में रजत पदक जीतने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही झाझरिया ओलंपिक या पैरालंपिक खेलों में तीन पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं। राजस्थान के चुरू जिले में जन्मे झाझरिया को आठ वर्ष की उम्र में पेड़ पर चढ़ते समय बिजली के तार लग गये थे। इस कारण उनका बायां हाथ काटना पड़ा था। इसके बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं खोयी और खेल में आगे बढ़ते गये। उनके नाम पर पहले 63.97 मीटर तक भाला फेंकने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज था।

चमीरा और हसारंगा आईपीएल खेलेंगे , श्रीलंकाई बोर्ड ने एनओसी दी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकई क्रिकेटर दुष्मंत चमीरा और वनिंदू हसारंगा अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के बचे हुए सत्र में खेल सकेंगे। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने इन दोनो खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) दे दी है। तेज गेंदबाज दुष्मंत और स्पिन ऑल राउंडर हसारंगा के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आईपीएल के शेष मैचों में खेलने से आरसीबी की गेंदबाजी बेहतर होगी। टिम डेविड के साथ दोनों खिलाड़ियों को आरसीबी ने वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में चुना है क्योंकि टीम में फिन एलेन, स्कॉट कुगेल्जिन, एडम जम्पा, डेनियल सैम्स और केन रिचडर्सन शामिल नहीं हैं।

एसएलसी ने कहा कि तकनीकी सलाहकार समिति के साथ विचार के बाद इन खिलाड़ियों को अनुमति दे दी गयी है। श्रीलंका के दक्षिण अफ्रीका का दौरा समाप्त होने के बाद खिलाड़ियों को 15 सितम्बर से अपनी आईपीएल टीमों के साथ जुड़ने के लिए एनओसी प्रदान कर दी गयी है। यह दोनों ही खिलाड़ी टी-20 विश्व कप के क्वालीफायर से पहले दो अभ्यास मैच खेलने के लिए 10 अक्टूबर को वापस श्रीलंका टीम से जुड़ेंगे। हसारंगा लेग स्पिन आलराउंडर है और वह भारत के खिलाफ टी 20 सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे जबकि तेज गेंदबाज चमीरा ने उसी सीरीज में चार विकेट हासिल किये थे। आरसीबी आईपीएल में दूसरे चरण में अपना पहला मैच 20 सितम्बर को केकेआर के खिलाफ खेलेगी।

फमुर्ला वन ट्राफी के साथ रेड बुल के मैक्स वरसेपन।

अश्विन के आने से ही समस्या हल नहीं होगी : वॉन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार अंतिम दो टेस्ट मैचों में अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अंतिम एकादश में शामिल करने से भारतीय बल्लेबाजी में आ रही कमजोरी दूर नहीं होगी। इस पूर्व कप्तान ने कहा है कि बल्लेबाजी क्रम में 'आठवें से 11वें नंबर तक' ऐसे खिलाड़ियों को नहीं शामिल किया जा सकता जो तकनीकी रुप से बेहतर नहीं हों। भारतीय टीम लीड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट की दोनों पारियों में बल्लेबाजी के दौरान नाकाम रही थी और 78 और 278 रनों पर ही आउट हो गयी थी। जिससे इंग्लैंड की टीम सीरीज में 1-1 से बराबरी पर पहुंच गयी। वॉन ने कहा, 'निश्चित तौर पर उन्हें अश्विन को शामिल करना चाहिये क्योंकि आपके पास आठवें से 11वें स्थान तक चार बेहद कमजोर बल्लेबाज नहीं हो सकते। लॉर्ड्स में मोहम्मद शमी की शानदार पारी ने उनके लिए निचले क्रम की बल्लेबाजी में उम्मीद की किरण जरुर जगायी पर देखा जाये तो शमी आठवें क्रम पर बल्लेबाजी करने के लायक नहीं है।'

वॉन ने कहा, 'अश्विन को अंतिम एकादश में आना होगा। भारतीय टीम लॉर्ड्स में बच गयी पर आपके पास आठवें, नौवें, 10वें और 11वें स्थान पर चार ऐसे खिलाड़ी नहीं हो सकते जो बल्लेबाजी में काफी कमजोर हो। अश्विन को खिलाना चाहिए, उन्होंने टेस्ट में पांच शतक लगाए हैं। उन्होंने 400 से अधिक टेस्ट विकेट लिये हैं। उसे इस टेस्ट टीम में शामिल होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'भारतीय ड्रेसिंग रूम में काफी अनुभव है। श्रृंखला के आखिरी दो मैच, दो बहुत अच्छे स्थल पर खेले जाएंगे जहां स्पिन ने ऐतिहासिक रूप से भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री ने स्वर्ण जीतने पर निशानेबाज अवनि को बधाई दी

चक्का फेंक खिलाड़ी योगेश के प्रदर्शन को भी सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर महिला निशानेबाज अवनि लेखरा को बधाई दी है। अवनि ने स्वर्ण जीतने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। वह पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। अवनि ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल के क्लास एसएच 1 का खिताब अपने नाम किया है। मोदी ने ट्वीट करके कहा कि अवनि का असाधारण प्रदर्शन, स्वर्ण जीतने के लिए बधाई। आपके मेहनती स्वभाव और निशानेबाजी के लिए जुनून के कारण ही यह यह संभव हो पाया है। भारतीय खेलों के लिए यह एक विशेष पल है। आपके भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं।

वहीं प्रधानमंत्री ने पुरुषों की चक्का फेंक स्पर्धा के एफ56 वर्ग में रजत पदक जीतने वाले योगेश कथूनिया को बधाई देते हुए कहा कि उनका प्रदर्शन भी शानदार रहा है। यह खुशी की बात है कि उन्होंने रजत पदक जीता है। उनकी इस सफलता से नए खिलाड़ी भी खेलों के लिए प्रेरित होंगे। इन सभी को भविष्य में भी इसी प्रकार सफल होने के लिए मेरी ओर से शुभकामनाएं।

ओवल में ही भारतीय टीम को मिली थी पहली जीत

लंदन, एजेंसी। भारतीय टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दो सितंबर से चौथा टेस्ट मैच ओवल के मैदान पर खेलेगी। दोनो ही टीमों के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज अब तक 1-1 से बराबर है। आंकड़ों पर नजर डालें तो इस यह मैदान भारत के लिए अच्छा रहा है। 50 साल पहले इसी मैदान पर भारत ने इंग्लैंड में टेस्ट मैच के साथ ही पहली सीरीज भी जीती थी। उस समय भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया था। इस मैदान पर पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ ने दो शतक लगाये हैं। ओवल के मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच 12 मुकाबले हुए हैं। इसमें इंग्लैंड ने चार जबकि भारत ने एक टेस्ट मैच जीता है जबकि सात मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच इस मैदान पर 1936 में खेला गया था जिसमें मेजबान टीम ने नौ विकेट से जीत हासिल की थी। दोनों टीमों के बीच आखिरी मुकाबला साल 2018 में खेला गया जिसे इंग्लैंड ने 118 रनों से जीता।

द्रविड़ ने इस मैदान पर 3 टेस्ट मैचों में 110 की औसत से 443 रन बनाए हैं। द्रविड़ ने यहां दो शतक और एक अर्धशतक लगाये हैं। साल 2002 में ओवल में खेले गए टेस्ट मैच में द्रविड़ ने 217 रनों की दोहरे शतक वाली पारी खेली थी जिससे भारत यह टेस्ट मैच ड्रॉ करने में सफल रहा था। इस मैदान पर अनिल कुंबले ने अपने करियर का एकमात्र शतक साल 2007 में लगाया था। भारत ने पहली पारी में कुंबले के नाबाद 110 रनों की बदौलत 664 रन बनाए थे। पूर्व सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने यहां साल 1979 में चौथी पारी में 221 रनों की आर्कषक पारी खेली थी जिससे भारत यह मैच ड्रॉ कराने में सफल रहा था।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कार्यक्रम में बदलाव

अब दो दिन की देरी से होगी सीरीज

सिडनी, एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ गुलाबी गेंद से होने वाले टेस्ट मैच की जगह को बदल दिया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार सीए ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह बदलाव किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच अगले महीने 3 एकदिवसीय और इतने ही टी20 के अलावा एक टेस्ट मैच भी खेला जाएगा।

19 सितंबर से शुरू होने वाली यह सीरीज अब 2 दिन की देरी के साथ ही 21 सितंबर से शुरू होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वाका स्टेडियम पर गुलाबी गेंद से होने वाला टेस्ट अब क्वींसलैंड के कैरारा स्टेडियम में खेला जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार टेस्ट के अलावा एकदिवसीय मैचों की जगह में भी बदलाव किया गया है। एकदिवसीय मैच सिडनी में होने थे, मगर अब क्वींसलैंड के मैक्के में ही ये खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया इस समय एक बार फिर कोरोना महामारी से प्रभावित है। इसी कारण से ही मेलबर्न, पर्थ और सिडनी में कोई क्रिकेट मैच नहीं खेला जा सकता।

ऑलराउंडर स्टुअर्ट बिन्नी ने खेल को अलविदा कहा एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑलराउंडर स्टुअर्ट बिन्नी ने क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। 37 साल के बिन्नी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे थे। साल 2016 के बाद से उन्हें एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। स्टुअर्ट ने साल 2014 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। वह पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी के बेटे हैं। स्टुअर्ट ने अपने करियर में 6 टेस्ट, 14 एकदिवसीय और 3 टी20 मैच खेले हैं। उनके नाम एकदिवसीय क्रिकेट में भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड है। साल 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने 4 रन देकर 6 विकेट लिए थे। उनके इस रिकॉर्ड को आज तक किसी भ भारतीय गेंदबाज ने नहीं तोड़ा है।

बिन्नी के नाम टेस्ट क्रिकेट में 194 रन और 3 विकेट, एकदिवसीय में 230 रन और 20 विकेट, टी20 में 35 रन और 1 विकेट है। बिन्नी ने 95 फर्स्ट क्लास मैचों में 4 हजार 796 रन बनाए और 148 विकेट लिए है। वहीं 100 लिस्ट ए मैचों में 1788 रन बनाने के साथ ही 99 विकेट भी लिए हैं। उनका 100वां फर्स्ट क्लास मैच उनके करियर का आखिरी मैच था। अपने अंतिम मैच में बिन्नी ने नगालैंड की तरफ से अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ नाबाद 55 रन की पारी खेली थी।

स्टुअर्ट ने निचले क्रम आक्रामक बल्लेबाजी के साथ ही मध्यम गति वाले स्विंग और सीम वाले गेंदबाज थे। शुरूआती दौर में बिन्नी कर्नाटक की टीम में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे. इसके बाद 2007 में उन्होंने भारतीय क्रिकेट लीग के लिए करार किया। तब उन्होंने हैदराबाद हीरोज और इंडिया इलेवन की ओर से खेला।

आईपीएल से खेल में वापसी के लिए तैयार हैं श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली, एजेंसी। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर कंधे की सर्जरी के बाद अब पूरी तरह से ठीक हो गये हैं और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से खेल में वापसी के लिए तैयार हैं। श्रेयस पिछले कुछ समय से ही आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। उनका लक्ष्य दिल्ली कैपिटल्स को पहला आईपीएल खिताब जिताना है। अय्यर की कप्तानी में ही दिल्ली की टीम ने साल 2020 में पहली बार आईपीएल के फाइनल में जगह बनायी थी। इस साल स्थगित हुए आईपीएल के पहले चरण के मैचों के दौरान वह चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो थे। ऐसे में उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टीम की कप्तानी की थी। श्रेयस ने कहा कि मैं एक खिलाड़ी और प्रशंसकों का सपना पूरा करने के लिए अपनी ओर से टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करुंगा।

श्रेयस ने कहा कि इस सत्र के शुरूआती चरण का हमारा प्रदर्शन 2019 और 2020 में बनाए गए माहौल के परिणाम को दिखाता है। पिछले साल, हम आईपीएल जीतने के इतने करीब आ गए थे। पिछले दो वर्षों में हमने टीम को एक योद्धा में बदल दिया है। यह उस प्रणाली और प्रक्रिया से आया है जिसे हमने स्थापित किया था। मैं प्रबंधन का शुक्रिया करना चाहूंगा कि उन्होंने मेरी क्षमता पर भरोसा किया, जिससे मैं टीम के लिए योगदान दे सका। उन्हें लगता है कि कैपिटल्स में नेतृत्व की भूमिका ने उन्हें और अधिक समझदार क्रिकेटर बनने में मदद की क्योंकि इससे उन्होंने मानव-प्रबंधन कौशल और स्वभाव में सुधार करने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी ने मुझे एक बेहतर क्रिकेटर बनाया है। मैं अब चीजों, परिस्थितियों, खेल को अलग तरह से देखता हूं। इसने मेरे स्वभाव और एक कप्तान के रूप में मेरे प्रबंधन कौशल में सुधार किया है। आईपीएल खेलते समय श्रेयस की एक नजर टी20 विश्व कप टीम पर भी होगी, जहां राष्ट्रीय टीम में जगह के लिए संभवतः ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव के साथ उनका मुकाबला होगा। दोनों ने अपने टी20 करियर की शानदार शुरूआत की है।

सूर्यकुमार को टीम में शामिल करें : वेंगसरकर

मुंबई, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ दो सितंबर से शुरू होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में छठे विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर मुंबई के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को शामिल किया जाना चाहिये। भारत को तीसरे टेस्ट में बल्लेबाजों की असफलता के कारण करारी हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद भी कप्तान विराट कोहली पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों को शामिल करने के पक्ष में है। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य चयनकर्ता वेंगसरकर के अनुसार हमें अपने बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत करने की जरूरत है जो हनुमा विहारी की जगह सूर्यकुमार यादव को शामिल करके किया जा सकता है। साथ ही हमें एक गेंदबाज को बाहर कर छह बल्लेबाजों के साथ उतरना चाहिए। इससे पहले महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी छह बल्लेबाजों के साथ उतरने की बात कही थी। वेंगसरकर का मानना है कि सूर्यकुमार में वह प्रतिभा और जज्बा मौजूद है जो अगले टेस्ट मैच में भारतीय टीम के लिये अंतर पैदा कर सकता है। खेल कौशल के मामले में सूर्यकुमार इस समय के हिसाब से सर्वश्रेष्ठ विकल्प रहेंगे। वह पिछले कुछ समय से टीम के साथ है। इसलिए उन्हें तत्काल टीम में जगह दी जानी चाहिये।